खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 08 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-66

एस जयशंकर की सुरक्षा में चूक पर भारत की दो टूक

ब्रिटेन में अलगाववादियों को मिला उत्पात मचाने का लाइसेंस

नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉरिशस दौरे की जानकारी दी । इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन में विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा में हुई चूक पर भी बयान दिया। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर की गाड़ी के सामने आकर खालिस्तान समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि यूके में जो

अलगाववादी तत्व रह रहे हैं, ऐसा लगता है कि उन्हें लाइसेंस दे दिया गया है।

विदेश मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा में चूक को पहले भी इस तरह की हो चुकी घटनाओं से जुड़ा बड़ा संदर्भ बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कहा कि हमारी वैध राजनयिक गतिविधियों में बाधा डालने के उद्देश्य से यह उनकी (खालिस्तानी) धमकियों, डराने वाली घटनाओं और अन्य कार्रवाईयों के प्रति ब्रिटेन की उदासीनता को दर्शाता है।विदेश मंत्रालय ने कहा, ऐसा लगता है, इन ताकतों को ब्रिटेन में धमकियां और अन्य काम करने के लिए लाइसेंस मिला है। ये हमारे राजनयिक कार्य में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। यूके इन घटनाओं के दोषी लोगों के खिलाफ उचित कार्यवाई करे। हमने इस मामले पर ब्रिटेन के विदेश कार्यालय का ओर से जारी बयान पर गौर किया है।

लंदन में खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहे प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह में शामिल एक व्यक्ति ने उस समय सुरक्षा घेरा तोड़कर विदेश मंत्री एस जयशंकर की कार को रोकने का प्रयास किया।

भारत ने जब इसे लेकर नाराजगी जताई तो गुरुवार (6 मार्च 2025) को यूके के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया था।यूके के विदेश मंत्रालय ने कहा था, हम विदेश मंत्री एस जयशंकर की यूके यात्रा के दौरान चैथम हाउस के बाहर हुई घटना की कड़ी निंदा करते हैं। यूके शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का समर्थन करता है, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों को डराने, धमकाने या बाधित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

पीएम मोदी ने दादर और नगर हवेली में किया 2580 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास, बोले-

ये सिर्फ एक केंद्र शासित प्रदेश नहीं हमारा गौरव और विरासत है

दादर और नगर हवेली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दादर और नगर हवेली के सिलवासा में सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने 2,587 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

वन नेशन-वन राशन कार्ड से हर व्यक्ति को भोजन की गारंटी मिली है

जल जीवन मिशन से हर परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंच रहा है

इस दौरान मोदी ने कहा कि वर्षों पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन-दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है। लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था।

मोदी ने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने इस भरोसे को शक्ति में परिवर्तित कर दिया, उसे आगे बढ़ाया। आज हमारा सिलवासा, ये प्रदेश एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा एक ऐसा शहर बन चुका है जहां हर जगह के लोग रह रहे हैं। यहां का विश्वव्यापी मिजाज बताता है कि दादरा एवं नगर हवेली में कितनी तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। इसी विकास अभियान के तहत आज यहां 2.5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टूरिज्म, यानी हर क्षेत्र से जुड़े ढेर सारे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के विकास को और गति देंगे, यहां नए अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव। ये प्रदेश हमारा गर्व है, हमारी विरासत भी है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल प्रदेश बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाए। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम में, हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड से हर व्यक्ति को भोजन की गारंटी मिली है, जल जीवन मिशन से हर परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंच रहा है, भारतनेट से डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, पीएम जनधन ने हर परिवार को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा है, पीएम जीवन ज्योति बीमा और पीएम सुरक्षा बीमा योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है।

मोदी ने कहा कि इन योजनाओं की सफलताओं ने यहां के लोगों को विश्वास से भर दिया है। सरकार की योजनाओं से उनके जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आए हैं, उसके व्यापक प्रभाव दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में इस क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हुआ है। 2023 में मुझे यहां नमो मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन का अवसर मिला था।

अब इसके साथ 450 बैड की क्षमता वाला एक और अस्पताल जुड़ गया है, जिसका आज यहां उद्घाटन किया गया है। आज जन औषधि दिवस भी है।

जन औषधि यानी-सस्ते इलाज की गारंटी ! जन औषधि का मंत्र है - दाम कम, दवाई में दम! हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केन्द्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है।

टैरिफ विवाद के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा

व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में भारत और अमेरिका

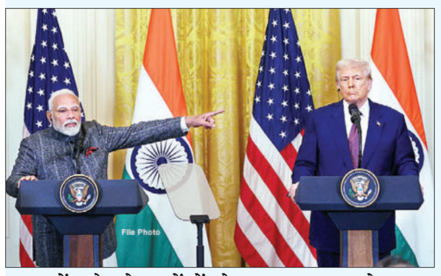

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का उद्देश्य टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना, बाजार पहुंच का विस्तार करना और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चर्चा का केन्द्र बिन्दु वस्तुओं और सेवाओं में दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देना तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने घोषणा की थी कि वे बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करेंगे। जयसवाल भारत के खिलाफ जवाबी टैरिफ पर ट्रम्प प्रशासन की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जयसवाल ने यह भी कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की हाल की अमेरिका यात्रा समझौते को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें वस्तुओं और सेवाओं के बीच व्यापार बढ़ाने, बाजार पहुंच में सुधार करने, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को गहरा करने के लिए काम कर रही हैं। इसके अलावा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 11 और 12 मार्च, 2025 को मॉरीशस में होंगे और मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में ▶10पर

अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अपराध रोके बंगलादेश : भारत

भारत ने बंगलादेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है तथा एक ऐसे स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश के प्रति समर्थन एवं विकास सहयोग बढ़ाने की इच्छा का इज़हार किया है जिसमें हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों एवं धार्मिक संस्थानों की रक्षा और हिंसक उन्मादियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश के बारे में पूछे गये सवालों के जवाब में यह बात कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, हम एक स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बंगलादेश का समर्थन करते हैं जिसमें सभी मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीकों से और समावेशी और भागीदारी चुनाव आयोजित करके हल किया जाये। हम बिगड़ती कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंतित हैं, हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और अधिक बढ़ गए, जिन्हें गंभीर अपराधों के लिए सजा सुनाई गई थी। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़े एक सवाल पर श्री जायसवाल ने कहा, हमने बार-बार रेखांकित किया है कि बंगलादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ▶10पर

वक्फ संपत्तियों के लिए 150 करोड़ निकाह करने पर 50 हजार

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुस्लिमों के लिए खोला खजाना

बेंगलूरु, 07 मार्च (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना 16वाँ बजट पेश किया। जुमे के दिन पेश इस बजट में कॉन्ग्रेस सरकार ने मुस्लिमों का विशेष ध्यान रखा। उनके लिए मदरसे, कब्रिस्तान, हज भवन, मौलवियों को तनख्वाह से लेकर स्टार्टअप और आईटीआई बनाने तक कई तरह के प्रावधान किए गए हैं। भाजपा ने इस बजट की तीखी आलोचना की है और इसे मुस्लिम लीग बजट कहा है। कांग्रेस सरकार के बजट में वक्फ संपत्तियों की मरम्मत तथा मुस्लिम कब्रिस्तानों के लिए 150 करोड़ रुपए आवंटित की गई है। इसके अलावा, अल्पसंख्यक परिवारों को निकाह के लिए 50,000 रुपए की सहायता देने की भी घोषणा की है। सबसे गंभीर बात है कि तुष्टिकरण की हद पार करते हुए कांग्रेस सरकार ने राज्य के सरकारी टेंडरों में ▶10पर

एमके स्टालिन के एलकेजी स्टूडेंट वाले बयान पर अमित शाह का पलटवार, कहा

मेडिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई तमिल में कराइए

चेन्नई, 07 मार्च (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कथित तौर पर तीसरी भाषा थोपने को लेकर चल रही बहस भारतीय जनता पार्टी और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई में बदल गई है। शुक्रवार को, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एमके स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा शुरू करने के लिए कहा। स्टालिन के हिंदी विरोध को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए और अब यह सुनिश्चित किया है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के उम्मीदवार अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें। भाजपा के राज्य प्रमुख के अन्नामलाई ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर भ्रामक हिंदी थोपने के खिलाफ अपने ▶10पर

ईरान के साथ परमाणु डील करना चाहते हैं ट्रंप

सुप्रीम लीडर खामेनेई को लिखी चिट्ठी

वाशिंगटन, 07 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत करना चाहते हैं और उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर को इससे संबंधित एक चिट्ठी भेजी है, जिसमें कहा गया कि उन्हें उम्मीद है कि वे बातचीत के लिए सहमत होंगे।रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रंप ने शुक्रवार को फॉक्स बिजनेस नेटवर्क के साथ एक इंटरव्यू में कहा, मैंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप बातचीत करेंगे, क्योंकि यह ईरान के लिए बहुत बेहतर होगा। मुझे लगता है कि वे उस चिट्ठी को पाना चाहते हैं। दूसरा विकल्प यह है कि हमें कुछ करना होगा, क्योंकि आप एक और परमाणु हथियार नहीं बनने दे सकते। ट्रंप ने आगे कहा, ईरान से निपटने के दो तरीके हैं, एक तो मिलिट्री या फिर आप समझौता कर लें। मैं समझौता करना पसंद करूंगा, क्योंकि मैं ईरान को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता। वे महान लोग हैं। ▶10पर

हरियाणा के पंचकूला में भारतीय सेना का जगुआर क्रैश

बाल-बाल बचा पायलट, जांच के आदेश

पंचकूला, 07 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के पंचकूला में मोरनी के नजदीक स्थित बालदवाला गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक फाइटर जेट अचानक आ गिरा। इस दुर्घटना के बाद इलाके में डर और चिंता का माहौल बन गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, जेट का पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित नीचे उतरने में सफल रहा। तुरंत जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम भी भेज दी गई है। हादसा इतना खौफनाक था कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टुकड़े बिखर गए और काफी दूर तक नजर आए। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, यह जगुआर फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट ने विमान को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने से पहले इसे किसी ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^{0}
न्यूनतम : 18^{0}

उमर अब्दुल्ला ने पेश किया जम्मू-कश्मीर का बजट

अंत्योदय परिवारों को फ्री बिजली और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की घोषणा

जम्मू-कश्मीर, 07 मार्च (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.12 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया।

जिसमें कल्याण और विकास पर खास जोर दिया गया है। जम्मू कश्मीर के 2019 में केंद्रशासित प्रदेश के रूप में तब्दील किए जाने के बाद पहली बार बजट पेश किए जाने का विधानसभा सदस्यों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

इस बजट के जरिए सीएम ने मुफ्त बिजली से लेकर सबसे कमजोर वर्ग तक महिलाओं की आवाजाही बढ़ाने और प्रेस की आजादी को बढ़ावा देने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

इस बजट की 5 बड़ी घोषणाएं :

महिलाओं के लिए सहायता : इस बजट के जरिए सीएम ने महिलाओं के आवागमन की सुविधा को ध्यान दिया है। इसके तहत 1 अप्रैल से जम्मू-कश्मीर की सभी महिलाओं को ई-बसों सहित सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक परिवहन पर मुफ्त सवारी की सुविधा दी जाएगी। यह जम्मू-कश्मीर के लिए इस तरह की पहली पहल है।

इसके अलावा सरकार का लक्ष्य महिलाओं की गतिशीलता बढ़ाना, कार्यबल में भागीदारी को बढ़ावा देना और परिवहन लागत को हटाकर अधिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। साथ ही साथ 'लखपति दीदी' योजना के तहत, सरकार 40,000 महिलाओं को माइक्रो-स्टार्टअप शुरू करने में सहायता करेगी, जिससे उन्हें 1 लाख की स्थायी वार्षिक आय सुनिश्चित होगी और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा।

200 यूनिट मुफ्त बिजली : इस बजट के जरिए सीएम उमर अब्दुल्ला ने अपने चुनावी वादों को भी पूरा किया है। बता दें कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावी वादे के रूप में, मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में सभी अंत्योदय परिवारों को प्रति माह 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव रखा था। पीएम सूर्याघर बिजली योजना के साथ एकीकृत, यह पहल ग्रिड से जुड़े सौर सिस्टम की स्थापना को सक्षम करेगी, जिससे आवश्यक बिजली पैदा होगी और बिजली बिलों को खत्म किया जा सकेगा। इसे लेकर सीएम ने कहा कि पांच वर्षों में 750 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, यह एटीएंडसी घाटे को भी कम करेगा और टिकाऊ ऊर्जा को बढ़ावा देगा। साथ ही बताया कि उच्च एटीएंडसी घाटे के कारण बिजली क्षेत्र के तनाव में होने के कारण, पिछले कुछ वर्षों में 28,000 करोड़ रुपएके फंड उधार लिए गए, जिससे सार्वजनिक ऋण वित्त वर्ष 2015-16 में जीएसडीपी के 48% से बढ़कर 2023-24 में 52% हो गया। इस क्षेत्र को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में उजागर किया गया है। ▶10पर

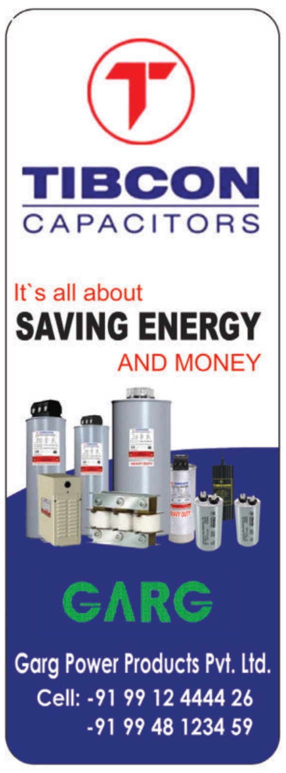

नेपाल की ओली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को अपने दायरे में रहने की दी नसीहत

काठमांडू , 07 मार्च (एजेंसियां) ।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की बढ़ती सक्रियता और देशभर में उनके पक्ष में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन के बीच केपी शर्मा ओली की सरकार ने उन्हें अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। सरकार ने कहा है कि अब देश में राजतांत्रिक व्यवस्था का लौटना संभव नहीं है।

लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले नेपाल के प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने देशवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्हें समर्थन देने की अपील की थी। इसके बाद से ही उनके समर्थक दल देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों में हुए प्रदर्शन के बाद इस पर सरकार ने अब प्रतिक्रिया दी है।

नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व राजा और उनके समर्थकों द्वारा सड़क पर उछलकूद करने से देश में राजतंत्र दोबारा स्थापित नहीं हो सकता है। उन्होंने पूर्व राजा को चेतावनी देते हुए कि उनको अपने दायरे में रहना चाहिए। पूर्व सूचना तथा संचार मंत्री रहे गुरुंग ने कहा कि यदि देश में लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

पूर्व राजा के पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन पर कटाक्ष करते हुए सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि देशवासियों को पूर्व राजा के झांसे में नहीं आना चाहिए। जो व्यक्ति अपने परिवार और दरबार की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे देश की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नेपाल एक उदार लोकतांत्रिक देश है। इसके कारण पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह सम्मान और सरकारी सुरक्षा के साथ देश में रह रहे हैं। गुरुंग ने कहा कि यदि किसी और देश में राजा को सत्ता छोड़ने की नौबत आती तो वह सीधे जेल में होता या देश छोड़ कर जा चुका होता, लेकिन नेपाल सरकार उन्हें पूरे सम्मान के साथ और सरकारी सुरक्षा देकर यहां रहने दे रही है, इसका उन्हें एहसान मानना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया, पासपोर्ट छीन कर बनाए गए थे बंधक

यरूशलम। इजरायल ने बंधक बनाए गए गए 10 भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक से छुड़ाया गया है। इन भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक के एक गांव से बचाया गया, जहां पासपोर्ट छीन लिए जाने के बाद से उन्हें करीब एक महीने से बंधक बनाकर रखा गया था। खबर के मुताबिक इन श्रमिकों को जनसंख्या और इमीग्रेशन अथॉरिटी ने इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) और न्याय मंत्रालय के साथ मिलकर चलाए गए एक रात्रिकालीन अभियान में बचाया गया। सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खबर के मुताबिक फिलिस्तीनी काम देने का वादा करके इन सभी को अल-जायेम गांव में ले गये और फिर उनके पासपोर्ट छीन कर उन्हें बंधक बना लिया। फलस्तीनियों ने भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर इजरायल में प्रवेश की कोशिश की। इजरायली रक्षा बलों ने एक सीमा चौकी पर इन संदिग्धों को रोक कर पूछताछ की तो भारतीय मजदूरों को बंधक बनाए जाने की भनक लगी। बताया जाता है कि पिछले एक साल में निर्माण उद्योग में काम करने के लिए काफी संख्या में भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं।

मजाकिया अंदाज में सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर क्या कह गए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातें कई बार इतनी अजीब होती हैं कि उनका मतलब निकालना भी मुश्किल होता है। अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले ट्रंप ने अब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्रीद सुनीता विलियम्स को लेकर एक ऐसा ही बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि इतने समय तक अंतरिक्ष में साथ रहने के बाद उन्हें अब तक अपने साथी एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर से प्यार हो गया होगा। इतना हीं नहीं ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों पर भी कमेंट किए हैं। बता दें कि सुनीता 20 साल से शादीशुदा हैं। दरअसल ट्रंप ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे। तभी ट्रंप ने सुनीता और बुच विल्मोर को जल्द से जल्द वापस लाने का आश्वासन दिया। प्रेसवार्ता में ट्रंप से यह पूछने पर कि क्या उनके पास अंतरिक्ष यात्रियों के लिए कोई संदेश है, ट्रंप ने कहा, हम आपको लेने आ रहे हैं। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे उम्मीद है कि वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे होंगे, शायद वे एक-दूसरे से प्यार करते होंगे, मुझे नहीं पता। लेकिन उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। इसके बारे में सोचो। बता दें कि सुनीता विलियम्स की शादी को अब 20 साल हो चुके हैं। वहीं विल्मोर भी शादीशुदा हैं और उनकी दो बेटियां हैं। ट्रंप यहीं नहीं रुके उन्होंने लगे हाथों सुनीता के बालों की तारीफ भी की। अंतरिक्ष के शून्य गुरुत्वाकर्षण में सुनीता का एक वीडियो के वायरल होने के बाद ट्रंप ने सुनीता को जंगली बालों वाली महिला कहा। ट्रंप ने कहा, उनके बाल बहुत घने हैं।

हिजाब के खिलाफ गाया गाना, 74 कोड़े खाने के बाद भी नहीं टूटा गायक

तेहरान। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन के लिए गाना लिखने वाले ईरान गायक मेहदी यारही को 74 कोड़े मारे गए। अपनी सजा के बारे में मेहदी ने इसे अमानवीय यातना बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने लिखा कि मैंने अपनी सजा स्वीकार कर ली है। क्योंकि जो स्वतंत्रता की कीमत चुकाने को तैयार नहीं है, वह स्वतंत्रता के हकदार भी नहीं है। आपको ादी की शुभकामनाएं। ईरान में महीसा अमीनी नामक एक महिला की मौत के बाद से ही हिजाब विरोधी आंदोलन तेज हो गया था। ईरानी सरकार ने इस आंदोलन का दमन बड़ी ही क्रूरता के साथ किया। सितंबर 2023 में इस आंदोलन के एक साल होने को यादगार बनाते हुए मेहदी ने इसके लिए एक गाना रिलीज किया था। इसके लिए ईरानी सरकार ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। जनवरी 2024 में मेहदी को गाने के लिए एक साल की सजा सुनाई थी। दिसंबर में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था।

मस्क विभागों के अध्यक्ष नहीं, उन्हें कर्मचारियों को निकालने का अधिकार नहीं : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 07 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैबिनेट को बताया कि उनके सलाहकार एलन मस्क उनके विभागों के अध्यक्ष नहीं हैं और उन्हें संघीय कर्मचारियों को निकालने का अधिकार नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने कहा कि टेस्ला के प्रमुख केवल विभागों को सलाह देने के लिए हैं, लेकिन वे कर्मियों और नीतियों पर एकतरफा फैसला लेने के लिए अधिकृत नहीं हैं। एलन मस्क इस निर्देश से सहमत थे और बैठक में उपस्थित थे। वहीं मस्क ने कहा कि नौकरी से निकाले जाने के वो जिम्मेदार नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने ट्रंप के पहले कैबिनेट बैठक में पिछले सप्ताह इबोला रोकथाम फंडिंग को गलती से रद्द करने पर भी अपनी गलतियों को स्वीकार किया। यह घटनाक्रम मस्क और उनकी नई बनाई गई डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियेंसी (डॉज) के साथ जुड़ा हुआ है, जो फेडरल कर्मचारियों की छंटनी समेत लागत घटाने के उपायों पर काम कर रहा है। एलन मस्क ने खुद सरकारी कर्मचारियों को नहीं निकाला। उन्हें ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन डॉज के प्रयासों के कारण महत्वपूर्ण संख्या में छंटनी और इस्तीफे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 20 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, जबकि 75 हजार ने स्वैच्छिक तरीके से निकालने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। इन छंटनियों का मुख्य रूप से असर उन कर्मचारियों पर पड़ा है, जो प्रोबेशनरी स्थिति में थे। उनके पास नागरिक सेवा संरक्षण कम होता है, जिससे उन्हें हटाना आसान है। इन छंटनियों का असर कई एजेंसियों पर पड़ा है, जिनमें आंतरिक राजस्व सेवा, ऊर्जा मंत्रालय, यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स और अन्य शामिल हैं।

नौकरी से निकालने के लिए मैं जिम्मेदार नहीं: एलन मस्क

मस्क ने रिपब्लिकन सांसदों के सामने इन मामलों को लेकर कहा कि सरकार के आकार को कम करने के लिए हुई कर्मचारियों की बर्खास्तगी के लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह की बातचीत के बाद यह फैसला उन्होंने संघीय एजेंसियों पर छोड़ दिया था।

मस्क को पलभर में लगा 156818603520 रुपए का झटका और मच गया कोहराम

सैन फ्रांसिस्को। अरबपति एलन मस्क को एक ही पली में 156818603520 रुपए का झटका लग गया है। स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप मेगा-रॉकेट सिस्टम की आठवीं उड़ान भरने के लिए शुरू ही हुआ था कि उसका संपर्क टूट गया। वह आसमान में ब्लास्ट के बाद आग की गोले में बदल गया। मानो आसमान से आग बरस रही हो। बहामास के तट पर रॉकेट के मलबे के गिरने का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, यह प्रक्षेपण एलन मस्क को खुश करने के लिए काफी है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कंपनी रॉकेट से बूस्टर को पकड़ने में सफल रही, क्योंकि यह लॉन्च टॉवर पर वापस आ गया था, लेकिन स्टारशिप अंतरिक्ष यान खो गया था। स्पेसएक्स के स्टारशिप में ब्लास्ट के बाद एक और बड़ी खबर अमेरिका के फ्लोरिडा से ही आ रही है। अमेरिकी विमानन अधिकारियों ने स्पेसएक्स के स्टारशिप के मलबे गिरने की डर से फ्लोरिडा के कई हवाई अड्डों पर फ्लाइट को रेक दिया गया है। अटलांटिक महासागर के ऊपर असफल प्रक्षेपण के बाद ऑरलैंडो और मियामी के हवाई अड्डों पर ग्राउंड स्टॉप लगा दिया गया था। हालांकि इसे तब से हटा लिया गया है। किसी भी चोट या क्षति की सूचना नहीं मिली है। स्पेसएक्स के स्टारशिप अंतरिक्षयान में गुरुवार को टेक्सास से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विस्फोट हो गया, जिससे इस साल एलन मस्क के मंगल रॉकेट कार्यक्रम के लिए नकली उपग्रहों को तैनात करने का प्रयास विफल हो गया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो में अंतरिक्ष में स्टारशिप के टूटने के बाद दक्षिण फ्लोरिडा और बहामास के पास शाम के आसमान में आग के मलबे को देखा जा सकता है। इसके इंजन बंद होने के साथ ही अनियंत्रित रूप से घूमने के तुरंत बाद हुआ, मिशन के स्पेसएक्स लाइवस्ट्रीम में दिखाया गया। यह विफलता कंपनी की सातवीं स्टारशिप उड़ान के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है, जो विस्फोटक विफलता में समाप्त हुई थी।

एथेना लैंडर चंद्रमा पर उतरा थोड़ी देर बाद हो गया गायब

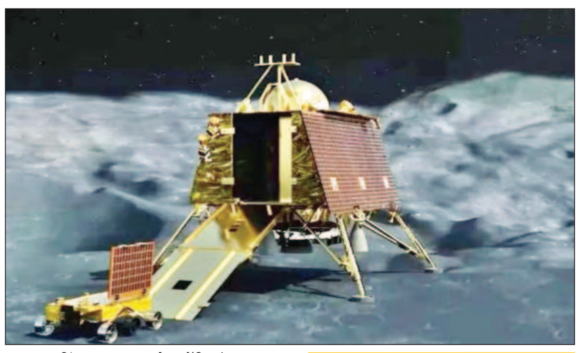

वाशिंगटन, 07 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका की प्राइवेट कंपनी इंट्यूएटिव मशीन्स का एथेना लैंडर गुरुवार को चांद पर उतरा गया। इसकी पुष्टि नासा ने की। अब कहा जा रहा है कि इसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल रही है। वहीं नासा ने लाइव टेलिकास्ट भी बंद कर दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पता नहीं चल पा रहा कि लैंडर चांद की सतह पर सीधा खड़ा है या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि मिशन की पुष्टि को लेकर समय लग सकता है। मिशन के डायरेक्टर और कंपनी के टिम क्रेन भी स्पष्ट नहीं कर पाए कि मिशन चंद्रमा पर उतरा भी है या नहीं। उन्होंने कहा कि लैंडर की स्थिति का पता लगाने की कोशिश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि सतह पर उतरने के बाद भी लैंडर से संपर्क साधा गया था। पिछली बार जब 'इंट्यूटिव मशीन्स' नामक इस कंपनी ने एक साल पहले चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारा था, तो वह तिरछा होकर गिर गया था। कंपनी का सबसे नया 'एथेना लैंडर' योजना के मुताबिक चंद्रमा की कक्षा से बाहर निकल गया है। उसमें एक 'आइस ड्रिल', एक ड्रोन और दो रोवर लगे हैं।

एक घंटे तक ऐसा लगा कि यह 'लैंडर' अच्छी तरह उतर रहा है

वैज्ञानिक टेंशन में कि लैंडर चांद की सतह पर सीधा खड़ा है या नहीं

लेकिन मिशन कंट्रोल को उसके उतरने की पुष्टि करने में समय लगा। उन्होंने कहा कि हम यह मूल्यांकन कर रहे हैं कि सतह पर हमारा झुकाव कितना है। अधिकारियों ने बताया कि 'एथेना' कंट्रोलर से संपर्क कर रहा था और सौर ऊर्जा पैदा कर रहा था लेकिन लैंडिंग के 20 मिनट बाद भी क्रेन यह पुष्टि करने में असमर्थ था कि लैंडर के साथ सब कुछ ठीक है या नहीं। नासा और इंट्यूटिव मशीन्स ने इस लैंडिंग का सीधा प्रसारण बंदर करते हुए कहा कि बाद में वे और जानकारियां साझा करेंगे। गौरतलब है कि पिछले साल, इंटुएटिव मशीन्स ने इतिहास रचा था जब इसके पहले चंद्र लैंडर ओडीसियस ने चंद्र सतह पर एक नरम टचडाउन किया, जो 50 से ज्यादा सालों में चंद्र सतह पर उतरने वाला पहला अमेरिकी अंतरिक्ष यान था। नासा के मुताबिक लैंडर वैज्ञानिक उपकरणों से भरा हुआ है और चंद्रमा के पर्यावरण को और समझने के लिए नासा की विज्ञान जांच और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को ले जायेगा और चंद्रमा की सतह पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में मदद मिलेगी।

अमेरिकी दूतावास के सामने, युद्धबंदियों की रिहाई की मांग के लिए रैली

यूक्रेन पर चल रहे रूसी हमले के बीच यूक्रेन के युद्धबंदियों के रिश्तेदार कीव में संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के सामने, रूस के साथ किसी भी शांति वार्ता या समझौते से पहले सभी युद्धबंदियों की रिहाई की मांग करते हुए एक रैली में शामिल हुए।

एक पहिए के बगैर विमान की काठमांडू में लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू , 07 मार्च (एजेंसियां) ।

नेपाल के हवाई क्षेत्र में एक विमान बिना एक पहिए के जनकपुर से काठमांडू में लैंड किया और पायलट को इस बात का पता भी नहीं चला। हालांकि विमान सुरक्षित लैंड हुआ और सभी यात्री सुरक्षित हैं। जनकपुर से काठमांडू के लिए आए बुद्ध एयर के विमान के एक पहिया के बगैर लैंडिंग कराने के कारण नेपाल की हवाई सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार शाम बुद्ध एयर का विमान संख्या 4 508 जनकपुर से शाम 16:39 बजे रवाना हुआ और 17:05 बजे काठमांडू में लैंड हुआ। इस दौरान विमान का एक पहिया नहीं दिखा। इस बात का पता पायलट को तब हुआ जब अगले गंतव्य के लिए उड़ान भरने से पहले विमान की जांच की जा रही थी। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि पायलट को पोस्ट फ्लाइट चेक के दौरान नोज गियर (अगला पहिया) नहीं होने की खबर लगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस पहिए के बारे में तत्काल पता लगाने के लिए

जनकपुर विमानस्थल को सूचना दी गई। जनकपुर विमानस्थल में ढूंढ़ने पर पता चला कि इस विमान का एक पहिया वहीं रनवे पर पड़ा था और उसके नॉट वोल्ट टूटे हुए थे। ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि रनवे पर यू टर्न लेते समय यह पहिया निकल गया था। विमान के पुराने मॉडल का होने के कारण पहिया की तरफ न तो कैमरा लगा होता है और ना ही सेंसर की सुविधा है, जिस कारण पायलट को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि इस घटना के तुरंत बाद बुद्ध एयर के जहाज को ग्राउंडेड कर इसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यार्पण का रास्ता साफ, अमेरिकी अदालत ने खारिज की फैसले पर रोक की मांग

वाशिंगटन, 07 मार्च (एजेंसियां) ।

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। भारत प्रत्यर्पण के फैसले पर रोक लगाने की उसकी मांग अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

तहव्वुर ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित न किया जाए। उसने इमरजेंसी स्टे की मांग करते हुए कहा था कि भारत भेजे जाने पर उसे टॉर्चर किया जा सकता है। वह मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है इसलिए उसे ज्यादा खतरा है। उसने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला देते हुए प्रत्यार्पण पर रोक की मांग की थी।

पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा (64) को लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वह 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। अमेरिका में उसे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने का दोषी पाया गया

और भारत लंबे समय से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। पिछले महीने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि तहव्वुर राणा को भारत भेजा जाएगा और वह भारत जाकर न्याय का सामना करेगा। इससे पहले जनवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, क्योंकि कोर्ट ने मामले में उसकी समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में लगभग 60 घंटे तक चले हमले में 166 निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। हमले के बाद आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था। नवंबर 2012 में कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी।

प्लेन के अंदर गन लेकर पहुंचा शख्स, पहले जोर से चिल्लाया और फिर....हलक में फंसी 160 यात्रियों की जान

कैनबरा। मेलबर्न से सिडनी जा रहे एक विमान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक नाबालिग बंदूक हवा में लहराते हुए विमान में घुसने की जिद करने लगा। इसी बीच कुछ यात्री डर गए तो कुछ ने हिम्मत जुटाकर उसे पकड़ लिया और पुलिस के आने तक उसे रोके रखा। एक नाबालिग मेलबर्न के पास एवलॉन हवाई अड्डे पर सभी सुरक्षा जांच को गच्चा देते हुए प्लेन तक पहुंच गया। वो बंदूक लहराते हुए प्लेन में सवार होने की फिराक में था। प्लेन की सीढ़ियों पर वो पहले जोर से चिल्लाया और फिर तमतमाते हुए अंदर जाने लगा। प्लेन में 160 यात्री सवार थे। सभी की जान हलक में आ गई। कुछ यात्रियों ने खुद ही जैसे-तैसे पूरी परिस्थिति पर काबू पाया और इस 17 साल के किशोर से पहले गन छीनी। फिर उसे पुलिस के आने तक बंधक बनाए रखा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह युवक शॉटगन और गोला-बारूद के साथ विमान में चढ़ गया था। यह विमान मेलबर्न से सिडनी जा रहा था। पुलिस का मानना है कि किशोर सुरक्षा बाड़ को तोड़कर हवाई अड्डे के टरमैक पर चढ़ गया और फिर विमान के सामने की सीढ़ियों पर चढ़ गया, जहां उसे सामने के दरवाजे के पास जमीन पर पटक दिया गया। किशोर की पहचान अबतक नहीं हो सकी है। उसके खिलाफ विमान पर अवैध रूप से नियंत्रण करना, उड़ान की सुरक्षा को खतरे में डालना और बम की अफवाह फैलाना सहित कुल आठ धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यात्रियों में से एक बैरी क्लार्क ने बताया कि किशोर हवाई अड्डे के कर्मचारी की तरह कपड़े पहने हुए था और और काफी गुस्से में दिख रहा था। मैं सिर्फ़ इतना कर सकता था कि बंदूक को रास्ते से हटा दूंज और फिर उसे पकड़कर जमीन पर पटक दूं जब तक कि पुलिस न आ जाए।

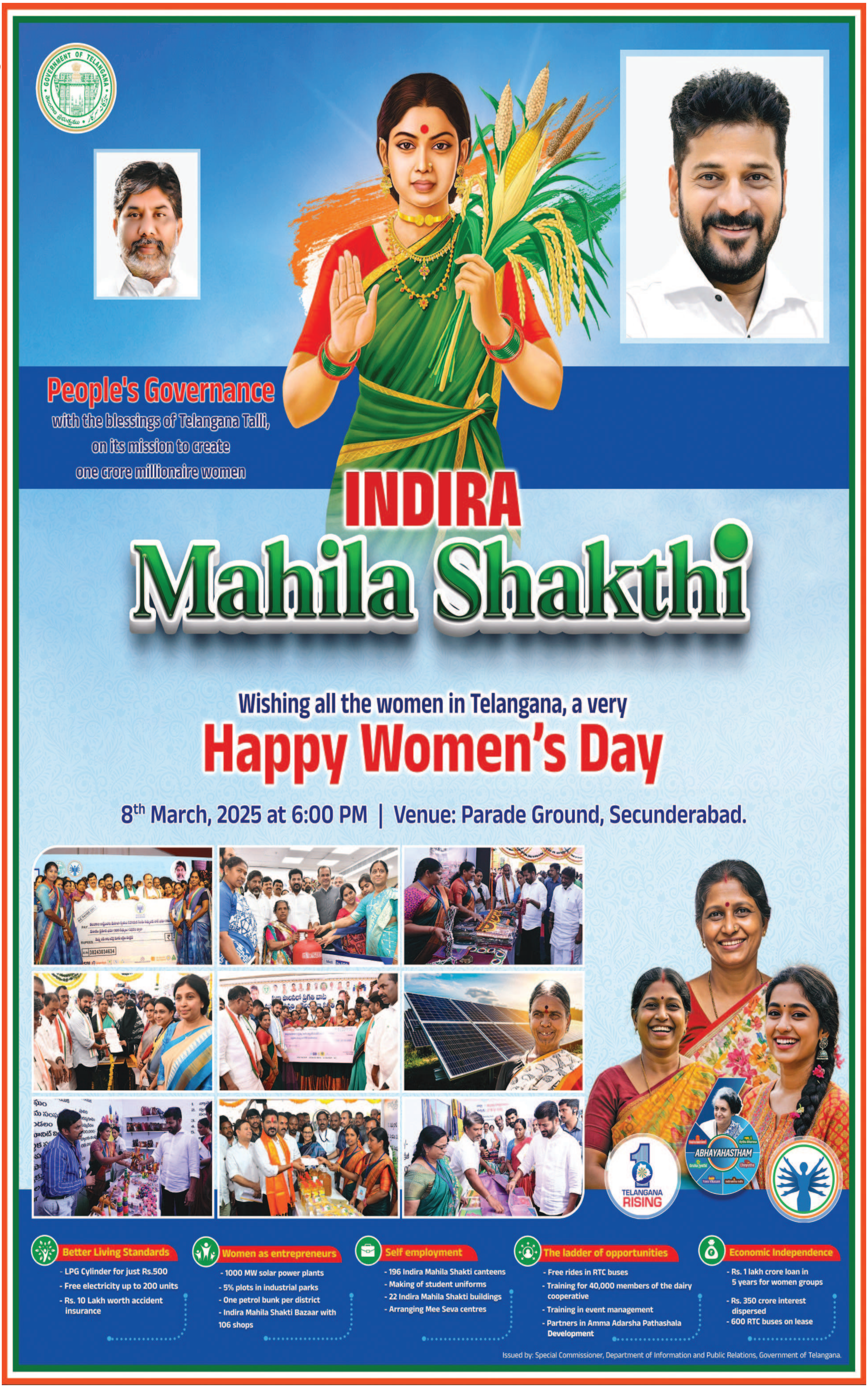
GOVERNMENT OF TELANGANA
People's Governance
with the blessings of Telangana Talli,
on its mission to create
one crore millionaire women
INDIRA
Mahila Shakthi
Wishing all the women in Telangana, a very
Happy Women's Day
8th March, 2025 at 6:00 PM | Venue: Parade Ground, Secunderabad.
TELANGANA RISING
ABHAYAHASTHAM
Better Living Standards
- LPG Cylinder for just Rs.500
- Free electricity up to 200 units
- Rs. 10 Lakh worth accident insurance
Women as entrepreneurs
- 1000 MW solar power plants
- 5% plots in industrial parks
- One petrol bunk per district
- Indira Mahila Shakti Bazaar with 106 shops
Self employment
- 196 Indira Mahila Shakti canteens
- Making of student uniforms
- 22 Indira Mahila Shakti buildings
- Arranging Mee Seva centres
The ladder of opportunities
- Free rides in RTC buses
- Training for 40,000 members of the dairy cooperative
- Training in event management
- Partners in Amma Adarsha Pathashala Development
Economic Independence
- Rs. 1 lakh crore loan in 5 years for women groups
- Rs. 350 crore interest dispersed
- 600 RTC buses on lease
Issued by: Special Commissioner, Department of Information and Public Relations, Government of Telangana.

पत्नी सरिता ने स्टारडम की वजह से की थी शादी

16 साल रहे लिव इन में, कभी मर्दानगी पर उठे सवाल, 72 की उम्र में अकेले है दीपक पाराशर

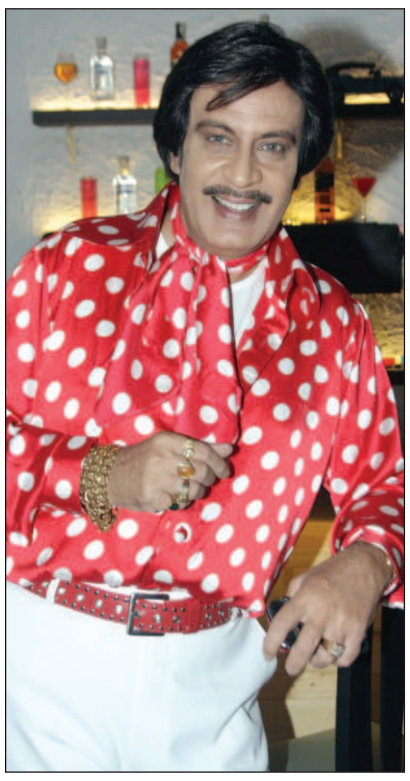

टीवी से फिल्मों तक का सफर तय करने वाला यह एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ के चलते खूब सुर्खियां बटोरता था। अनीता रेड्डी और जीनत अमान जैसी हसीनाओं संग इश्क लड़ाने वाला यह एक्टर फिलहाल 72 साल की उम्र में तन्हा है। अफेयर्स के चलते खबरों में बने रहने वाले इस एक्टर ने बिग बॉस के पहले सीजन में भाग लिया था जहां उनकी सेक्सुएलिटी को लेकर कई सवाल खड़े किए गए थे। बिग बॉस में उन्हें होमोसैक्सुअल कहा गया था हालांकि एक्टर ने ऐसे दावों का हमेशा खंडन किया है। अगर आप अभी तक नहीं पहचान पाए हैं तो बता दें कि हम 'जैसी करनी वैसी भरनी', 'बारूद', 'चंद्रमुखी', 'नीम नीम शहद शहद', 'कभी कभी', 'कानून', 'चंद्रकांता', 'आंधियां', 'दाता', 'पुरानी हवेली', 'तवायफ',

'निकाह' और 'इंसाफ का तराजू' जैसी फिल्मों में काम करने वाले एक्टर दीपक पाराशर की बात कर रहे हैं।

पत्नी ने छोड़ दिया साथ

एक्टर ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी के बारे में बताया था। एक्टर की पत्नी सरिता उनकी फैन थी और सेट पर ऑटोग्राफ लेने अपनी मां के साथ पहुंची थी। ऑटोग्राफ के बाद सरिता की मां ने दीपक से उनकी पत्नी के बारे में पूछा तो एक्टर ने बताया कि अभी शादी नहीं हुई है। सरिता की मां ने तभी अपनी बेटी से शादी करवाने का प्रस्ताव रखा। दो महीने बाद शादी हो गई और सरिता ने एक बेटी को जन्म दिया, लेकिन महज दो-ढाई साल के बाद ही शादी खत्म हो गई। दीपक पाराशर ने इंटरव्यू में बताया कि एक्सिडेंट की वजह से वह व्हीलचेयर पर आ गए जिसके बाद पत्नी ने साथ नहीं रहना तय किया। सरिता गहने और बेटी को लेकर चली गई। दीपक आज भी अपनी बेटी की तलाश में हैं। बता दें कि एक नाव दुर्घटना में एक्टर को काफी गंभीर चोटें आईं थी।

16 साल तक लिव-इन में रहे

दीपक पाराशर के मुताबिक पत्नी सरिता ने सिर्फ ग्लैमर के लिए उनसे शादी की थी। इसी वजह से एक्सिडेंट के बाद उन्हें छोड़ कर चली गई। एक्टर दोबारा शादी नहीं करना चाहते थे, लेकिन नीरजा नाम की तलाकशुदा बिजनेस वुमैन के साथ रिलेशनशिप में थे। दोनों 16 साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। 2020 में कैंसर की वजह से नीरजा का निधन हो गया। फिलहाल 72 साल की उम्र में दीपक पाराशर तनहाई में जीवन काट रहे हैं।

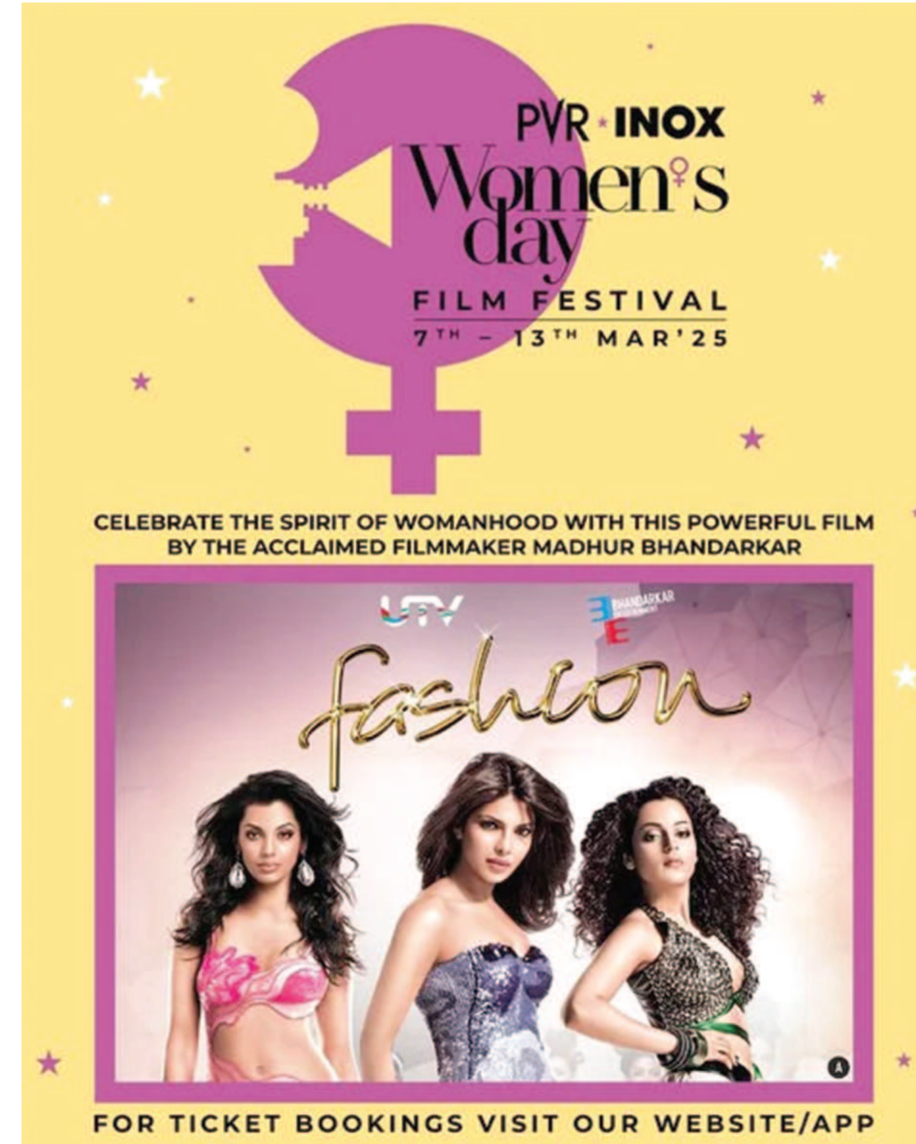

अभिषेक बच्चन की फिल्म बी हैप्पी 14 मार्च को रिलीज होगी

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बी हैप्पी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दर्शकों को फिल्म की रिलीज डेट के खुलासे का बेसब्री से इंतजार था, जो आज खत्म हो गया। दरअसल, अभिषेक बच्चन और इनायत वर्मा अभिनीत फिल्म बी हैप्पी की रिलीज डेट का एलान महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर किया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया गया है।यह फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। बी हैप्पी प्राइम वीडियो पर 14 मार्च को रिलीज होगी। बी हैप्पी एक समर्पित एकल पिता, शिव (अभिषेक बच्चन) और उनकी उत्साही, तेज-तर्रार बेटी धरा (इनायत वर्मा) के बीच अटूट बंधन की कहानी है। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा समझदार धरा देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो के मंच पर प्रदर्शन करने का सपना देखती है।चीजें तब बिगड़ जाती हैं, जब एक खलनायक उस सपने को चकनाचूर करने की धमकी देता है तो शिव बेटी के सपने को बचाने के मिशन पर निकलता है। अपनी बेटी की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए वह अपने भाग्य को चुनौती देता है। यह फिल्म एक पिता और बेटी के बीच के रिश्ते की मार्मिक कहानी को दर्शकों के सामने पेश करेगी।यह फिल्म भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही और इनायत वर्मा की मुख्य भूमिकाओं में हैं और नासिर, जॉनी लीवर और हरलीन सेठी की सहायक भूमिकाएं हैं।

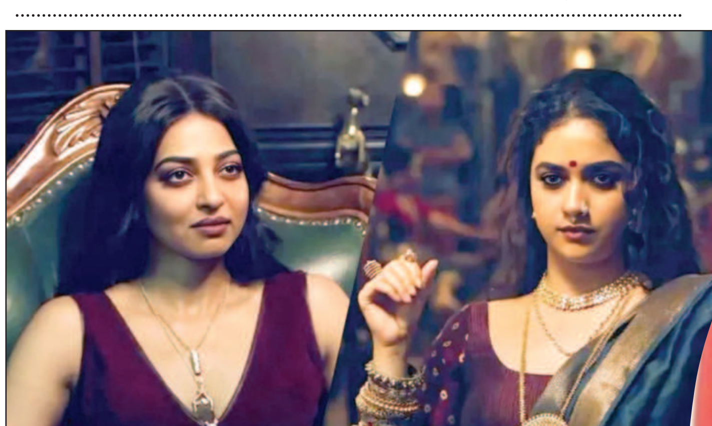

वेब सीरीज़ अक्का से कीर्ति और राधिका का पहला लुक जारी

कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे अभिनीत अक्का का पहला लुक जारी कर दिया गया है, और यह इतना अच्छा है कि इसे मिस नहीं किया जा सकता। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित आगामी वेब सीरीज़ की घोषणा नेटफ्लिक्स द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में की गई। फ़र्स्ट लुक वीडियो में दमदार कीर्ति सुरेश को अपनी गर्ल गैंग के साथ लोगों से भरे कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, जबकि राधिका आप्टे को उनके ऑफ़िस में एक बड़ी कुर्सी पर बैठे हुए दिखाया गया है। वीडियो में सोने की छड़ें, बंदूकें और गहन दृश्यों की झलक भी दिखाई गई है, जो एक रोमांचक सवारी के लिए माहौल तैयार करती है।1980 के दशक में दक्षिण भारत के काल्पनिक शहर पर्नुरु में सेट की गई अक्का गैंगस्टर रानियों की कहानी है, जिनके मातृसत्तात्मक शासन को तब चुनौती मिलती है जब कोई बाहरी व्यक्ति एक अदृश्य खतरा लेकर आता है।

यह सीरीज कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सत्ता के लिए संघर्ष करते हैं, और शक्तिशाली महिलाओं की एक दुनिया को एक साथ लाते हुए दिखाती है। यह शो गेम-चेंजर होने का वादा करता है, राधिका आप्टे ने इसे इसके केंद्र में उग्र और शक्तिशाली महिलाओं का शो कहा है।

बेबी जॉन के साथ हाल ही में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली कीर्ति सुरेश ने अक्का को सफल बनाने के लिए वाईआरएफ को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस सीरीज़ को एक पूरी तरह से अलग दुनिया बताया, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा।

राधिका आप्टे, जो हाल ही में माँ बनने के कारण इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, ने एक वीडियो संदेश भेजकर अक्का को गेम-चेंजर कहा। इस सीरीज़ का निर्देशन नवोदित धर्मराज शेट्टी कर रहे हैं और इसे इस साल के अंत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ किया जाएगा।अक्का की रिलीज़ की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन पहले लुक ने प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों, मनोरंजक कहानी और शक्तिशाली विषयों के साथ, अक्का एक रोमांचक सवारी होने का वादा करता है। अक्का पर अधिक अपडेट के लिए बने रहें, और इस नेटफ्लिक्स ओरिजिनल सीरीज़ में शक्तिशाली महिलाओं की दुनिया को एक साथ आते हुए देखने के लिए तैयार हो जाएँ।

श्रुति हासन ने बताई अपनी जिंदगी की कहानी

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी की कहानी शेयर की है और बताया है कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं। सिने आइकन कमल हासन की बेटी श्रुति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर श्रुति की एक सेल्फी लग रही है जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में उनका लुक नेचुरल लग रहा है। फोटो में वह थोड़ी गंभीर दिख रही हैं।तस्वीर के नीचे लिखा है, मैं सुबह जल्दी नहीं उठती। मेरी जिंदगी की कहानी।श्रुति की ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म द आई ने 5वें वेंच फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग फीचर के रूप में भारत में अपना प्रीमियर किया।ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित, द आईळ में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है जिसमें उनके पति का देहांत हो चुका है।फिल्म का निर्देशन डेफ्ने श्मोन ने किया है और इसका निर्माण फिंगरप्रिंट कंटेंट ने किया है। यह श्रुति हासन की बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत है। सपना भवनानी द्वारा स्थापित, वेंच फिल्म फेस्टिवल भारत का अग्रणी मंच है जो हॉरर, साइंस-फिक्शन और फंतासी सिनेमा को समर्पित है।मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, द आई एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है, जो दर्शकों को रोमांचित करता है।इसकी पटकथा अवार्ड विनिंग लेखका एमिली कार्लटन ने लिखी है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्टार मार्क रोली, ब्रिटिश अभिनेता अन्ना सव्वा और लिंडा मार्लो भी हैं।फिल्म के बारे में बात करते हुए, श्रुति ने पहले साझा किया था कि जिस क्षण उन्होंने स्क्रिप्ट पढ़ी थी, उन्हें पता था कि यह फिल्म उसके लिए बनी है।उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित हुई हूं, जिसमें प्रेम, अंधकार और आत्म-खोज जैसे विषय होते हैं, ऐसी अवधारणाएं जो मेरे साथ गहराई से गूंजती हैं। द आई ने मुझे स्क्रीन पर उन भावनाओं को उतराने का मौका दिया, और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने से अनुभव और भी खास हो गया।

महिला दिवस पर री-रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की फैशन

बड़े पर्दे पर देखें मॉडलिंग की दुनिया का सच

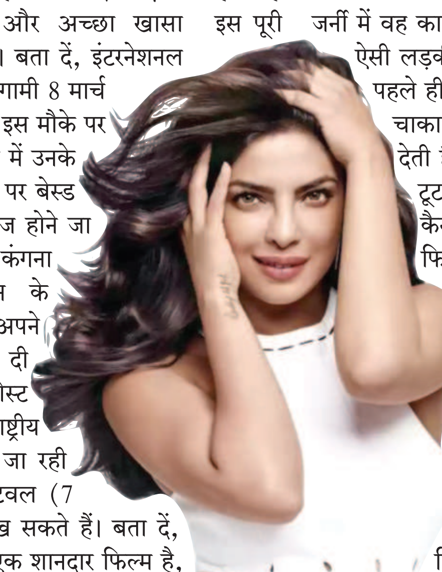

बॉलीवुड में अब पुरानी फिल्मों के री-रिलीज का चलन तेजी से बढ़ गया है। रोमांटिक से लेकर एक्शन तक हर जोनर की पुरानी फिल्में दोबारा थिएटर्स में चलाई जा रही हैं। हाल ही में ये जवानी है दिवानी, सनम तेरी कसम और तुंबाड जैसी फिल्में री-रिलीज होने के बाद थिएटर्स में छा गईं और अच्छा खासा कारोबार किया। बता दें, इंटरनेशनल महिला दिवस आगामी 8 मार्च को मनाया जाएगा। इस मौके पर महिला और मॉडलिंग में उनके संघर्ष की सच्ची कहानी पर बेस्ड फिल्म फैशन भी री-रिलीज होने जा रही है। प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत स्टारर फिल्म फैशन के डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।मधुर भंडारकर ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है, फिल्म फैशन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर री-रिलीज होने जा रही है, पीवीआर, इनॉक्स फिल्म फेस्टिवल (7 मार्च से 13 मार्च तक) में इस देख सकते हैं। बता दें, मधुर भंडारकर की फिल्म फैशन एक शानदार फिल्म है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत के किरदारों ने दर्शकों को खूब इंप्रेस किया था। फिल्म फैशन 29 अक्टूबर 2008 में रिलीज हुई थी, जिसमें मुग्धा गोडसे, अर्जन बाजवा औरकिटू गिडवानी ने शानदार रोल प्ले किए थे। इस फिल्म की आज भी चर्चा होती है।फैशन एक मिडिल लड़की की कहानी जो फैशन वर्ल्ड में अपना करियर बनाने और एक सुपर मॉडल बनने का सपना देखती है। इस लड़की का किरदार प्रियंका चोपड़ा ने प्ले किया है जिनके किरदार का नाम मेघना है। मेघना अपने सपने का पीछा करते हुए मुंबई पहुंचती है जहां उसे अहसास होता है कि फैशन वर्ल्ड में जगह बनाना कितना बड़ा संघर्ष है लेकिन वह हार नहीं मानती और अपने कॉन्फिडेंस से आगे बढ़ती रहती है। इस पूरी जर्नी में वह काफी कुछ खोती है। इसी बीच कंगना ने ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो फैशन में पहले ही एक सुपर मॉडल बन चुकी है। लेकिन चाकाचौंध के बीच वह अपने आप को खो देती है। इसी से मेघना डर भी जाती है और टूट जाती है। लेकिन इन सबके बावजूद कैसे मेघना अपने सपने को जीती है यही फिल्म में दिखाया गया है।प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत, अरबाज खान स्टारर फैशन 2008 में रिलीज हुई थी इसे मधुर भंडारकर ने किया है। फिल्म की स्टोरी अजय मोंगा, भंडारकर और अनुराधा तिवारी ने लिखी है। इसका म्यूजिक सलीम-सुलेमान ने तैयार किया था और गाने के लिरिक्स इरफान सिद्दीकी और संदीप नाथ ने लिखे थे। फिल्म को दर्शकों और क्रिटीक्स ने खूब पसंद किया था।

अनुपम खेर की फिल्म तुमको मेरी कसम का ट्रेलर जारी

21 मार्च को सिनेमाघरों होगी रिलीज

पिछली बार अनुपम खेर फिल्म इमरजेंसी में नजर आए थे, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।काफी समय से अनुपम अपनी आगामी फिल्म तुमको मेरी कसम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान विक्रम भट्ट ने संभाली है। इस फिल्म के निर्माता महेश भट्ट हैं।अब निर्माताओं ने तुमको मेरी कसम का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी कोर्ट रूम ड्रामा पर आधारित है।अनुपम के साथ तुमको मेरी कसम में अदा शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। ईशा देओल और इश्वाक सिंह जैसे कलाकार भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। ट्रेलर में तमाम सितारों की झलक दिख रही है।तुमको मेरी कसम एक पारिवारिक ड्रामा है, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है।यह फिल्म 21 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

जन्मकुंडली के इस भाव से आयु और अचानक धन लाभ का रहस्य जानें

ज्योतिष शास्त्र जन्मकुण्डली विज्ञान में लग्न से आठवें घर अर्थात् अष्टम भाव मृत्यु का घर कहा जाता है। यह घर मृत्यु का कारण व प्रकार बताता है। अष्टम भाव परिवर्तन और पुनर्जन्म के साथ-साथ वर्तमान जीवन चक्र के अन्त से भी जुड़ा हुआ है। ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुण्डली के अष्टम भाव को इसलिए खराब माना जाता है, क्योंकि यह आयु की अर्थात् मृत्यु के बारे में बताता है, परन्तु अष्टम भाव राजयोग भी देता है, लॉटरी से धन, सम्पति, विरासत की प्राप्ति, शेयर बाजार से अचानक लाभ आदि अचानक होने वाली शुभाशुभ घटनाओं को अष्टम भाव अंजाम देता है।

जब अष्टम भाव का विपरीत राजयोग आता है, तो अचानक व्यक्ति लॉटरी निकल आती है था उसको वसीयत से धन, जमीन, जायदाद होती है।

अष्टम भाव के बारे में कई गलत धारणाएँ हैं कि आठवां घर हमेशा नकारात्मक या अशुभ ही होता है, परन्तु अष्टम भाव पूर्व जन्म का

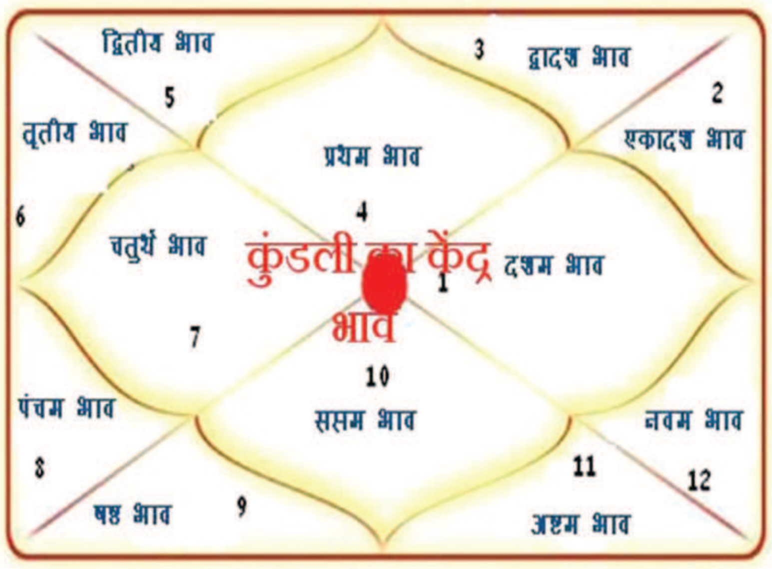

आशीर्वाद प्रदान करता है।

आठवां भाव परिवर्तन का प्रतीक है, कठिन के बाद जीवन में नया अर्थ या उद्देश्य खोजना इसी घर का कार्य है।

अष्टम भाव गूढ़ अन्वेषण वाला भाव है, इतिहास साक्षी है कि खतरे में पड़कर ही खोज आविष्कार होते आए हैं।

अष्टम भाव से जीवन साथी की वाणी का भी पता चलता है।

इसके अतिरिक्त, विदेश आकस्मिक लाभ-हानि, सृष्टि के रहस्यों की खोज भी इस भाव से जुड़ा है।

ज्योतिष आदि प्राचीन गूढ़ विधाओं का ज्ञान एवं रहस्य भी अष्टम भाव से जुड़ा हुआ है। अष्टम भाव सन्यास अवस्था का भी भाँव कहा गया है क्योंकि इस भाव का कारक शनि ग्रह है।

अष्टम भाव ही अचानक पदोन्नति होना या सस्पेंड होना भी दर्शाता है। यह अष्टम भाव और अन्य ग्रह दशा एवं गोचर के तालमेल पर निर्भर करता है।

किसी को जमीन से गड़ा हुआ धन मिलना भी इसी भाव से संबंधित है।

अष्टम भाव के प्रभाव से लोग ज्योतिष जैसे विषयों के को उजागर कर पाते हैं। इसके साथ ही ऐसे लोग आध्यात्मिक रूप से भी काफी परिपक्व होते हैं। अष्टम भाव की वजह से तंत्र-मंत्र में सफलता प्राप्त होती है।

मूलांक 3 के जातकों पर हमेशा बरसती है देवगुरु बृहस्पति की कृपा

करियर में मिलता है फायदा

अंक ज्योतिष में 1 से लेकर 9 तक मूलांक माने गए हैं। मूलांक का पता असल में व्यक्ति की जन्मतिथि से लगाया जाता है। उदाहरण के तौर पर अगर आपका जन्म किसी महीने की 16 तारीख को हुआ है, तो आपका मूलांक 7 होगा, क्योंकि 1 और 6 को आपस में जोड़ने पर 7 मिलता है।

ये है वो लकी मूलांक

मूलांक 3 के स्वामी देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। जिस किसी जातक का जन्म किसी भी महीने की 3, 12, 21 या फिर 30 तारीख को होता है, उसका मूलांक 3 माना जाता है। अंक ज्योतिषियों की मानें इस मूलांक पर देवगुरु बृहस्पति की विशेष कृपा बरसती है, जिससे इन जातकों को पैसों की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता।

इन क्षेत्रों में होता है लाभ

मूलांक 3 के जातकों पर देवगुरु बृहस्पति की कृपा हमेशा बनी रहती है और इन्हें जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलने वाले हैं। अपनी कड़ी मेहनत के कारण इन्हें करियर में बड़ी सफलता भी मिलती है। वहीं नौकरी करने वाले जातक भी अपनी कड़ी मेहनत से पदोन्नति पाते हैं और इनके पास संसाधनों की भी कोई कमी नहीं होती। मूलांक 3 वाले लोग बड़े अध्ययनशील होते हैं और पढ़ने-लिखने में इनकी विशेष रुचि होती है।

ये होती है खासियत

मूलांक 3 के जातक बहुत ही बुद्धिमान और मेहनती होते हैं। साथ ही यह लोग जीवन का हर फैसला बड़ी ही चतुराई के साथ लेते हैं। इसके कार्य से लोग प्रभावित होते हैं। साथ ही ये लोग साहसी होते हैं और किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानतें। इस मूलांक के जातक भूमि का क्रय व विक्रय, वक्ता, नेता, शिक्षा आदि से संबंधित व्यवसायों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

चमत्कारों और रहस्यों से भरा है यह ज्योतिर्लिंग

भारत के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक सोमनाथ मंदिर है। यह धाम भगवान शिव को समर्पित है। ये 12 ज्योतिर्लिंगों में से पहला माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि यह सबसे पुराने ज्योतिर्लिंग में से भी एक है और जो भी इस धाम में दर्शन के लिए जाते हैं, उनके सभी कष्टों का अंत हो जाता है। आज हम इस चमत्कारी मंदिर से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण को साझा करेंगे, जिसका अपना महत्व है।

सोमनाथ मंदिर की कैसे हुई स्थापना?

शिवपुराण के अनुसार, एक बार राजा दक्ष ने चंद्र देव को ये श्राप दे दिया था कि उनका रोशनी बीतते दिन के साथ कम होती जाएगी, जिससे मक्ति पाने के लिए चंद्र देव ने सरस्वती नदी के पास सोमनाथ मंदिर की स्थापना की थी और इसी स्थान पर भोलेनाथ की कठिन तपस्या की। उनकी तपस्या से खुश होकर शिव जी ने उनके इस श्राप को सदैव के लिए खत्म कर दिया था। इसके बाद चंद्र देव ने शंकर भगवान से यहां ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान रहने की प्रार्थना की, जिसे भोले बाबा ने पूर्ण कर दिया था। बता दें, चंद्र देव को सोम के नाम से भी जाना जाता है और उन्होंने इस ज्योतिर्लिंग की तपस्या की थी, जिसके चलते इस ज्योतिर्लिंग का नाम सोमनाथ पड़ा। इसके साथ ही इसे प्रभास तीर्थ भी कहा जाता है।

बाण स्तंभ का रहस्य

समुद्र के किनारे मंदिर के दक्षिण में एक बाण स्तंभ है, जो छठी शताब्दी से मौजूद है। इसके बारे में किसी को भी ज्यादा जानकारी नहीं है। बाण स्तंभ एक दिशादर्शक स्तंभ है, जिसके ऊपरी सिरे पर एक तीर बना हुआ है, जिसका मुंख समुद्र की तरफ है। इस बाण स्तंभ पर ''आसमुद्रांत दक्षिण ध्रुव, पर्यंत अबाधित ज्योतिमार्ग'' लिखा हुआ है, जिसका मतलब है कि समुद्र के इस बिंदु से दक्षिण ध्रुव तक सीधी रेखा में किसी भी तरह की बाधा नहीं है।

खरमास में इन शुभ समय में कर सकते हैं खरीदारी, नहीं पड़ेगा बुरा असर

हिंदू धर्म में खरमास का अपना धार्मिक महत्व है। यह वह समय होता है जब सभी शुभ काम बंद हो जाते हैं, क्योंकि इस समय को अशुभ माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार खरमास की शुरुआत दिन शुक्रवार 14 मार्च से हो रही है। वहीं, इसका समापन 14 अप्रैल को होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस काल में किसी भी प्रकार का मांगलिक काम नहीं करना चाहिए, लेकिन अगर आपको इस दौरान किसी विशेष काम के लिए जाना पड़ जाए, तो उसकी खरीदारी के लिए यहां कुछ शुभ मुहूर्त बताए गए हैं, उस दौरान आप खरीदारी कर सकते हैं।

खरीदारी शुभ मुहूर्त

16 मार्च

द्विपुष्कर योग - सुबह 11 बजकर 45 मिनट से शाम 04 बजकर 58 मिनट तक।

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 6 बजकर 30 मिनट से रात 11 बजकर 45 मिनट तक।

अमृत सिद्धि योग - सुबह 11 बजकर 45 मिनट शाम 4 बजकर 58 मिनट तक।

19 मार्च

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 8 बजकर 50 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 25 मिनट तक रहेगा।

अमृत सिद्धि योग - रात 8 बजकर 50 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 25 मिनट तक रहेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 6 बजकर 25 मिनट से रात 11. 31 मिनट तक रहेगा।

रवि योग रात - 11 बजकर 31 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 24 मिनट तक रहेगा।

21 मार्च

रवि योग - सुबह 6 बजकर 24 मिनट से अगले दिन दोपहर 1 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

23 मार्च

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 04 बजकर 18 मिनट से अगले दिन शाम 6 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।

30 मार्च

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 4 बजकर 35 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 15 मिनट तक रहेगा।

6 अप्रैल

रविपुष्य योग - सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 10 बजकर 30 मिनट से अगले दिन सुबह 7 बजकर 06 मिनट तक रहेगा।

15 अप्रैल

त्रिपुष्कर योग - सुबह 05 बजकर 56 मिनट अगले दिन सुबह 10 बजकर 55 मिनट तक रहेगा।

रंगभरी एकादशी पर क्यों होती है आंवले के पेड़ की पूजा?

रंगभरी एकादशी हर साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। यह एक ऐसी दुर्लभ तिथि है, जब भक्त भगवान विष्णु के साथ शिव जी और माता पार्वती की पूजा करते हैं। इसके अलावा इस मौके पर आंवले के पेड़ की पूजा भी होती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है, रंगभरी एकादशी का संबंध रंगों से जुड़ा हुआ है और इस एकादशी में पूजा के दौरान रंग और गुलाल जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं, इस बार ये कब मनाई जाएगी? आइए इसकी डेट जानते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 09 मार्च को सुबह 07 बजकर 45 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 मार्च को सुबह 07 बजकर 44 मिनट पर होगा। ऐसे में 10 मार्च को रंगभरी एकादशी मनाई जाएगी।

इसके अलावा इसका पारण 11 मार्च को सुबह 06 बजकर 35 मिनट से 08 बजकर 13 मिनट के बीच किया जाएगा।

आंवले के पेड़ की पूजा का महत्व

रंगभरी एकादशी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा का विधान है। यही वजह है कि इसे आमलकी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा करने से व्यक्ति को सुख-सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इसके पीछे एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। एक बार माता लक्ष्मी धरती लोक पर भ्रमण कर रही थी। उनके मन में भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करने का विचार आया, लेकिन विष्णु जी की पूजा में तुलसी पत्र का उपयोग होता है और भोलेनाथ की आराधना बिल्व पत्र से होती।

इस बाते से वे बड़ी असमंजस थी कि दोनों की पूजा एक साथ कैसे की जाए? तब देवी को याद आया कि आंवले के पेड़ में तुलसी और बेल दोनों के गुण एक साथ पाए जाते हैं, तब उन्होंने आंवले के पेड़ को नारायण और भगवान शिव का स्वरूप मानकर विधिपूर्वक पूजा की।

इस पूजा से उन्हें शिव जी और श्री हरि की कृपा प्राप्त हुई और तभी से हिंदू धर्म में आंवले के पेड़ की पूजा की जाने लगी। कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस पेड़ की पूजा रंगभरी एकादशी के दिन करते हैं, उन्हें धन, ऐश्वर्य, सौभाग्य और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

धन प्राप्ति से जुड़ी ऊर्जा को आर्कषित करती हैं पर्स में रखीं यह वस्तुएं

माता लक्ष्मी को धन, वैभव और धन-धान्य की देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार जिस व्यक्ति पर माता लक्ष्मी की कृपा होती है, उन्हें जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होती। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिनकी ऊर्जा लक्ष्मी प्राप्ति के लिए काफी प्रभावशाली मानी जाती हैं। आप अगर इन चीजों को अपने पर्स में रखते हैं, तो आपको धन प्राप्ति होती है। लक्ष्मी प्राप्ति के लिए पर्स में किन चीजों को रखना चाहिए।

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए पर्स में रखें कुबेर यंत्र

भगवान कुबेर को धन का देवता माना जाता है। कुबेर यंत्र धन प्राप्ति के लिए बहुत शुभ होता है। इसे पर्स में रखने से धन और समृद्धि आती है। इसे पीले कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। कुबेर यंत्र रखने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

माता लक्ष्मी की कृपा से भाग्य होता है प्रबल

पर्स में रखें हल्दी लगे चावल के दाने

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पर्स में हल्दी लगे चावल रखने से धन बढ़ता है। चावल को समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, गुरुवार के दिन चावल पर हल्दी लगाकर इसे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने रखें। इसके बाद शुक्रवार के दिन हल्दी के दानों को अपने पर्स में रख लें। इससे धन वृद्धि होती है।

धन प्राप्ति के लिए पर्स में रखें गोमती चक्र

वास्तु शास्त्र के अनुसार गोमती चक्र मां लक्ष्मी को प्रिय है। इसे पर्स में रखने से कर्ज से मुक्ति और धन लाभ होता है। गोमती चक्र को अपने पर्स में रखने से पहले इसमें लाल रंग का तिलक जरूर लगाएं। इसके बाद लक्ष्मी मंत्र 'ॐ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद, श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मी नमः का जाप करके गोमती चक्र को पर्स में रख लें।

धन प्राप्ति के पर्स में रखें चांदी का सिक्का

चांदी के सिक्के को समृद्धि का प्रतीक माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, चांदी का सिक्का पर्स में रखने से आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। मां लक्ष्मी को सिक्का अर्पित करने के बाद इसे पर्स में रखना चाहिए। इससे धन लाभ होता है। चांदी के सिक्के को पर्स में रखने से पहले कच्चे दूध में भिगोकर कुछ देर के लिए जरूर रखें।

गहरी दोस्ती के बाद भी क्यों द्रोणाचार्य ने लिया दुप्रद से बदला?

महाभारत ग्रंथ में ऐसी कई घटनाओं का जिक्र मिलता है, जो व्यक्ति को अचरज में डाल सकती हैं। आज हम आपको महाभारत में वर्णित एक कथा बताने जा रहे हैं, जिसके अनुसार द्रोणाचार्य ने राजा द्रुपद से बदला लेने के लिए अपने शिष्यों का सहारा लिया।

पक्के मित्र थे द्रुपद और द्रोण

पांचाल-नरेश का पुत्र द्रुपद और द्रोणाचार्य में गहरी दोस्ती थी। दोनों ने साथ ही शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर द्रोणाचार्य का विवाह कृपाचार्य की बहन हुआ। उसका एक पुत्र हुआ, जिसका नाम अश्वत्थामा रखा गया। वह अपने पुत्र से बहुत प्रेम करते थे, लेकिन गरीब होने के कारण वह अपने पुत्र की सही से देखभाल नहीं कर पा रहे थे। जब उन्हें पता लगा कि द्रुपद अब राजा बन चुका है, तो वह बहुत प्रसन्न हुए और अपने मित्र से मदद मांगने की सोची।

वह द्रुपद के पास पहुंचे और उनसे कहा कि मैं तुम्हारा बचपन का मित्र हूं द्रुपद, क्या तुमने मुझे पहचाना? लेकिन राजगद्दी के मद में चूर राजा द्रुपद को द्रोणाचार्य का आना अच्छा नहीं। तब उन्होंने द्रोण से क्रोध में आकर कहा कि ब्राह्मण, सिंहासन पर बैठे हुए एक राजा के साथ एक दरिद्र प्रजाजन के साथ मित्रता कैसे हो सकती है? इन कठोर वचनो को सुनने के बाद द्रोणाचार्य बड़े लज्जित और क्रोधित भी हुए। तब उन्होंने निश्चय किया कि एक दिन मैं इस अभिमानी राजा को सबक जरूर सिखाऊंगा।

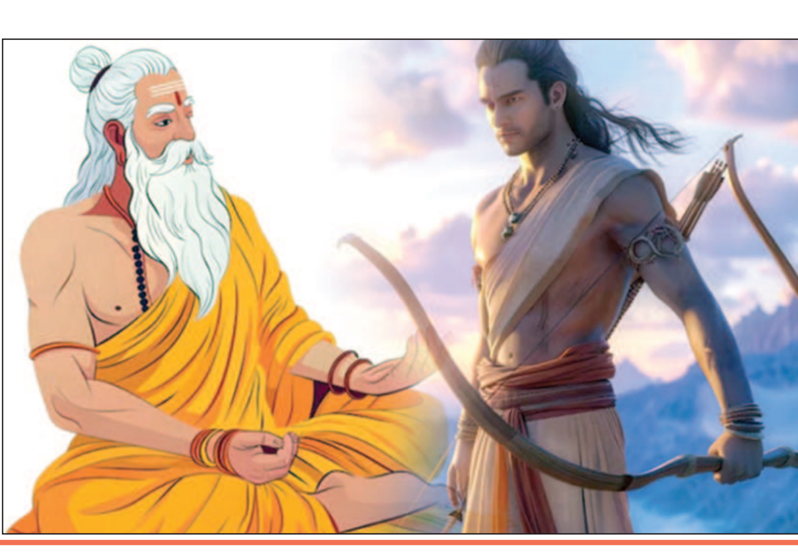

अंत में कौन जीता युद्ध

इसके बाद द्रोणाचार्य हस्तिनापुर के राजकुमारों को अस्त्र-शिक्षा प्रदान करने लगे। जब राजकुमारों की शिक्षा पूरी हो गई, तो द्रोणाचार्य ने उनसे गुरु-दक्षिणा के रूप में पांचालराज द्रुपद को कैद कर लाने के लिए कहा। उनकी आज्ञानुसार पहले सबसे पहले दुर्योधन और कर्ण गए और द्रुपद के राज्य पर धावा बोल दिया, लेकिन द्रुपद के आगे टिक न सके। तब द्रोणाचार्य ने अर्जुन को भेजा। अर्जुन ने पांचालराज की सेना को तहस-नहस कर दिया और राजा द्रुपद को उनके मंत्री सहित कैद करके आचार्य के सामने ला खड़ा किया।

द्रोणाचार्य ने कही ये बात

द्रोणाचार्य ने द्रुपद से कहा- डरो नहीं राजन, बचपन में हमारी मित्रता थी, लेकिन तुमने ऐश्वर्य के मद में आकर मेरा अपमान किया। तुमने कहा था कि राजा ही राजा के साथ मित्रता कर सकता है। इसलिए मुझे युद्ध करके तुम्हारा राज्य छीनना पड़ा, लेकिन मैं तुमसे अभी भी मित्रता रखना चाहता हूं, इसलिए आधा राज्य तुम्हें वापस लौटा रहा हूं। अब हम दोनों की हैसियत बराबरी की हो गई।'' यह सब कहते हुए द्रोणाचार्य ने द्रुपद को बड़े सम्मान के साथ विदा कर दिया।

संपादकीय

कांगड़ा बाइपास के घाट

यहां आरती का सफर घाट तलाश रहा है तो हिमाचल की नदियों का इतिहास गौरवान्वित होने लगा है। खनन और बाढ़ के खतरों के बीच कांगड़ा के साथ बहती बनेर अंततः पर्यटन के काबिल समझी गई। कभी 'बसदी बनेर दे कंडे', महज भजन था जो अब पर्यटन की परिभाषा और पर्यटन की अभिलाषा में रूपांतरित होने जा रहा है। समाज के सहयोग से कुछ घाट बनाए जा रहे हैं, तो प्रशासनिक पहल से अब नवरात्रि महोत्सव के दौरान सुबह-शाम यहां महाआरती होगी। ये करवटें नए पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के परिचय में इजाफा करेंगी। यह दीगर है कि कांगड़ा बाइपास के साथ बनेर जिस आभा में इजाफा करती है, उसे पर्यटन की एडीबी पोषित योजनाएं देख न पाईं। दिव्य हिमाचल लगातार बनेर के साथ घाट पर्यटन को बढ़ावा देने का सुझाव देता रहा है, लेकिन परियोजनाएं तो परियोजनाएं होती हैं। ये संभावना के बजाय सियासी प्राथमिकताएं देखती हैं। अगर प्रशासन को इजाजत और पर्यटन को निष्पक्षता से आंख खोलने दी जाए, तो हिमाचल का चप्पा-चप्पा आर्थिक चरखा चला सकता है। कांगड़ा में बाइपास की भौगोलिक परिस्थिति, बनेर की उपस्थिति और चारों तरफ के नजारे, एक बड़े पर्यटन परिसर, मनोरंजन केंद्र तथा अतिथि संतुष्टि का आग्रह करते रहे हैं। ऐसे में एक व्यापक परियोजना के तहत इस क्षेत्र को मिनी हरिद्वार, बनारस के घाट और हाईवे पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण बनाया जा सकता है। आश्चर्य यह कि कांगड़ा को टूरिज्म कैपिटल बनाने की परियोजनाएं कांगड़ा शहर से ही रूठ गईं। आश्चर्य यह भी कि कांगड़ा निवासी और पर्यटन के कार्यभार में मंत्री का रैंक संभाले आरएस बाली भी इस स्थल की गुजारिश नहीं समझ रहे। अगर बाली भारत के सबसे ऊंचे म्यूजिकल फाउंटेन का शिलान्यास बाइपास पर उभरते पर्यटन के नाम कर दें, यहां एक फूड कोर्ट, आधुनिक घाट, टापू और बच्चों के मनोरंजन का पार्क बनाने की योजना में एडीबी से संपर्क कर लें, तो यह स्थल कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने का सही मायने में कांगड़ा शहर में ही शिलालेख कर देगा। कांगड़ा बाइपास के अलावा कालेश्वर महादेव की प्रतिष्ठा में योजनाएं बनें तो वहां भी सैलानियों के कुंभ लगेंगे। यह इसलिए भी क्योंकि प्रवासी मजदूरों के आने से छठ पूजन जैसे समारोह, नदियों के किनारे सुरक्षित स्थल ढूंढने लगे हैं। पिछले दो-तीन दशकों से हिमाचल में गणेशोत्सव की धूम ने घाट पर्यटन की जरूरत को हर खड्ड और नदी में निहारा है। कांगड़ा बाइपास साक्षी है कि जिला के सबसे बड़े गणेश विसर्जन स्थल के रूप में यह आस्था का केंद्र बन गया है। इसी तरह प्रदेश के अलग-अलग भागों में नदी-नालों और खड्डों के मुहाने तलाशे और तराशे जा रहे हैं। बिलासपुर के नजदीक से गुजरती फोरलेन और प्रस्तावित रेल परियोजना की दृष्टि ने झील पर्यटन की दर्जनों मंजिलें खोज ली हैं। बिलासपुर के जिलाधीश आबिद हुसैन इन्हीं झीलों और बीच में रह गए टापुओं में पर्यटन तलाश रहे हैं। कुछ बेहतरीन प्रयास हो गए हैं, जबकि कई चिन्हित स्थलों पर प्रशासन अपने तौर पर गंभीरता से प्रयास कर रहा है। कैप्टन सैलेज सियाज फाउंडेशन के सहयोग तथा एसडीएम इशांत जसवाल के प्रयास से कांगड़ा में घाट निर्माण का प्रथम चरण दिखाई दे रहा है और अगर इस क्षेत्र के विकास के लिए एक मास्टर प्लान से कार्य हो, तो एडीबी और मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से सौ करोड़ के निवेश की जरूरत रहेगी। ऐसे में हर मंदिर ट्रस्ट को अपने क्षेत्र में कम से कम पर्यटन क्षेत्र में एक महापरियोजना पर गंभीरता से काम करना चाहिए। कांगड़ा मंदिर के विस्तारित केंद्र के रूप में बाइपास व बनेर के तट पर गौर करना होगा। चामुंडा और हिमानी चामुंडा के बीच कई पर्यटन गांव मंदिर आय से विकसित हो सकते हैं। नयनादेवी शहर के हर पड़ाव में मंदिर ट्रस्ट मंदिर संस्कृति के शिलालेख लिख सकता है। दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी व ज्वालाजी अपने आसपास के क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के महामार्ग से जोड़ सकते हैं, तो चंबा और भरमौर की सांस्कृतिक विरासत में वार्षिक महोत्सवों की उड़ान का जज्बा सुदृढ़ हो सकता है।

समाज के सहयोग से कुछ घाट बनाए जा रहे हैं, तो प्रशासनिक पहल से अब नवरात्रि महोत्सव के दौरान सुबह-शाम यहां महाआरती होगी। ये करवटें नए पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के परिचय में इजाफा करेंगी। यह दीगर है कि कांगड़ा बाइपास के साथ बनेर जिस आभा में इजाफा करती है, उसे पर्यटन की एडीबी पोषित योजनाएं देख न पाईं। दिव्य हिमाचल लगातार बनेर के साथ घाट पर्यटन को बढ़ावा देने का सुझाव देता रहा है, लेकिन परियोजनाएं तो परियोजनाएं होती हैं। ये संभावना के बजाय सियासी प्राथमिकताएं देखती हैं। अगर प्रशासन को इजाजत और पर्यटन को निष्पक्षता से आंख खोलने दी जाए, तो हिमाचल का चप्पा-चप्पा आर्थिक चरखा चला सकता है। कांगड़ा में बाइपास की भौगोलिक परिस्थिति, बनेर की उपस्थिति और चारों तरफ के नजारे, एक बड़े पर्यटन परिसर, मनोरंजन केंद्र तथा अतिथि संतुष्टि का आग्रह करते रहे हैं। ऐसे में एक व्यापक परियोजना के तहत इस क्षेत्र को मिनी हरिद्वार, बनारस के घाट और हाईवे पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण बनाया जा सकता है।

आपा सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है

पंजाब-किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

ललित गर्ग

आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के

हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है? आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चें पर धराशाही कर देगी। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादलें कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है। पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं।

दृष्टि कोण

बचपन और खिलौनों का संसार

सृष्टि परिवर्तनशील है और वर्तमान संचार एवं प्रौद्योगिकी के बदलते जमाने में नित नए बदलाव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल रहे हैं जो बच्चों सहित सभी की दैनिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर रहे हैं। कभी एक बचपन वह भी था जिसमें मोबाइल गेमिंग से इतर लुकाछिपी, गिली-डंडा, सुंदर स्टापू, कंचे-गोलियां, सांप-सीढ़ी, लुडो, पि_गर्म, लंगड़ी टांग और सस्ते खिलौनों में ही बच्चों का संसार सिमटा होता था। आज संपन्न वर्ग के लोगों के पास रुपया-पैसा खूब है तो इलेक्ट्रॉनिक के एक से बढक़र एक बैटरी चालित खिलौने बाजार में मौजूद हैं, वहीं सामान्य वर्ग के बच्चों के मनोरंजन के लिए प्लास्टिक के बने सस्ते खिलौने भी बहुतायत में मिल जाएंगे। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में मेलों के दौरान ऐसे खिलौनों की भरमार देखने को मिलती है जहां बच्चों को अपने माता-पिता से खिलौने लेकर देने की जिद्द के चलते उन्हें दुकान के आगे लोटम-पोट होते हुए अक्सर देखा जा सकता है। जब तक बचपन का सुनहरा दौर रहेगा, खिलौनों का संसार यूं ही बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करता रहेगा। हिंदू धर्मग्रंथों में भी अलग-अलग खिलौनों का वर्णन पढने को मिलता है। दुनिया में लोकप्रिय खेल शतरंज प्राचीन भारत में 'चतुरंग या चादुरंगा' के रूप में खेला जाता था। आधुनिक लूडो तब 'पच्चीसी' के रूप में खेला जाता था। हमारे धर्मग्रंथों में भी बालक राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है। ज्यादातर भारतीय खिलौने प्राकृतिक तथा ईको फ्रेंडली चीजों से बनते रहे हैं और उनमें इस्तेमाल होने वाले रंग भी प्राकृतिक और सुरक्षित होते हैं। खिलौने न केवल क्रियाशीलता बढ़ाते हैं, बल्कि महत्वाकांक्षाओं को पंख भी लगाते हैं। बच्चों के मस्तिष्क विकास में खिलौने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मनोवैज्ञानिक गतिविधियों तथा ज्ञान की कुशलता बढ़ाने में बच्चों की मदद करते हैं। खिलौने का एक-एक रंग बच्चे के जीवन में कितने ही रंग बिखेरता है। भारत के घरेलू बाजार के साथ-साथ वैश्विक खिलौना बाजार में हमारे विनिर्माण क्षेत्र के लिए खिलौना उद्योग एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। भारतीय खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने से वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा और भारत को भी फायदा मिलेगा। दुनिया में खिलौनों का कारोबार 6624 अरब रुपए का है। भारत के 125 अरब के खिलौना कारोबार में से 88 अरब के खिलौनों अर्थात 85 फीसदी खिलौने बाहर से आयात किए जाते हैं, जिसमें से 15 प्रतिशत खिलौनों को मलेशिया, जर्मनी, हॉन्गकॉन्ग, थाईलैंड और अमरीका से मंगाया जाता है, शेष 85 फीसदी खिलौने चीन से आयात किए जाते हैं। चीन दुनिया भर में 1472 अरब रुपए के खिलौनों का निर्यात करता है। दुनिया भर में खिलौना उद्योग 5 फीसदी की दर से प्रति वर्ष बढ़ रहा है, जबकि भारत में यह उद्योग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत में खिलौना उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। साल 2014-15 से 2022-23 के बीच, खिलौनों के निर्यात में 239 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, आयात में 52 फीसदी की गिरावट आई है। यह खुशी की बात है कि भारत अब खिलौना निर्यात में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस उद्योग से जुड़े उद्यमियों को सरकारी संरक्षण मिलना चाहिए। चूंकि खिलौना उद्योग लंबे समय से अनेकों बाधाओं का सामना कर रहा है, इस कारण भारतीय खिलौना उद्योग की वृद्धि दर अपेक्षित विकास की तुलना में बहुत कम हुई है। दूसरे खिलौना उद्योग की समस्याओं के समाधानों के लिए कोई नीति न होने से इस सेक्टर में वृद्धि की रफ्तार धीमी है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वित दृष्टिकोण का अभाव है। इसके अलावा खिलौना निर्माण एक स्वैच्छिक क्षेत्र है, जिसमें न केवल उत्पादन के लिए, बल्कि तैयार उत्पादों के भंडारण और इसकी पैकिंग के लिए बड़ी मूलभूत सुविधाओं की जरूरत होती है। खिलौना उद्योग के क्षेत्र में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें हैं। जैसे आसान तरीके से बैंकों से ऋण अथवा वित्तीय सहायता न मिलना। खिलौना उद्योग में डिजाइन और इनोवेशन की बहुत कमी है, जिसके कारण नए उत्पाद बनाना बहुत मुश्किल है। खेद है कि भारत में कोई भी एकल समर्पित खिलौना डिजाइन संस्थान नहीं है। दुनिया में बेचे जाने वाले ज्यादातर खिलौने इलेक्ट्रॉनिक हैं, जबकि भारत में बने खिलौने यांत्रिक ही ज्यादा हैं। खिलौनों के निर्माता इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों पर अधिक जीएसटी दर लगने के कारण इलेक्ट्रॉनिक खिलौने बनाने से हिचकते हैं। वर्तमान में, मैकेनिकल खिलौनों पर 12 फीसदी, इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों पर 18 प्रतिशत और वीडियो गेम और वीडियो गेम कंसोल पर 28 प्रतिशत जीएसटी की दर से टैक्स लगता है।

कुछ अलग

बदलते मौसम के मसीहा

हमसे बार-बार पूछा जाता है कि कतार में खड़े इस देश के आखिरी आदमी के चेहरे से मुस्कान क्यों लुप्त हो गई है? अजी यहां कतार एक हो तो उसकी बात करें। यहां तो कतार-दर-कतार है। जिधर आंख उठाओ वहां कतारें खड़ी नजर आती हैं, और उनके अंत में लोगों के झुंड हैं, केवल एक आदमी नहीं, जो अपने अच्छे दिनों या जीवनोदय का इंतजार कर रहा है। अंत्योदय के नाम से उसे इसी कतार में खड़ा किया गया था न। सोचा था एक कतार होगी, आगे सरकती-सरकती कभी खत्म हो जाएगी। लेकिन यहां तो हर क्षेत्र में कतार-दर-कतार लगती गई। महात्माओं ने जहां भी युग बदलने का वायदा किया, वहां कतार लगती गई और अगले दिन बदलने का इंतजार करने लगी। लेकिन रुत पर रुत बदलती गई। दिन, महीने और महीने साल हो गए, यह कतार आगे नहीं सरकी, बरसों से वहीं खड़ी रही। अब तो क्रांति का सपना देखने वाली आंखें बेनूर होती नजर आ रही हैं। देश तरक्की करेगा, योजनाबद्ध आर्थिक विकास के रास्ते पर सरपट भागेगा। लेकिन बारह पंचवर्षीय योजनाओं का कितना लंबा रास्ता था, कि उसे अपने कंधों पर ढोते-ढोते योजना आयोग का कचूमर निकल गया। उसे सफेद हाथी कह कर नकार दिया गया। जबकि सफेद हाथी तो इसके नियामक और प्रचालक थे, जो अपने-अपने वातानुकूलित गवाक्षों से 'जंग का मुजरा' देखने के नाम पर इसकी प्रगति के आंकड़ों का मुजरा देखते रहे। कभी समाजवादी व्यवस्था पैदा करने के नाम पर यह क्रांति यात्रा शुरू हुई थी। रास्ता इतना लंबा था कि नौकरशाहों और सत्ता के दलालों ने इसे खत्म होने नहीं दिया। प्रगति का हर मील पत्थर, भ्रष्टाचारियों की लोभलिप्सा का हाजमा दुरुस्त करता रहा, और अब सत्तर बरस के बाद उपलब्धियों के मूल्यांकन के लिए मील के पत्थरों को गिनने का फैसला हुआ, तो पाया कि मील के पत्थर नदारद हो गए थे, फसल सुरक्षित रखने के लिए जो बाढ़ लगी थी, वही फसल को खा गई। आम आदमी हर कतार से दुत्कार दिए जाने के बाद फुटपाथ पर आ गया था। कहां तो हर घर को चिराग देने की बात थी, और अब तो गरीब शहरों की अंधेरी बस्तियों को एक चिराग भी नहीं मिला। कतारें टूटती बनती रही, लेकिन एक ही जगह रुकी रहीं। कामदारों को धकेल कर उभर आए उनकी जगह कुछ नामदार, जिन्होंने गर्व से बताया कि हम जहां खड़े हो जाते हैं, तो वहां से ही कतार शुरू होती है। हमने इन कतारों के सरगना महापुरुषों की झोली में देश की प्रगति के मील पत्थर तलाशने चाहे, लेकिन वहां भी भव्य अट्टालिकाएं और कुछ वातानुकूलित गाडियां। कुछ दावे थे और कुछ घोषणाएं, लेकिन ये दावे और घोषणाएं पौन सदी के अंधेरे में गुम हो गई। उस भारी भीड़ के चेहरे पर खोई हुई मुस्कान लौटा नहीं पाई। सफेद हाथी उनके अस्तबल में गुम हो गया और उसकी जगह उन्हें मिल गया नीति आयोग। इसने कतार से गुम हो गए लोगों से पूछा, क्या यह किसी पुराने साइनबोर्ड पर लिखी नई इबारत है? बताया गया, नहीं ऐसा नहीं है। लिपापुता रंग-बिरंगा यह तो नया साइन बोर्ड है, केवल एक साइन बोर्ड। इसके द्वारा निर्देशित होने वाला रास्ता अभी बनाया जाएगा। यह रास्ता आपको सर्वकल्याण की ओर कैसे ले जाएगा, इसका फैसला अभी किया जाएगा। योजनाबद्ध आर्थिक विकास से आपका कायाकल्प करने की योजनावधि क्या होगी, इस पर फैसला भी अभी होना है। फिलहाल आप समाज बदल जाने, युग पलट जाने का सपना देखिए। समाज बदल जाने और गरीब-अमीर का भेद मिट जाने का सपना तो हम बहुत दिन से देख ही रहे थे। अब तो हमारे फुटपाथों पर भी उनकी भव्य अट्टालिकाएं छाया नहीं करती।

देश दुनिया से

रिश्तों की बारात

यह सच ही है कि हमारा दिमाग हमारा सबसे बड़ा दोस्त है और हमारा दिमाग ही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है। हमारे पूर्वज जब जंगलों में रहते थे तो उनका जीवन बहुत कठिन था। हर ओर से खतरा ही खतरा था। भोजन के साधन और विकल्प सीमित थे। जीवन हर रोज संकट में होता था। शेर, चीता, भेडिया आदि ही नहीं, सांप और बिच्छू भी घातक हो सकते थे। जानवर अपना भोजन बन सकता हो तो मार लो, और खतरनाक हो तो भाग लो। हमारे पूर्वजों के साथ 'फाइट ऑर फ्लाइट' की यह स्थिति इतने लंबे समय तक रही कि वह हमारे जन्म-जन्मांतर के संस्कार का हिस्सा बन गई। मनोविज्ञान कहता है कि यदि हमारे सामने कोई ऐसा काम आ जाए जो कठिन है या नापसंद है, तो हमारा दिमाग उसे न करने के बहाने गढ़ लेता है और हमें समझ भी नहीं आता कि हमारे अपने दिमाग ने ही हमें किस तरह से गलत रास्ते पर डाल दिया। हमारे सामने कोई कठिन काम आ जाए तो हमारा दिमाग हमें कहेगा कि पांच मिनट सैर करके तरोताजा हो जाएं ताकि काम को अच्छे से अंजाम दे सकें, या यह कि हमारी दराज में बहुत खिचपिच हो गई है, थोड़ा इसे साफ कर लें, फिर तसल्ली से काम शुरू कर देंगे, आदि-आदि। इसी तरह हमारा दिमाग हमें बहका कर दूसरी तरफ मोड़ देता है और सारा दिन बीत जाने पर हमें याद आता है कि असली काम तो हमने किया ही नहीं। हमारा दिमाग एक घोड़े की तरह है। लगाम हो तो यह हमारे काबू में रहता है और बेलगाम हो जाए तो हम किसी काम के नहीं रहते। यही कारण है कि दिमाग को काबू में रखने के लिए हमें कुछ चीजों से अपने रिश्ते का विश्लेषण करते रहना चाहिए। 'सहज संन्यास मिशन' में हम इसे ही 'रिश्तों की बारात' कहते हैं। ये रिश्ते हैं, खुद से रिश्ता, परिवार से रिश्ता, रिश्तेदारों, सहकर्मियों, दोस्तों और जान-पहचान वालों से रिश्ता, वृहत्तर समाज से रिश्ता, समय से रिश्ता, धन से रिश्ता, और परमात्मा से रिश्ता। अपने आप से हमारा खुद का रिश्ता हमारे पूरे जीवन को परिभाषित करता है। हम खुद को प्यार करें, अपनी कमियों और गलतियों से सबक सीखें पर खुद में हीनभावना न आने दें, आत्मविश्वास से लबरेज रहें तो बहुत से काम आसान हो जाते हैं। हम काम शुरू करने से पहले ही हार नहीं मानते, काम में कहीं अटक जाएं तो निराश नहीं होते बल्कि चुनौतियों और समस्याओं के समाधान ढूंढते हैं। आत्मविश्वास हो तो हमें किसी से सीखने में या सहायता मांगने में हिचक नहीं होती। इसमें कोई शक नहीं कि हमारा परिवार हमारा सबसे बड़ा सहारा है और हमारे परिवार के सदस्य निस्वार्थ भाव से हमारी सहायता करते हैं, हमारी कमियों और गलतियों का बुरा माने बिना हमें सही राह दिखाते हैं। पशु-पक्षियों और जानवरों के बच्चे बहुत जल्दी आत्मनिर्भर हो जाते हैं, लेकिन मनुष्यों के बच्चे बहुत लंबे समय तक मां-बाप और परिवार पर निर्भर रहते हैं। परिवार से हमारा रिश्ता स्वस्थ हो तो हमें अकेलापन महसूस नहीं होता, आत्मविश्वास बढ़ जाता है और हमारे लिए जोखिम लेना भी आसान हो जाता है। हमारे बहुत से रिश्तेदार और दोस्त हमारे शुभचिंतक होते हैं। हमारा व्यवहार संतुलित हो तो हमारे रिश्तेदार, दोस्त, सहकर्मी और जान-पहचान वाले लोग भी आड़े समय हमारे काम आते हैं। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वृहत्तर समाज से हमारा रिश्ता हमारे रिश्तेदारों, दोस्तों, सहकर्मियों और जान-पहचान वाले दीगर लोगों से हमारे रिश्ते को प्रभावित करता है। जब हम अपना स्वार्थ छोडक़र दूसरों के काम आने की आदत अपना लेते हैं और अपने संपर्क में आने वाले लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं, तो दूसरे लोग भी हमारे आड़े वक्त में हमारे काम आते हैं। अक्सर दूसरों के साथ हमारा व्यवहार ही यह तय करता है कि हम जीवन में कितने सफल होंगे। समय के साथ हमारा रिश्ता हमारी सफलता या असफलता का बहुत बड़ा कारक है। हम अपने समय की कीमत समझते हैं या नहीं, हम अपने समय का सदुपयोग करते हैं या नहीं, हम अपने समय के मामले में सजग हैं या नहीं, हमारे जीवन की दशा-दिशा तय करने में इसका बहुत बड़ा हाथ है। हम अपने लक्ष्य के प्रति सजग हों और उपलब्ध समय का पूरी संजीदगी से उपयोग करें तो सफलता हमारे कदम चूमती है। समय बर्बाद करने वाली आदतों से खुद को बचा कर रखना और समय बर्बाद करने वाले लोगों से खुद को बचा कर रखना हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। इस मामले में हम जितने स्पष्ट होंगे, लोग हमारे समय का उतना ही आदर करेंगे। समय के साथ हमारे रिश्ते की ही तरह धन के साथ हमारा रिश्ता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सहज संन्यास परंपरा के हम संन्यासी लोग भी धन के महत्व को नहीं नकारते। हम धन की निंदा नहीं करते, धन को बुरा नहीं मानते, हम सब गृहस्थ संन्यासी हैं और हमने न घर छोड़ा है, न परिवार छोड़ा है, न दुनिया छोड़ी है। हम सब अपनी-अपनी नौकरी या व्यवसाय में लगे हैं। हम मानते हैं कि धन का दुरुपयोग बुरा है, धन का लालच बुरा है, धन के लिए धोखा देना, झूठ बोलना या ठगना बुरा है, खुद धन बुरा नहीं है, अमीर होना बुरा नहीं है, गरीबी कोई गुण नहीं है, अमीरी कोई दुर्गुण नहीं है। धन हो तो अच्छी शिक्षा लेना, दुनिया देखना, जोखिम लेना और किसी की सहायता करना आसान हो जाता है। धन हमें अपने ढंग से जीने की स्वतंत्रता देता है, धन हमें समय के सदुपयोग की स्वतंत्रता देता है, धन हमें अपने मनचाहे निर्णय लेने की स्वतंत्रता देता है। खुद से, परिवार से, रिश्तेदारों, दोस्तों, सहकर्मियों और जान-पहचान वालों से हमारा रिश्ता, धन और समय के साथ हमारा रिश्ता महत्वपूर्ण है, पर परमात्मा के साथ हमारा रिश्ता इन सबसे ऊपर है। जब हम हर जीव में परमात्मा का प्रकाश देखते हैं तो हम प्रेममय हो जाते हैं और हमारे दृष्टिकोण में दयालुता अपने आप आ जाती है। हम ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं और इस ब्रह्मांड के संसाधनों का आदर करना सीख लेते हैं। हम परमात्मा के प्रति समर्पित हो जाते हैं और हमारा हर काम ही पूजा हो जाता है। परमात्मा के प्रति समर्पण पूरा हो जाए तो रिश्तों की यह बारात सार्थक हो जाती है और जीवन सफल हो जाता है। जीवन का अंतिम लक्ष्य भी तो यही है। जहां हमें भौतिक संसाधनों की जरूरत रहती है, वहीं जीवन का अंतिम लक्ष्य तो मोक्ष प्राप्त करना ही है।

हमारे पूर्वज जब जंगलों में रहते थे तो उनका जीवन बहुत कठिन था। हर ओर से खतरा ही खतरा था। भोजन के साधन और विकल्प सीमित थे। जीवन हर रोज संकट में होता था। शेर, चीता, भेडिया आदि ही नहीं, सांप और बिच्छू भी घातक हो सकते थे। जानवर अपना भोजन बन सकता हो तो मार लो, और खतरनाक हो तो भाग लो।

आप का नजरिया

व्यापार-युद्ध की नौबत

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने विश्व में व्यापार-युद्ध छेड़ दिया है। जो देश अमरीका के साथ व्यापार करते हैं अथवा प्रत्यक्ष रूप में व्यापार के साझेदार नहीं हैं, वे सभी देश प्रभावित होंगे। विश्व में 2008 की आर्थिक मंदी के आसार बन गए हैं। चीन ने तो अमरीका को 'किसी भी युद्ध' की चेतावनी दे दी है। कनाडा बहुत गुस्से में है और उसने भी अमरीकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने का पलटवार किया है। ये संपूर्ण व्यापार-युद्ध के हालात हैं, नतीजतन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे व्यापार, आर्थिक निवेश और व्यापार-नीतियां प्रभावित होंगी। ट्रंप भूमंडलीकरण के खिलाफ काम कर रहे हैं और इसमें अमरीका का फायदा देख रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं होगा। इस व्यापार-युद्ध से अमरीका में महंगाई बढ़ेगी। शेयर बाजार और कंपनियों के कारोबार प्रभावित होंगे। अमरीकी बाजार 2.6 फीसदी तक गिरे हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है। भारत अभी तक संतुलित स्थिति में है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि भारत को फायदा होगा। पहले तीन महीनों में ही भारत से अमरीका को निर्यात 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। इसके बुनियादी कारण भी हैं। चीन ने गेहूं, मक्का, कपास, चिकन पर 15 फीसदी और सोयाबीन, सुअर के मांस, बीफ, फल-सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोप दिया है। अमरीकी सोयाबीन और कपास के लिए चीन सबसे बड़ा बाजार है। चीन बीफ, डेयरी उत्पाद, सुअर मांस और मुर्गी के मांस आदि का भी बड़ा खरीददार है। यदि अमरीकी उत्पाद महंगे हो जाएंगे, तो चीन ब्राजील, अर्जेन्टीना, पराग्वे सरीखे वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से आयात कर सकता है। इन स्थितियों में अमरीकी किसान, व्यापारी को नुकसान हो सकता है। गौरतलब यह है कि नवंबर 2024 के चुनाव में अमरीका के कृषि पर आश्रित लोगों और क्षेत्रों के करीब 78 फीसदी लोकप्रिय वोट ट्रंप को मिले थे। यही नहीं, चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, कंप्यूटर, वीडियो गेम्स और उपभोक्ता सामान भी महंगे होंगे। दरअसल यह व्यापार-युद्ध चीन, कनाडा, मैक्सिको बनाम अमरीका तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप विश्व भर में इस्पात, अल्मूनियम पर 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा भी कर चुके हैं। यह 12 मार्च से प्रभावी होगा। 'पारस्परिक टैरिफ' की बात भी ट्रंप करते रहे हैं, लिहाजा भारत इन स्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। हालांकि भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन का मानना है कि भारतीय निर्यातकों को अमरीका में शिपमेंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने 2019 में भी जब चीन पर अधिक टैरिफ लगाया था, तब भारत चौथा सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश था। इन परिस्थितियों में भारत अपने को एक विश्वसनीय, वैश्विक व्यापार-साझेदार के तौर पर स्थापित कर सकता है। वह अपने निर्यातकों को प्रोत्साहित करे, ताकि वे नए बाजार खंगाल सकें। इस संदर्भ में ब्रिक्स जैसा संगठन अपने देशों में विमर्श करे और वे एक सामान्य टैरिफ पर आपसी व्यापार को बढ़ा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काफी सोच समझकर ही लोगों से बातचीत करनी चाहिए दिमाग को शान्त ही रखना पडेगा। आपके जीवनसाथी से तनाव कारण बन सकता हैं. आप–अपने परिचितों के साथ लेन–देन में सावधानी बरतें अन्यथा बाद में सम्बन्धों में गिरावट आ सकती है. किसी मित्र के सहयोग से आमदनी बढ सकती हैं धन की स्थिति में सुधार होगा. किसी अनुभवी की राय आपके लिए फायदेमंद रहेगी.
स्वास्थ्य मे सुधार होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा , परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी. आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बडें बुजुर्गो के साथ धार्मिक यात्रा करनी पडेगी । माता–पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता–पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करतें रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा ।
पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन–देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच–पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है.
स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे
आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे.नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ–प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नौ मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे.बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े–बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत हों–गे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म–विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जांएगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड़ सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए–पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए ।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 08 मार्च 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 08:09 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 11:29 तक
योग : आयुष्मान सायं 04:23 तक
करण : कौलव प्रातः 08:19 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र का हुआ आगाज, राज्यपाल बंडारू ने दिया अभिभाषण

चंडीगढ़,07 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सदन में पिछले सत्र और इस सत्र की अवधि के दौरान मृत्यु को प्राप्त हुए महान विभूतियों, स्वतंत्रता सेनानी और शहीद जवानों के सम्मान में शोक प्रस्ताव पढ़े गए और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की गई।

सर्वप्रथम सदन के नेता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शोक प्रस्ताव पढ़े। इनके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण के अलावा भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा करण चौटाला ने अपनी पार्टी की ओर से शोक प्रस्ताव पढ़कर श्रद्धांजलि दी। सदन के सभी सदस्यों और पहली बार अधिकारियों, मीडियाकर्मियों और सदन में मौजूद सभी कर्मचारियों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा तथा दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना भी की।

सदन में जिनके शोक प्रस्ताव पढ़े गए, उनमें भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री पद्म विभूषण डॉ मनमोहन सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री सतपाल सांगवान, डॉ कृपा राम पूनिया, हरियाणा विधानसभा के भूतपूर्ण सदस्य सुरिंदर सिंह औजला, चौधरी कर्म सिंह, हेम राज तथा जिला हिसार के गांव बीड़ बबरान के स्वतंत्रता सेनानी सरदार बाज सिंह शामिल हैं।

सदन में अदम्य साहस व वीरता दिखाते हुए मातृभूमि की एकता व अखंडता की रक्षा करने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हरियाणा के 22 वीर सैनिकों के निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। इन वीर शहीदों में जिला पानीपत के गांव लाखु बुआना गढ़ी के सूबेदार सुनील कुमार, जिला झज्जर के गांव पहाड़ीपुर के सूबेदार सूरजमल, जिला रेवाड़ी के गांव जैतड़ावास के सूबेदार नरेन्द्र सिंह, जिला महेन्द्रगढ़ के गांव गुवानी के निरीक्षक संदीप, जिला

रेवाड़ी के गांव कोसली के निरीक्षक धर्मवीर, जिला महेन्द्रगढ़ के गांव दताल के सहायक उप निरीक्षक अग्निवेश, जिला झज्जर के गांव शेरिया कलां के सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र अहलावत, जिला महेन्द्रगढ़ के गांव तलवाना के हवलदार राजकुमार, जिला रोहतक के गांव भालौठ के हवलदार हरविंद्र, जिला रोहतक के गांव खरक जाटान के हवलदार संदीप कुमार तथा जिला रोहतक के गांव किलोई के हैड कांस्टेबल सुनील कुमार हुड्डा शामिल हैं।

इसके अलावा, जिला झज्जर के गांव मुंडाहेड़ा के प्रधान नाविक मनोज कुमार, जिला झज्जर के गांव ढ़राणा के नायक दीपक कुमार, जिला सोनीपत के गांव कासंडा के नायक दीपक मलिक, जिला भिवानी के गांव बागनवाला के कारप–ोरल मंजीत कुमार, जिला झज्जर के गांव साल्हावास के कारपोरल दीपक कुमार, जिला झज्जर के गांव रुडियावास के लीडिंग एयरक्राफ्टमैन मोहित जांगड़ा, जिला महेन्द्रगढ़ के गांव सिहमा के सिपाही परमवीर, जिला महेन्द्रगढ़ के गांव तिगरा के सिपाही दारा सिंह, जिला भिवानी के गांव बिडौला के सिपाही संदीप सिंह, जिला हिसार के गांव डाटा के सिपाही सितेन्द्र सिंह तथा जिला झज्जर के गांव बादली के सिपाही विनोद कुमार के निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। उपरोक्त के अलावा, सदन में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के मामा राजपाल सिंह नागर, मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा की चाची शांति देवी, मंत्री श्रुति चौधरी की सास बिरजा चौधरी, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के जीजा प्रेम लाल शर्मा, विधायक राम कुमार गौतम की बहन माया देवी तथा विधायक सुनील सांगवान की बहन ऊषा कादियान के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया गया।

पंचकूला में भाजपा की अहम संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

नायब सैनी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने की चुनावी समीक्षा

चंडीगढ़,07 मार्च (एजेंसियां)। निकाय चुनाव के बाद अब भाजपा आगे की रणनीति बनाने में जुट गई है। शुक्रवार को पंचकूला स्थित बीजेपी कार्यालय ''पंचकमल'' में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में अहम संगठनात्मक बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डा. अर्चना गुप्ता और मंत्री कृष्ण बेदी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में 2 मार्च को प्रदेश भर में हुए निकाय चुनाव की समीक्षा की और साथ ही साथ पानीपत में 9 मार्च को होने वाले चुनाव की भी रणनीति बनाई गई। इस बैठक में सभी नेताओं ने आगामी दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई और उन्हें सफल बनाने की योजना पर भी मंथन किया। इस महत्व–पूर्ण बैठक में भाजपा का और अधिक विस्तार कैसे किया जाए की चर्चा तो की ही गई साथ ही विधानसभा सत्र में उठने वाले मुद्दों पर भी व्यापक वार्तालाप हुआ।

बैठक में जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और चुनाव प्रभारियों से उनके क्षेत्रों के निकाय चुनाव के बारे में एक–एक करके जानकारी ली गई। सभी ने बैठक में सकारात्मक रिजल्ट आने का दावा किया। इसके अलावा पानीपत में जिन पदाधिकारियों की चुनाव को लेकर ड्यूटी लगाई गई उनसे भी वहां का फीडबैक लिया गया। निकाय चुनाव को लेकर समीक्षात्मक मंथन से भाजपा के तमाम नेता संतुष्ट भी नजर आए। आने वाले दिनों में संगठन का और अधिक विस्तार कैसे हो इस पर भी सभी जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों से विचार और सुझाव मांगे गए। साथ ही उन्हें पन्ना प्रमुख तक संगठन को और अधिक ज्यादा मजबूत करने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा आदि नेताओं ने उपस्थित पदाधिकारियों की चुनाव में कार्य के लिए पीठ थपथपाई और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। सभी नेताओं ने हरियाणा की जनता को देवतुल्य बताते हुए भाजपा के लिए वोट करने पर आभार जताया।

बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बताया कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मना रही है। पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर सुशासन दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस है। भाजपा अंबेडकर के जन्म दिवस को गौरव संविधान दिवस के रूप में मना रही है। बाबा साहेब के जीवन और संविधान को लेकर प्रदेश भर में कार्यक्रम किए जाएंगे।

हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष के चयन पर सियासत गर्म

अनिल विज और आदित्य चौटाला का कांग्रेस पर निशाना

चंडीगढ़,07 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में बजट सत्र की शुरुआत के बावजूद नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर कांग्रेस में खींचतान जारी है। इस पर हरियाणा सरकार में ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि साढ़े पांच महीने बीत चुके हैं, लेकिन कांग्रेस अब तक अपना नेता तय नहीं कर सकी है, ऐसे में वे सरकार का विरोध और विपक्ष की भूमिका कैसे निभाएंगे?

अनिल विज ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर कांग्रेस के अंदर जबरदस्त लड़ाई चल रही है। कुछ विधायक चाहते हैं कि हुड्डा विधायक दल के नेता बनें, लेकिन शायद हाईकमान को यह मंजूर नहीं है, जिस वजह से नेता प्रतिपक्ष चुनने में देरी हो रही है। मंत्री अनिल विज ने राज्यपाल के अभिभाषण की तारीफ करते हुए कहा कि यह विकासशील अभिभाषण था, जिसमें शिक्षा, खेल, किसानों समेत सभी वर्गों का ध्यान रखा गया। सरकार की सभी योजनाओं को महामहिम राज्यपाल ने सदन में प्रस्तुत किया।इसके साथ ही इनेलो विधायक आदित्य चौटाला ने भी कांग्रेस पर निशाना

साधा और नेता प्रतिपक्ष के मुद्दे पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि आज तक हरियाणा के इतिहास में कभी नेता प्रतिपक्ष के चयन के लिए इतना इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार कांग्रेस की ही देन है। कांग्रेस के विधायक खुद मीडिया के सामने इस मुद्दे पर बोलने से बच रहे हैं, क्योंकि उनके पास जवाब नहीं हैं। आदित्य चौटाला ने राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से दूर बताते हुए सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। हरियाणा में इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं हुआ, जितना इस सरकार में हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पोर्टल के माध्यम से भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है और पुरानी योजनाओं को नए प्रारूप में पेश कर रही है।

कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का शुभारंभ करेंगे लोकसभा अध्यक्ष और भजनलाल

जयपुर,07 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान की विश्वस्तरीय सुविधाओं का शुभारम्भ शनिवार, आठ मार्च को लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा सनातन परंपरा और वैदिक रीति से हवन में पूर्ण आहुति अर्पित करके किया जायेगा। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के सदस्यगण, लोक सभा और राज्य सभा में राजस्थान के सांसदगण, पूर्व विधायकगण सहित क्लब के सदस्यगण मौजूद रहेंगे।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि भारतीय सनातन परम्परा और वैदिक रीति से कार्यक्रम होगा। क्लब का शुभारंभ हवन से होगा जिसमें पूर्ण आहुति लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा दी जायेगी। क्लब का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण, क्लब की सुविधाओं का फीता खोलकर और दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रोच्चार से अतिथियों द्वारा किया जायेगा।

वासुदेव देवनानी ने बताया कि प्रदेश में नई दिल्ली की तर्ज पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण किया गया है। इस महत्वपूर्ण स्थल पर विश्वस्तरीय सुविधायें तैयार करायी गई है। क्लब में बेसमेंट, भूतल और पाँच तलों का 1 लाख 95 हजार फीट निर्माण किया गया है। राज्य की यह परियोजना देश में एक बेहतर मिसाल है। विधान सभा के समीप 4 हजार 948 वर्गमीटर भूखण्ड पर लगभग 80 करोड रूपये की लागत से क्लब का निर्माण किया गया है। क्लब में रेस्टोरेन्ट, कॉफी हाउस, स्विमिंग पूल, ऑडिटोरियम, मीटिंग हॉल, कान्फ्रेन्स हॉल, वीआईपी लाउज, जिम, सैलून, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस एवं लॉन टेनिस कोर्ट सहित अतिथियों के ठहरने हेतु कमरों का भी निर्माण किया गया है। देवनानी ने बताया कि देश के विधानमण्डलों में राजस्थान विधान सभा ऐसी पहली विधान सभा है, जहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण किया गया है। नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब की तर्ज पर जयपुर में कॉन्स्टीट्यूशन क्लब बनाया गया है। उन्होंने बताया कि क्लब के शुभारंभ अवसर पर क्लब के सदस्यों को क्लब से सम्बन्धित जानकारी देने के लिये एक लघु वृत्त चित्र फिल्म बनायी गयी है। उपलब्ध सुविधाओं के उपयोग के लिये क्लब की वेबसाइट का भी निर्माण किया गया है। शुभारम्भ कार्यक्रम में लघु वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया जायेगा और वेबसाइट की भी शुरुआत होगी।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान मानवीय विचारों के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्रीगण, पूर्व विधान सभा अध्यक्षगण भी इस क्लब के सदस्य है। प्रदेश के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों के विभिन्न पहलुओं के अनुभवों से नये विधायकगण लाभान्वित होंगे। क्लब में विभिन्न अवसरों पर कार्यशालायें और सेमिनार आयोजित होगी। राज्य के लोगों विशेषकर राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने वाले युवा पीढ़ी को इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगा। क्लब में सदस्यों के मध्य संसदीय परंपराओं पर चर्चा और परिचर्चायें होगी। नये विधायकगणों को परंपराओं को जानने का मौका मिलेगा।

मनी लॉन्ड्रिंग पर ईडी की सर्जिकल स्ट्राइक

विदेशों में करोड़ों की हेराफेरी पर राजस्थान सहित चार राज्यों में रेड

जयपुर,07 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात में ताबड़तोड़ छापेमारी की। यह कार्रवाई कस्टम विभाग के एक केस के आधार पर हुई, जिसमें विदेशों में करोड़ों रुपए के फंड ट्रांसफर का मामला सामने आया था।

ENFORCEMENT DIRECTORATE

ईडी सूत्रों के अनुसार, जयपुर के एक व्यापारी पर शक गहरा रहा है, जो भारत में बैठकर हॉन्गकॉन्ग से अपना रैकेट ऑपरेट कर रहा था। आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेजों और बेनामी कंपनियों के जरिए भारी मात्रा में धन विदेशों में भेजा। ईडी ने राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और अजमेर में कुल 7 स्थानों पर छापा मारा। इसके अलावा, नोएडा, मुंबई और सूरत में भी टीमों ने दबिश दी। इस दौरान कई डिजिटल डिवाइस, दस्तावेज और संदिग्ध बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं।

ईडी की इस कार्रवाई को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अंजाम दिया गया। इससे पहले भी इस केस में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें कुछ आरोपी अब भी जेल में हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस छापेमारी से मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश होने की उम्मीद है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला कल

भीलवाड़ा,07 मार्च (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 अंतर्गत निवेशकों के साथ संपादित एमओयूज को वास्तविक निवेश में परिवर्तित करने हेतु सरकार पूर्णतया प्रतिबद्व है, जिसकी मॉनिटरिग, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं विभिन्न स्तरों पर सरकार द्वारा की जा रही है। राज्य में विभिन्न सेक्टर्स में निवेश बढ़ाने एवं रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी–2024, राजस्थान ओडीओपी पॉलिसी–2024, कलस्टर डवलपमेंट स्कीम, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी–2024, राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी–2025, राजस्थान टैक्सटाईल एण्ड एपरैल पॉलिसी 2025, राजस्थान डेटा सेन्टर पॉलिसी–2025 तथा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना–2024 नीतियां व योजनाएं जारी की गई हैं।जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक, के.के. मीना ने जानकारी देते हुए बताया के इन योजनाओं के प्रचार–प्रसार एवं विस्तृत जानकारी प्रदान करने एवं उद्यमियों को योजनाओं में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 8 मार्च को प्रातः 11:30 बजे माणिक्य लाल वर्मा टेक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज में किया जायेगा।

सिरोही में झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार

25 साल से चला रहा था अवैध क्लिनिक

सिरोही,07 मार्च (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई की है। पिंडवाड़ा तहसील के अचपुरा गांव में पिछले 25 साल से अवैध क्लिनिक चला रहे बंगाली झोलाछाप अमूल समजदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, झोलाछाप डॉक्टरों पर बढ़ती कार्रवाई के चलते कई लोग अब सुबह–शाम सिर्फ दो–दो घंटे के लिए क्लिनिक चला रहे हैं ताकि विभाग की नजरों से बच सकें। लेकिन इस बार विभाग की टीम ने तड़के सुबह 6:30 बजे ही दबिश देकर इस खेल का भंडाफोड़ कर दिया।

सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी के निर्देश पर डिप्टी सीएमएचओ डॉ. एस.पी. शर्मा, आरसीएचओ डॉ. रितेश सांखला, बीसीएमओ डॉ. भूपेन्द्र सिंह, पीएचसी भारजा इंचार्ज डॉ. विनय सोनी, फार्मासिस्ट सौरव और पुलिस विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापा मारा। मौके से भारी मात्रा में अन्य दवाइयों के साथ अवैध रूप से इस्तेमाल की जा रही दवाएं बरामद की गईं। अमूल समजदार को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया और स्वरूपगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

काशी और अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी : योगी

बरसाना में सीएम योगी ने रंगोत्सव का शुभारंभ किया

ब्रज भूमि श्रद्धा की भूमि है और होली एकता का सूत्र है

मथुरा, 07 मार्च (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय दौरे पर मथुरा के बरसाना में रंगोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फूलों व लड्डू मार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 5 हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा और आस्था की धरा है।

इसके कण-कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता के प्रतीक के रूप में मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलंबियों ने महाकुंभ के जरिए करारा जवाब दिया है।

महाकुंभ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है।

सीएम योगी ने होली को एकता का सूत्र बताते हुए कहा कि होली आपसी सद्भाव और दूरियों को मिटाने का त्यौहार है। महाकुंभ ने जहां दुनिया को एकता का संदेश दिया, वहीं होली इसे और मजबूत करती है। उन्होंने बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली और लड्डू मार होली का जिक्र करते हुए सनातन धर्म की अद्भुत परंपराओं की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट में ब्रज भूमि के विकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की योजनाओं के साथ बरसाना को विकास से जोड़ा जा रहा है। पहली बार बरसाना में रोपवे की सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सकुशल सम्पन्न होने के बाद अब फुरसत मिली है। काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्यवासिनी धाम के विकास के उपरांत अब बारी इसी पुण्य भूमि की है। सीएम ने आश्वस्त किया कि मथुरा, बरसाना, ब्रजभूमि के विकास के लिए कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह होली के अवसर पर श्री राधारानी जी के श्रीचरणों में इसी निवेदन के साथ पहुंचे हैं। उन्होंने दिल्ली में रामभक्तों की सरकार आने का जिक्र करते हुए यमुना के संरक्षण का वादा दोहराया। सीएम ने कहा कि अब यमुना मइया भी गंगा मां की तरह निर्मल और अविरल होंगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संतों का सम्मान किया और देश-दुनिया से आए लोगों को होली व रंगोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बरसाना ब्रह्मा, नंदगांव शिव और गोवर्धन विष्णु जी का प्रतीक है। यह ब्रज भूमि हर सनातन धर्मावलंबी के लिए आशीर्वाद का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार सुरक्षा, विकास और समृद्धि की गारंटी है। होली के इस पावन अवसर पर ब्रज भूमि के विकास को नई गति मिलेगी। सीएम ने इससे पहले श्री लाडली जी महाराज के मंदिर में दर्शन पूजन कर प्रदेश के कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर संतजन विनोद बाबा, रामसुख दास, माधवदास मौनी बाबा, फलाहारी बाबा, मंत्रीगण संदीप सिंह, चौधरी लक्ष्मी नारायण, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायकगण मेघश्याम सिंह, पूरण प्रकाश, राजेश चौधरी, योगेश चौधरी, ओम प्रकाश सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह, भाजपा नेता निर्भय पांडेय, घनश्याम सिंह लोधी, नगर पंचायत अध्यक्ष बरसाना विजय सिंह, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र आदि मौजूद थे। गीतांजली शर्मा ने अपने समूह के साथ नृत्य के जरिए फूलों की होली पर विशेष प्रस्तुति दी।

यूपी सरकार प्रदेश के 59 शहरों का करेगी जीआईएस आधारित विकास

लखनऊ, 07 मार्च (एजेंसियां)।
योगी सरकार ने प्रदेश के विकास को नई दिशा देने के लिए जीआईएस (ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम) बेस्ड महायोजना का खाका तैयार किया है। इसके तहत प्रदेश के 59 शहरों का उन्नत तकनीक और हाईटेक सुविधाओं से विकास किया जाएगा। योगी सरकार के फैसले से प्रदेश के विभिन्न शहरों को शहरीकरण की सही दिशा मिलेगी और शहरों के बुनियादी ढांचे को और अधिक मजबूत किया जाएगा। सीएम योगी ने महायोजना के तहत 35 शहरों को आधुनिकीकरण के लिए मंजूरी दे दी है। वहीं शेष को जल्द ही हरी झंडी दे दी जाएगी। इन शहरों में अयोध्या, अलीगढ़, सहारनपुर, देवरिया, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, मथुरा, आजमगढ़, प्रयागराज, बरेली, गाजीपुर, रामनगर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर सहित अन्य शहर शामिल हैं। इन शहरों में उन्नत तकनीकी विकास और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

योगी सरकार जीआईएस तकनीक का उपयोग करके शहरों को वैज्ञानिक और डेटा-आधारित बनाएगी। इसके जरिए शहरों की सड़कों, जल निकासी प्रणाली, ग्रीन स्पेस, ट्रैफिक मैनेजमेंट, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय मामलों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जाएंगी। इस तकनीक से शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित विकास को रोकने और योजनाबद्ध तरीके से बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। महायोजना के तहत शहरों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सके। इन शहरों में ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित वाहनों की समस्या को दूर करने के लिए आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा। बारिश के पानी की निकासी और जलभराव से बचाव के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। वहीं बसों, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया जाएगा। इसके साथ ही शहरों में ग्रीन बेल्ट विकसित किए जाएंगे और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए नए पौधे लगाए जाएंगे।

योगी सरकार की महायोजना से न केवल शहरों के बुनियादी ढांचे का विकास होगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभिन्न निर्माण कार्यों, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और टेक्नोलॉजी आधारित सेवाओं से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। जीआईएस आधारित योजना से शहरी विकास में पारदर्शिता आएगी। इससे अधिकारियों को योजनाओं की सही निगरानी करने और किसी भी क्षेत्र में आवश्यक बदलाव करने में आसानी होगी। साथ ही, सरकार को शहरों के विकास से संबंधित सटीक डेटा मिलेगा, जिससे योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

कांग्रेस के गढ़ अमेठी में बनेगा संघ का कार्यालय

अमेठी, 07 मार्च (एजेंसियां)।
अमेठी जिला मुख्यालय गौरीगंज में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नए कार्यालय का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। साढ़े पांच बिसवा भूमि पर बनने वाले इस कार्यालय का निर्माण भाजपा नेताओं और संघ कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए चंदे से किया जाएगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक, एमएलसी, जनप्रतिनिधि, संघ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई और इसके बाद कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई। संघ पदाधिकारियों ने इसे संगठन के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह कार्यालय संघ की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा और सामाजिक व राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों को यहां से संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर मौजूद विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संघ के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। संघ कार्यकर्ताओं ने बताया कि कार्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा और इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

मौके पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, विधायक राकेश प्रताप सिंह, विधायक सुरेश पासी, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय सिंह समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता और संघ पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में खरीदी जमीन

अयोध्या में बनाएंगे, हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट

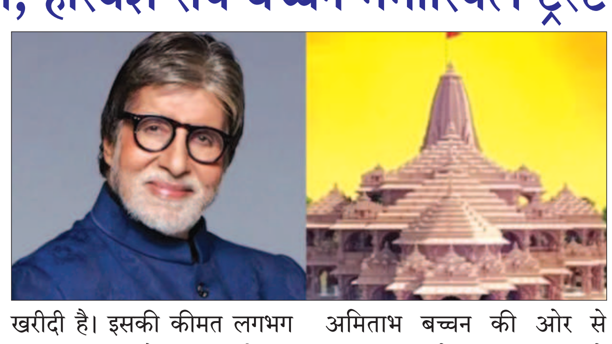

अयोध्या, 07 मार्च (एजेंसियां)।
प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन अयोध्या में हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट की स्थापना करेंगे। इसके लिए अमिताभ बच्चन ने जमीन खरीद ली है और ट्रस्ट के नाम पर रजिस्ट्री भी हो गई है।

अयोध्या के लोगों का कहना है कि अमिताभ बच्चन अब अब केवल गंगा किनारे वाले ही नहीं बल्कि सरयू किनारे वाले भी कहलाएंगे।

अमिताभ बच्चन ने अपने पिता स्वर्गीय हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के नाम से रामनगरी में 20 बिस्वा जमीन खरीदी है। इसकी कीमत लगभग 86 लाख रुपए है। इसकी रजिस्ट्री सब रजिस्टार सदर के ऑफिस में 31 जनवरी 2025 को हुई थी।

अमिताभ बच्चन ने जो जमीन खरीदी है, वह राम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर दूर सरयू नदी के पास तिहुरा माझा में है। इससे पहले भी अयोध्या में अमिताभ बच्चन की ओर से जमीन खरीदने की बात सामने आई थी। लेकिन, उस समय रजिस्ट्री नहीं हुई थी। अब 31 जनवरी 2025 को अमिताभ बच्चन ने अपने पिता के नाम बने ट्रस्ट हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के नाम से जमीन खरीदी गई है।

वृंदावन की अनुपम होली में विधवाएं बनाएंगी वर्ल्ड रिकॉर्ड

लखनऊ, 07 मार्च (एजेंसियां)।
उल्लास-उमंग और रंगों का पर्व होली इस बार वृंदावन में एक अलग आभा मे सराबोर दिखेगा। मथुरा-वृंदावन की होली तो वैसे भी जगत प्रसिद्ध है, मगर इस बार यहां की होली केवल आनंद ही नहीं सामाजिक सौहार्द्र, सांस्कृतिक समरसता तथा सामाजिक परिवर्तन के सम्मानित क्षण बनकर विश्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने जा रही है। योगी सरकार के प्रयासों से यहां 2000 से अधिक विधवाएं एक साथ होली खेलकर एक अनूठा रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। इस क्रम में, वृंदावन के सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग होली पर विधवाओं की होली-2025 के तौर पर एक यूनिक इवेंट का आयोजन कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की दिशा में प्रयास करेगी।

ऐसे में, इस बार होली का त्यौहार न केवल विधवाओं की बेरंग जिंदगी में खुशियों का रंग घोलने का माध्यम बनेगा बल्कि इतिहास व विश्व रिकॉर्ड में दर्ज होने के साथ ही समाज में सशक्त संदेश देने का माध्यम भी बनेगा। विधवाओं की होली एक अनूठा सांस्कृतिक उत्सव है। परंपरागत रूप से, भारत में विधवाओं से होली जैसे त्योहारों सहित संसारिक सुखों को त्यागने की अपेक्षा की जाती थी, लेकिन भगवान कृष्ण के दिव्य प्रेम से जुड़े शहर वृंदावन में यह एक क्रांतिकारी बदलाव के तौर पर देखा जाता है। वृंदावन में विध-वाओं की होली एक सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन है जो सदियों पुरानी वर्जनाओं को तोड़ता है।

विधवाओं को मुख्यधारा के समारोहों में शामिल करने के प्रयास के रूप में शुरू किया गया यह त्योहार सशक्तिकरण और समावेशिता के एक प्रतिष्ठित आयोजन में बदल गया है। हर साल, वृंदावन के विभिन्न आश्रमों से हजारों विधवाएं होली पर खुद को जीवंत रंगों, संगीत और भक्ति में सराबोर कर लेती हैं। इस आयोजन ने सामाजिक परिवर्तन, सम्मान व प्रसन्नता के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। ऐसे में, अब योगी सरकार ने इसे अब विश्व रिकॉर्ड से जोड़ने की तैयारी कर ली है।

वर्ष 2025 में योगी सरकार ने सामाजिक कल्याण संगठनों के सहयोग से 2000 से अधिक विधवाओं के साथ सबसे बड़े होली समारोह का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करने जा रही है जो सांस्कृतिक पुनरुत्थान और सामाजिक सद्भाव में एक मील का पत्थर साबित होगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग वृंदावन में भव्य विधवाओं की होली कार्यक्रम आयोजित करेगी जिसमें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करते हुए उत्तर प्रदेश की समावेशिता व सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित किया जाएगा।

योजना के अनुसार, इस समारोह में पारंपरिक लोक गायन, लोक नृत्य, भक्ति गीत जैसी प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन में ऑर्गेनिक रंगों का इस्तेमाल होगा तथा इसमें अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, मीडिया तथा भक्तों की भागीदारी होगी। इस आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए एक विशिष्ट टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा जिससे उन्हें विभिन्न पहलुओं की विवेचना समेत प्रमाणन प्रक्रिया को पूरा करने में भी आसानी होगी।

बाल तस्करी के खिलाफ चले अभियान में काशी की अहम भूमिका

वाराणसी, 07 मार्च (एजेंसियां)।
नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि बालश्रम और बाल तस्करी के खिलाफ अभियान चलाने की प्रेरणा काशी से ही मिली। पूर्वांचल इसका पहला पड़ाव रहा।

उन्होंने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि भदोही से इसकी शुरुआत की और 1982 से 1998 तक पूर्वांचल से करीब 30 हजार बच्चों को रेस्क्यू कराया। इन बच्चों में अधिकतर बच्चे बिहार और नेपाल के थे।

कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि साल 1982 में जब वह भदोही पहुंचे और उन्होंने देखा कि विश्वविख्यात कालीन बनाने वाले इस शहर में बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है, तो वह रो पड़े। उन्होंने ठान लिया कि इन सभी बच्चों को इससे बाहर निकालना है। उन्होंने बचपन बचाओ आंदोलन शुरू किया। करीब दस साल तक लगातार काम करते हुए उन्होंने 30 हजार बच्चों को रेस्क्यू कराया। शुरू में कालीन और साड़ी उद्योग से जुड़े लोग उनके खिलाफ हो गए। उन पर हमले भी कराए गए। उन्हें उद्योग विरोधी बताया गया। इसके बाद अन्य व्यवसाय से जुड़े बच्चों को भी बाल मजदूरी से आजाद कराया गया। उन्होंने लोगों को समझाया कि वह किसी इंडस्ट्री के खिलाफ नहीं, बल्कि बाल मजदूरी के खिलाफ हैं। इस अभियान के दौरान सेवापुरी में गांधी आश्रम में वह अपने सहयोगियों के साथ बैठक करते थे। रेस्क्यू कराए गए कई बच्चों को उनके घर भेजा गया और कई को बनारस में रखकर शिक्षा दी गई। बच्चों को शिक्षित करने में गांधी विद्या संस्थान राजघाट के दो प्रोफेसर ने काफी मदद की। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां भी युद्ध हो रहे हैं, उन्हें रोक दिया जाए। युद्ध के दौरान दस दिन में जो कुछ खर्च होता है उसे बच्चों पर खर्च कर दिया जाए तो बच्चों से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि आज लोगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों का मुकाबला करने के लिए दयालु बुद्धि विकसित करने पर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस पर काम शुरू कर दिया है। समाज में बढ़ते अलगाव का मुकाबला करने के लिए सीक्यू यानी कंपैशन कोशेंट (करुणा गुणांक) को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। जब हम दूसरों की समस्या को खुद की समस्या समझकर समाधान करेंगे, तभी काम बनेगा।नोबेल विजेता ने अपनी आत्मकथा दियासलाई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि दीयासलाई यानी माचिस की एक तीली खुद निस्वार्थ भाव से जलकर उजाला लाती है। यही मेरे जीवन की गुरु है। इसीलिए मैंने अपनी आत्मकथा को इसका नाम दिया। मेरे लिए करुणा से भरी दुनिया का मतलब है हमारी शासन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं, तंत्र करुणा से प्रेरित हों। दूसरे की तकलीफ को अपना समझें और उनका समाधान करें और समस्याओं से जूझ रहे लोगों को अपनी तरह मानकर तकलीफों को दूर करें।

कश्मीर के मुकाबले जम्मू में अधिक तादाद में आए पर्यटक

जम्मू, 07 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर से ज्यादा जम्मू संभाग पर्यटकों को पसंद आ रहा है। सरकारी आंकड़े ऐसा ही बता रहे हैं। आंकड़े कहते हैं कि पिछले चार सालों में जम्मू संभाग के मुकाबले कश्मीर में 80 फीसदी कम पर्यटक आए हैं। सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के मुताबिक, सरकार ने खुलासा किया है कि 2021 में जम्मू में 1,06,50,757 पर्यटक आए, जबकि उसी वर्ष कश्मीर में 6,65,777 पर्यटकों का आगमन हुआ। दरअसल अब सरकार ने वैष्णो देवी देवी के तीर्थस्थान पर आने वालों को भी पर्यटक के तौर पर मानना आरंभ किया है जबकि पहले उन्हें तीर्थयात्रियों की श्रेणी में रखा जाता था।

इसी सर्वेक्षण से पता चलता है कि 2021 में कुल 1,13,16,534 पर्यटकों ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया। विवरण के अनुसार, 2022, 2023 और 2024 सहित बाद के वर्षों में कश्मीर में जम्मू की तुलना में 80 प्रतिशत कम पर्यटक आए। आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि जम्मू में 2022 में कुल 1,62,10,875 पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि कश्मीर में केवल 26,73,442 पर्यटक आए। सर्वेक्षण से पता चलता है कि 2022 में जम्मू-कश्मीर में 1,88,84,317 पर्यटक आए। वर्ष 2023 में जम्मू में कुल 1,80,24,176 पर्यटक आए, जबकि कश्मीर में 31,55,835 पर्यटक आए।

इस प्रकार, उस वर्ष जम्मू कश्मीर में कुल 2,11,80,011 पर्यटक आए। 2024 में जम्मू में 2,00,91,379 पर्यटक आए, जबकि कश्मीर में केवल 34,98,702 पर्यटक आए, जिनमें घरेलू और विदेशी दोनों शामिल हैं।

आंकड़ों में 2024 के दौरान 5,11,922 अमरनाथ यात्री और 2024 के दौरान 94,55,605 वैष्णो देवी यात्री शामिल हैं। इसके अलावा, 2021 से 2024 तक के चार बाद के वर्षों में, कश्मीर में जम्मू की तुलना में अधिक विदेशी पर्यटक आए, आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि 2021 में 1,614 विदेशियों ने कश्मीर का दौरा किया, जबकि जम्मू में केवल 36 विदेशी पर्यटक आए।

साल 2022 में, कश्मीर में 19,947 विदेशी पर्यटक आए, जबकि जम्मू में केवल 38 विदेशी पर्यटक आए। 2023 में, कश्मीर में जम्मू में केवल 17,649 की तुलना में 37,678 विदेशी पर्यटक आए, जबकि 2024 में, कश्मीर में जम्मू में 21,798 की तुलना में 43,654 विदेशी पर्यटक आए। सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार, विदेशी पर्यटकों की संख्या में 300ः से अधिक की वृद्धि हुई है। 22 मई से 24 मई 2023 तक श्रीनगर में आयोजित जी-20 की तीसरी पर्यटन कार्य बैठक ने जम्मू कश्मीर को वैश्विक सुर्खियों में ला दिया, जो इसके पर्यटन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था। जम्मू में पहली बार आयोजित सनबर्न म्यूज़िकल फ़ेस्टिवल और श्रीनगर में उद्घाटन एफ 4 कार शो जैसे ऐतिहासिक आयोजनों ने क्षेत्र के बढ़ते आकर्षण और जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य को और उजागर किया।

जल्द होगी बडगाम और नगरोटा सीटों के उपचुनाव की घोषणा

जम्मू, 07 मार्च (ब्यूरो)। भारतीय चुनाव आयोग बडगाम और नगरोटा विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा इस सप्ताह या अगले सप्ताह की शुरुआत में कर सकता है। पिछले साल के चुनाव में बडगाम और गंदरबल सीट जीतने वाले उमर अब्दुल्ला ने 21 अक्टूबर को बडगाम सीट खाली करने का फैसला किया था, जबकि देविंदर सिंह राणा के निधन के कारण 31 अक्टूबर को नगरोटा सीट खाली हो गई थी।

दोनों सीटों के लिए चुनाव 20 अप्रैल तक पूरे होने हैं, क्योंकि किसी भी रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव रिक्ति की तारीख से छह महीने की अवधि के भीतर आयोजित किया जाना चाहिए। इसे छह महीने की समयसीमा से आगे केवल तभी विलंबित किया जा सकता है जब भारत का चुनाव आयोग केंद्र सरकार के परामर्श से यह प्रमाणित कर दे कि उक्त अवधि के भीतर उपचुनाव कराना कठिन है।

बडगाम और नगरोटा विधानसभा क्षेत्रों में से एक भाजपा और दूसरा नेशनल कांफ्रेंस का गढ़ माना जाता है जिसके लिए दोनों दलों ने उम्मीदवार भी तैयार कर लिए हैं। इनमें से एक केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और स्व भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा की लांचिंग भाजपा पहले ही कर चुकी है। पर बडगाम से मैदान में उतरने जा रहे उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर अब्दुल्ला की लांचिंग अभी नहीं हुई है।

याद रहे बडगाम सीट उमर अब्दुल्ला द्वारा खाली की गई थी, जिन्होंने गंदरबल के पार्टी गढ़ को बरकरार रखने का फैसला किया था, जबकि नगरोटा सीट भाजपा नेता देविंदर सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई थी। राणा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई थे। भाजपा जहां देविंदर सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा को नगरोटा सीट से अपना उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि वहीं सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बडगाम सीट से नेकां का उम्मीदवार कौन होगा। वैसे नेकां ने इस सीट से अपना उम्मीदवार कौन होगा, इस बारे में कोई संकेत तक नहीं दिया है, जिससे राजनीतिक पर्यवेक्षकों और मतदाताओं में व्यापक जिज्ञासा पैदा हो गई है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पिता उमर अब्दुल्ला के साथ चुनाव प्रचार तक सीमित रहे जमीर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर की राजनीति में सक्रिय होने के लिए तैयार हैं।

अब झेलम और चेनाब पर होगी आलीशान क्रूज की सवारी

जम्मू, 07 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के पर्यटन परिदृश्य को बदलने के लिए एक महत्व-पूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने क्षेत्र में आलीशान नदी क्रूज पर्यटन शुरू करने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार के साथ एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

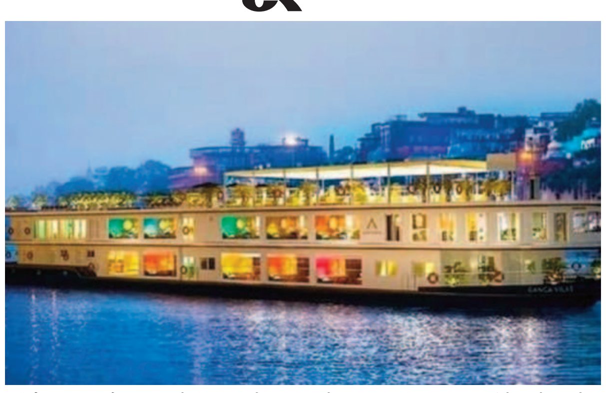

100 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना झेलम, चेनाब और रावी नदियों के किनारे बेजोड़ यात्रा अनुभव प्रदान करेगी, जिससे जम्मू कश्मीर एक प्रमुख क्रूज गंतव्य बन जाएगा। इस परिवर्तनकारी पहल के तहत, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) जम्मू कश्मीर के तीन राष्ट्रीय जलमार्गों पर दस प्रमुख स्थानों पर विश्व स्तरीय क्रूज टर्मिनल और फ्लोटिंग जेटी स्थापित करेगा।

इसके तहत चेनाब पर जम्मू के पास अखनूर और रियासी में फ्लोटिंग जेटी चलेगी और झेलम के लिए पंथा चौक, जीरो ब्रिज, अमीरा कदल, शाह-ए-हमदान, सफा कदल, चट्टाबल तीर्थस्थल, सुंबल ब्रिज और गुंड प्रांग (श्रीनगर और बांडीपोरा) में सात जेटी का इंतजाम होगा। जबकि रावी सोहर में एक फ्लोटिंग जेटी होगी। बुनियादी ढांचे से परे, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) क्रूज सेवाओं के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए ड्रेजिंग ऑपरेशन भी करेगा, नेविगेशनल एड्स स्थापित करेगा और हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण भी करेगा।

इस मेगा-प्रोजेक्ट से जम्मू कश्मीर में पर्यटन में क्रांति आने की उम्मीद है, जो रोमांच, अवकाश और तीर्थ यात्रा को एक नया आयाम देगा। लग्जरी और बजट-फ्रेंडली क्रूज की शुरुआत से न केवल उच्च-स्तरीय पर्यटक आकर्षित होंगे, बल्कि रोजगार भी पैदा होगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और जम्मू-कश्मीर के ऐतिहासिक जलमार्गों को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। अधिकारी कहते हैं कि यह जम्मू कश्मीर के लिए एक बड़ा बदलाव है।

नदी क्रूज पर्यटन की शुरुआत से केंद्र शासित प्रदेश अंतरराष्ट्रीय मानकों पर पहुंच जाएगा और विकास के लिए अनंत अवसर पैदा होंगे। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भूमि अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करने, सभी वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने और इन प्रतिष्ठित जलमार्गों पर सुचारू संचालन की देखरेख के लिए क्रूज आपरेटरों को नियुक्त करने का संकल्प लिया है।

पंजाब पुलिस को नहीं मिली आतंकी की ट्रांजिट रिमांड

कौशांबी जेल के एकांत सेल में रहेगा आतंकी लजर मसीह

कौशांबी, 07 मार्च (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी लजर मसीह को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब ले जाने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने मना कर दिया। आतंकी लजर मसीह को कौशांबी जिला जेल के एकांत सेल में रखा गया है।

यूपी के कौशांबी जिले के कोखराज थाना इलाके से बब्बर खालसा के आतंकी लजर मसीह की गिरफ्तारी के बाद रिमांड को लेकर यूपी व पंजाब पुलिस के बीच खींचतान लगी रही।

पंजाब पुलिस ने आतंकी को ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया।

इसके बाद आतंकी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया गया, जहा इसे सेपरेट सेल में रखा गया है। कोखराज थाना क्षेत्र के सकाढ़ा तिराहा से गुरुवार की सुबह पकड़े गए आतंकी लजर मसीह को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब ले जाने की भरपूर कोशिश की थी, लेकिन उन्हें नहीं मिल सकी।

आतंकी पंजाब के अमृतसर जिला कोर्ट से पेशी के दौरान फरार हुआ था। यही कारण था कि गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने उसे अपने साथ ले जाने के लिए कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड मांगी थी।

कोर्ट ने ट्रांजिट रिमांड को खारिज कर दिया है। कोखराज थाना पुलिस ने आतंकी को कोर्ट में पेश कराया। कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में आतंकी को जेल भेज दिया है।

आतंकी लजर मसीह को कौशांबी जिला जेल के सेपरेट सेल में रखा गया है। कौशांबी जिला जेल में हाई सिक्योरिटी सेल और व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते ऐसे लोगों को सेपरेट सेल में रखा जाता है। यहां सिंगल बैरेक में आतंकी को रखा गया है।

महिला दिवस पर खास

महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और सशक्तिकरण के सार्थक प्रयास

लखनऊ, 07 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पिछले आठ वर्षों में अनेक पहल की हैं। विगत वर्षों में शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और अभियानों के माध्यम से राज्य सरकार ने आधी आबादी को न केवल सम्मान और सुरक्षा प्रदान की, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। इन प्रयासों की झलक बजट 2025-26 में भी देखने को मिली, जिसमें महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के लिए कई नई घोषणाएं की गई हैं। महिलाओं के प्रति यह समर्पण न केवल उत्तर प्रदेश के विकास को गति दे रहा है, बल्कि देश के सामने एक मिसाल भी पेश कर रहा है।

योगी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत लगभग 09 लाख व्यक्तिगत और 69 हजार से अधिक सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कर सभी नगरीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (जऊक्र) घोषित करने में सफलता हासिल की है। खास तौर पर महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1,100 ब्लॉकों में पिंक शौचालयों का निर्माण कराया गया है। यह कदम महिलाओं के सम्मान और उनकी गरिमा को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

कमजोर वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 680 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को उच्चीकृत किया गया है, जहां कक्षा 12 तक मुफ्त आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 200 करोड़ रुपए के प्रावधान से दिसंबर 2024 तक 58,594 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया जा चुका है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से अब तक 22 लाख 11 हजार बालिकाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाने का कार्य किया गया है।

निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत 2016-17 में जहां 17 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा था, वहीं 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 34 लाख हो गई है। इन महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की पेंशन प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, अनुपूरक पुष्टाहार योजना के जरिए 06 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती-धात्री महिलाओं के लिए पोषण सुनिश्चित करते हुए 2 करोड़ 12 लाख लाभार्थियों के जीवन में सुधार किया गया है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को 2024-25 से दो मुफ्त सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं के घरेलू जीवन में सुगमता आई है। रक्षाबंधन के पर्व पर 2017 से 2024 तक 1 करोड़ 20 लाख से अधिक महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान की गई। वहीं, लखपति महिला योजना के तहत 31 लाख से अधिक महिलाओं को चिह्नित किया गया, जिनमें से 2 लाख से अधिक अब लखपति बन चुकी हैं। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति-5.0, ऑपरेशन गरुड़, ऑपरेशन शील्ड जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इन पहलों ने महिलाओं को न केवल सुरक्षित माहौल प्रदान किया, बल्कि समाज में उनकी स्थिति को मजबूत करने में भी योगदान दिया।

प्रदेश के 59 शहरों का होगा जीआईएस बेस्ड विकास

महायोजना का खाका तैयार

लखनऊ/एजेंसियां। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने जीआईएस (ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम) बेस्ड महायोजना का खाका तैयार किया है। इसके तहत प्रदेश के 59 शहरों का उन्नत तकनीक और हाईटेक सुविधाओं से विकास किया जाएगा। इस फैसले से प्रदेश के विभिन्न शहरों को शहरीकरण की सही दिशा मिलेगी और शहरों के बुनियादी ढांचे को और अधिक मजबूत किया जाएगा। सीएम योगी ने महायोजना के तहत 35 शहरों को आधुनिकीकरण के लिए मंजूरी दे दी है। वहीं शेष को जल्द ही हरी झंडी दे दी जाएगी। इन शहरों में अयोध्या, अलीगढ़, सहारनपुर, देवरिया, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, मथुरा, आजमगढ़, प्रयागराज, बरेली, गाजीपुर, रामनगर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर सहित अन्य शहर शामिल हैं। इन शहरों में उन्नत तकनीकी विकास और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। योगी सरकार जीआईएस तकनीक का उपयोग करके शहरों को वैज्ञानिक और डेटा-आधारित बनाएगी। इसके जरिये शहरों की सड़कों, जल निकासी प्रणाली, ग्रीन स्पेस, ट्रैफिक मैनेजमेंट, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय मामलों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जाएंगी।

इस तकनीक से शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित विकास को रोकने और योजनाबद्ध तरीके से बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। महायोजना के तहत शहरों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सके। इन शहरों में ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित वाहनों की समस्या को दूर करने के लिए आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा। बारिश के पानी की निकासी और जलभराव से बचाव के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। वहीं बसों, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया जाएगा। इसके साथ ही शहरों में ग्रीन बेल्ट विकसित किए जाएंगे और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए नए पौधे लगाए जाएंगे। योगी सरकार की महायोजना से न केवल शहरों के बुनियादी ढांचे का विकास होगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभिन्न निर्माण कार्यों, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और टेक्नोलॉजी आधारित सेवाओं से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

सेबी अध्यक्ष ने बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता पर दिया जोर

मुंबई/नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को एक ऐसी व्यवस्था लेकर आने का वादा किया, जिसमें सेबी बोर्ड के सदस्यों के लिए हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना जरूरी होगा।

पांडेय ने सेबी बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया है।

तुहिन कांत पांडेय ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पूंजी बाजार नियामक अब अपने कर्मचारियों के हितों के टकराव का खुलासा करेगा।

सेबी के प्रमुख का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में में सेबी के अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शिता के दृष्टिकोण से ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी की जरूरत है।

सेबी प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदमों से सेबी को समूचे परिवेश का भरोसा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम अपनी खुद की योजना के साथ आगे आएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता के साथ हितों के टकराव आदि को जनता के सामने उजागर किया जा सके।

पांडेय ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता का मसला सेबी तक भी जाता है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि उस भरोसे को बनाए भी रखना है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय शेयर बाजार से बढ़ती निकासी को लेकर चिंता के बीच सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक उनके परिचालन को नियंत्रित करने वाले नियमों को और अधिक तर्कसंगत बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 2 दिन से जारी तेजी शुक्रवार को थमती हुई नजर आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयू: वैष्णव

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोषं नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई। जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं।

आरईआईटी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

6200 करोड़ रुपये के आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के संयुक्त उद्यम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरपीएच) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इश्यू के जरिए 6,200 करोड़ रुपये जुटाने की है, जो भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी आईपीओ होगा। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से आईपीओ लाने के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने डीआरएचपी में कहा कि इसका लक्ष्य आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है।

सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक नेट ऑपरेटिंग इनकम (एनओआई) और ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के मामले में यह आरईआईटी भारत का सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी में ब्लैकस्टोन की 55 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि शेष हिस्सेदारी सत्व की होगी। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में लिस्टिंग के समय का खुलासा नहीं किया गया है। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत का पांचवां सूचीबद्ध आरईआईटी होगा। ड्राफ्ट पेपर्स में साझा किए गए विवरण के मुताबिक इसका कुल लीज योग्य क्षेत्रफल 48 मिलियन वर्ग फीट होगा, जो एशिया में दूसरा सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी की 95 फीसदी संपत्तियां शीर्ष तीन भारतीय कार्यालय बाजारों मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में केंद्रित हैं। आरईआईटी के पोर्टफोलियो का 90 फीसदी हिस्सा पट्टे पर है, जिसमें 76 फीसदी किराएदार बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। आरईआईटी में शामिल कुछ संपत्तियां मुंबई में वन बीकेसी, वन इंटरनेशनल सेंटर और वन वर्ल्ड सेंटर हैं।

कंपनी के मुताबिक यह भारत का सबसे बड़ा रियल्टी इक्विटी ट्रस्ट (आरईआईटी) होगा, जिसका नाम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट रखा गया है। इश्यू की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग मुख्य रूप से ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। 6,200 करोड़ रुपये के कुल निर्गम आकार में से 5,800 करोड़ रुपये का उपयोग बकाया ऋण के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान या कुछ परिसंपत्ति विशेष प्रयोजन वाहनों और निवेश संस्थाओं के ऋण के पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया, तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

हैदराबाद। विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यामिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक यह सहयोग संरचित कार्यक्रम बनाने पर केंद्रित होगा, जो स्टार्टअप को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, वित्तपोषण के अवसर और बाजार संपर्क प्रदान करेगा। यह पहल अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सुगम बनाएगी और दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगी।इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया के साथ साझेदारी भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, साथ ही जिम्मेदार और टिकाऊ नवाचारों को बढ़ावा देना है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने इस सहयोग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और उन्नत विनिर्माण के कंपनी के फोकस क्षेत्रों के साथ संरेखित है। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग के माध्यम से मर्सिडीज-बेंज इंडिया सार्थक सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए इनक्यूबेटर और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

व्यापार समझौते पर...

मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। यह समारोह 12 मार्च को मनाया जाएगा। भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी समारोह में भाग लेगी। प्रधानमंत्री ने आखिरी बार 2015 में मॉरीशस का दौरा किया था। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मिलेंगे और देश के महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ कई अन्य बैठकें करेंगे।

अल्पसंख्यकों के...

हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की रक्षा करे। हालांकि, 5 अगस्त, 2024 से 16 फरवरी, 2025 तक 2374 से अधिक घटनाओं में से केवल 1254 घटनाओं की पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है। इसके अलावा, इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत घटनाओं को 'प्रकृति में राजनीतिक' माना गया था। हम उम्मीद करते हैं कि बंगलादेश इस तरह के बिना किसी भेदभाव के हत्याओं, आगजनी और हिंसा के सभी अपराधियों की पूरी तरह से जांच करेगा और न्याय के कटघरे में लाएगा।बंगलादेश के साथ विकास सहयोग के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि विकास सहयोग बंगलादेश के लोगों के साथ हमारे संबंधों का एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। हाल की सुरक्षा स्थिति और लंबे समय से स्थानीय मुद्दों ने इनमें से कुछ परियोजनाओं के कार्यान्वयन की गति को प्रभावित किया है। इसलिए आधिकारिक चर्चाओं में परियोजना पोर्टफोलियो को तर्कसंगत बनाने और समयबद्ध तरीके से पारस्परिक रूप से सहमत परियोजनाओं को निष्पादित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बंगलादेश की ओर से प्रतिबद्ध समर्थन और लंबित मंजूरी प्राप्त करने के अधीन, हम इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

गंगा जल संधि के बारे में एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि भारत और बंगलादेश के बीच गंगा जल संधि के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित संयुक्त समिति की 86 वीं बैठक गुरुवार 6 मार्च को कोलकाता में आयोजित की गई थी। यह नियमित तकनीकी बैठक, जो साल में तीन बार होती है। यह वर्ष 1996 में हस्ताक्षरित संधि के कार्यान्वयन से जुड़े संस्थागत संरचित तंत्र का हिस्सा है। बैठक में दोनों पक्षों ने गंगा जल संधि, जल प्रवाह की माप और आपसी हित के अन्य मुद्दों से संबंधित तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की।

कर्नाटक की ...

मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने की घोषणा की है।कांग्रेस सरकार ने मस्जिदों के पेश-इमामों का मानदेय बढ़ाकर 6,000 रुपए प्रति माह कर दिया है। यह बढ़ोतरी जैन पुजारियों और सिख ग्रंथियों पर भी लागू होगी। इस बजट में 250 करोड़ रुपए ईसाई समुदाय के विकास के लिए प्रावधान किया गया है। हज यात्रियों और उनके रिश्तेदारों के लिए बेंगलुरु में हज भवन का एक अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जाएगा।राज्य सरकार ने विदेश पढ़ने जाने वाले अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की सहायता राशि बढ़ाकर 20 लाख रुपए से 30 लाख रुपए कर दिया। माइनॉरिटी बहुल इलाकों में सरकार ने खढख खोलने की घोषणा की है। बजट में यह भी कहा गया है कि कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के माध्यम से व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले अल्पसंख्यक छात्रों के लिए 50% फीस वापस लौटाया जाएगा।कर्नाटक सरकार के बजट में उर्दू माध्यम के स्कूलों की सहायता के लिए 100 करोड़ रुपए दिए गए हैं। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से सीनियर सेकेंड्री परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए मदरसों में औपचारिक शिक्षा और सुविधाओं का प्रावधान करने की घोषणा की है।वहीं, 169 माइनॉरिटी हॉस्टल में रहने वाले 25,000 विद्यार्थियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने की भी बात कही गई है। बजट में अल्पसंख्यक छात्रों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने का भी प्रावधान है।सीएम सिद्धारमैया ने घोषणा की है कि कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने के लिए अल्पसंख्यक युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कॉलोनी विकास कार्यक्रम के लिए 1,000 करोड़ रुपए का आवंटित किए हैं। वहीं, राज्य के हर तालुका में अल्पसंख्यकों के लिए बहुउद्देशीय हॉल बनाया जाएगा। हर हॉल की अनुमानित लागत लगभग 50 लाख रुपए होगी। इस तरह भाजपा ने राज्य सरकार के बजट की तीखी आलोचना करते हुए इसे मुस्लिम लीग बजट कहा है।

मेडिकल इंजीनियरिंग...

कागजी शब्द को लहराने के लिए आलोचना की। अमित शाह और अन्नामलाई के बयान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन द्वारा यह कहे जाने के बाद आए हैं कि एनईपी एलकेजी के छात्र द्वारा पीएचडी धारक को व्याख्यान देने जैसा है, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पहले ही नीति के कई लक्ष्यों को हासिल कर चुका है। भाषा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने बदलाव किए और अब यह सुनिश्चित किया है कि सीआईएसएफ के अभ्यर्थी अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें।

उन्होंने कहा, ''मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं।'' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कहा, ''चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त करना हो, शिक्षा हो या राष्ट्र की एकता और अखंडता हो, तमिलनाडु ने हर क्षेत्र में भारतीय संस्कृति को मजबूत किया है।'' इस कार्यक्रम में अर्द्धसैनिक बल के टुकड़ियों का 'मार्च पास्ट', योग प्रदर्शन और कमांडो अभियान का प्रदर्शन किया गया।

ईरान के साथ...

फिलहाल ईरान के विदेश मंत्रालय की ओर से मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।वहीं, रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने ईरानी राजदूत काजम जलाली के साथ ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित स्थिति को सुलझाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों पर चर्चा की। ट्रंप ने जनवरी में पदभार संभालने के बाद अमेरिकी विदेश नीति में बड़ा परिवर्तन किया है। रूस के प्रति अमेरिका का रवैया बदला है और अधिक समझौतापूर्ण रुख अपनाया गया है। इससे पश्चिम के दूसरे सहयोगी चिंतित हैं। ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने की कोशिश में लगे हैं। 2015 से ईरान परमाणु समझौते पर बातचीत शुरू हुई थी। हालांकि 2018 में ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका इससे अलग हो गया था फिर बाइडेन प्रशासन के समय भी ईरान के साथ परमाणु समझौते के प्रयास हुए थे।

हरियाणा के ...

घनी आबादी से दूर ले जाने में सफलता पाई। वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, भारतीय वायुसेना के एक जगुआर विमान के क्रैश का कारण सिस्टम में खराबी थी। इस घटना की सच्चाई जानने के लिए वायुसेना ने जांच का आदेश दे दिया है।वायु सेना की तरफ से पूरी घटना की गहन जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुर्घटना न हो। ऐसे हालात में अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी जाती है और आगे किसी भी कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

अंत्योदय परिवारों को ...

शून्य स्टैम्प शुल्क : सीएम ने इस बजट के जरिए ब्लड रिलेशन की संपत्ति के ट्रांसफर के लिए शून्य स्टैम्प शुल्क की व्यवस्था की है। इसके तहत लेन-देन को आसान बनाने और संपत्ति हस्तांतरण पर कानूनी विवादों को कम करने के लिए, सरकार ने रक्त संबंधियों के बीच उपहार लेनदेन के लिए स्टाम्प शुल्क संरचना में सुधार का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में, ऐसे लेन-देन के लिए स्टाम्प शुल्क 3 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक भिन्न होता है जो औपचारिक रजिस्ट्रेशन को हतोत्साहित करता है।इसे लेकर उन्होंने कहा इससे निपटने के लिए, मैं रक्त संबंधियों को उपहार में दी गई संपत्ति पर स्टाम्प शुल्क को शून्य करने का प्रस्ताव करता हूं, जिससे कानूनी दस्तावेजीकरण को बढ़ावा मिलेगा और विरासत विवादों में कमी आएगी। साथ ही कहा यह पहल वित्तीय राहत प्रदान करेगी, पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी और जम्मू-कश्मीर में संपत्ति हस्तांतरण को सुव्यवस्थित करेगी।

मुफ्त राशन की व्यवस्था

अपने चुनावी वादों में पार्टी ने मुफ्त राशन की भी बात की थी। ऐसे में बजट पेश करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार 1 अप्रैल से सभी एएवाई लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति 10 किलोग्राम मुफ्त राशन प्रदान करेगी। सबसे कमजोर लोगों के लिए बेहतर पोषण सहायता सुनिश्चित करेगी। इसमें सुधार करने और वितरण को सुव्यवस्थित करने के लिए, सरकार उचित मूल्य की दुकानों का मूल्यांकन और उन्नयन करेगी। 2025-26 के लिए, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए पूंजीगत व्यय के तहत 2,221.58 करोड़ रुपएका आवंटन किया गया है, जो 2024-25 के संशोधित आवंटन से 332.72 करोड़ रुपएकी वृद्धि दर्शाता है। सीएम ने कहा कि यह बढ़ी हुई फंडिंग इस क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों का समर्थन करेगी।

प्रेस की स्वतंत्रता

बजट पेश करते हुए सीएम ने प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में भी चिंता की है। मुख्यमंत्री ने प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने और पत्रकारों को सुरक्षित और पारदर्शी वातावरण में काम करने के लिए सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मीडिया जनमत को आकार देने, लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और नागरिकों को सूचित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस भावना से, हम प्रेस के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सूचना तक अधिक पहुंच की सुविधा प्रदान करने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में अब्दुल्ला ने घोषणा की कि सरकार जम्मू और श्रीनगर में प्रेस क्लब को पुनर्जीवित करने और उसका समर्थन करने का प्रयास करेगी, जिससे पत्रकारों को सार्वजनिक चर्चा में शामिल होने, सहयोग करने और सार्थक योगदान देने के लिए एक समर्पित स्थान मिलेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 08 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल शिक्षा समिति में महिला दिवस आयोजित

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा दि. 7 मार्च को समिति के सेड़मलहॉल में महिला दिवस मनाया गया। महिलाएं चाहे शिक्षा हो व्यापार हो विज्ञान हो या राजनीति हो हर क्षेत्र में अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है महिलाएं ऐसे कीर्तिमान स्थापित कर रही है जिनकी कुछ वर्ष पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

महिलाओं के विचार और उनके जीवन मूल्य एक सुखी परिवार आदर्श समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की और ले जाते हैं।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती अश्विनी विजय कुमार आत्रेय रही समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का आरंभ वंदे वंदेमातरम् गान और दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। मंच पर विराजित गणमान्यों द्वारा मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह, शॉल व पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया।

समिति की अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने सभी का स्वागत करते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कि टैगलाइन में हमें अपने कार्य को गतिमान करना है। महिला दिवस के आधार स्तंभ महत्वपूर्ण हैं जैसे सम्मान, समान अवसर और सशक्तिकरण सम्मान वह है जो नारीत्व को सम्मान दे। हम महिलाएं किसी से प्रतियोगिता नहीं करना चाहती,हम देखते है कि ईश्वर में भी नारी सम्मिलित है। शिव को अर्धनारीश्वर कहा जाता है, तात्पर्य यह है कि भगवान भी नारी के बिना अधूरे है। आज नारियों ने आसमान को छू लिया है। समुद्र में गोताखोरी भी कर ली है। आज के दिन सभी को यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि नारी का हर क्षेत्र में सम्मान किया जाय। महिलाओं कि प्रतिभा को निख-ारने के लिए उन्हें समान अवसर प्रदान किए जाए और हमें अपनी अपनी सामर्थ्य के अनुसार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास करना चाहिए।एन. बी. साइंस कॉलेज की एम. सी. ए विभाग की उप प्राचार्य श्रीमती के एल माधुरी ने मुख्य अतिथि श्रीमती अश्विनी विजय कुमार का परिचय दिया। मुख्य अतिथि वक्ता ने खुशी के साथ जंगल में घूमना, कई भूमिकाएँ निभाते हुए भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखना विषय पर अपने विचार पीपीटी के माध्यम से रखें।

मुख्य अतिथि ने अपने संदेश में कहा कि बहुआयामी क्रियाकलापों की जिम्मेदारी की वजह से विशेषकर महिलाएं तनावग्रस्त हो रही है। उन्होंने कहा कि खुशी के अतिरेक में काम के अतिरेक में दुख के अतिरेक में परिवार में तनाव होना स्वाभाविक है किंतु हमें स्वयं को जहां तक हो सके तनाव मुक्त रखना चाहिए । कार्य की वजह से वाद विवाद, गुस्सा होना, किसी को डांटने के बाद भी हमें तनाव महसूस होता है इस तनाव से मुक्ति जरूरी है। इसके लिए उन्होंने बहुत आसान टेपिंग की तकनीकी बतलाई, टेपिंग की पद्धति, जिससे किसी भी प्रकार के भावावेश में उत्पन्न तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। उन्होंने सभी को वह क्रियाएं सिखाई जो बहुत उपयोगी हो सकती है। अगर हम इन्हें अपनाते हैं और तनाव मुक्त होने की इच्छा रखते हैं तो किसी रोग के आने से पहले निरोगी रहने के लिए हमें इन क्रियाओं को करना चाहिए, जिससे हम स्वस्थ व प्रसन्न रह सकते हैं।

अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार जी केडिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत में यह संस्कृति है कि सबसे पहले हम भारत माता की जय बोलते है। 100 वर्ष पूर्व अग्रवाल कन्या पाठशाला की नींव रखी गई आज वह एक विशाल रूप लेकर अग्रवाल शिक्षा समिति बन चुका है। आज समिति के अंतर्गत 16 संस्थाएं है।मानद मंत्री सी ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने एकत्रित हुए है। मैं यह मानता हु कि न सिर्फ आज का दिन बल्कि सारे दिन महिला दिवस है। महिलाओं के योगदान के बिना हमारा जीवन अधूरा है। मैं महिलाओं के सभी रूपों को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि आज का नारा बेटी पढ़ाओ सफलता पाओ होना चाहिए।

एस डी सिनोडिया कॉलेज पी जी के कॉरस्पॉडेंट श्री मुकुंद लाल जी अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा किनारी जीवन संघर्षपूर्ण है। हमारी संस्कृति में धन, विद्या और शक्ति के लिए सदैव देवियों को ही पूजा जाता है। भगवान के नाम के आगे भी स्त्री का नाम लिया जाता है।

कार्यक्रम के अवसर पर मंच पर समिति के मानद मंत्री सी ए नवीन कुमार अग्रवाल, एस डी सिग्रोडिया कॉलेज पी जी के कॉरस्पॉडेंट श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, डी बी गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पॉडेंट व राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के समन्वयक श्री मनीष कुमार अग्रवाल, एल बी एम टी स्कूल के करेस्पॉन्डेन्ट श्री राजेश कुमार अग्रवाल, मंचासीन रहे। अवसर पर समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निर्देशक डॉ राजेश अग्रवाल, संस्थाओं के प्रधान गण, शिक्षक गण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एस डी सिनोडिया कॉलेज की एम बी ए की निर्देशिका डॉ पल्लवी के रंगनाथन ने किया। जी, के, पी, एस एवं एल, बी, एम, टी स्कूल की प्राचार्य श्रीमती प्रीति बाला ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगनमोहन राव अरिष्णपल्ली ने गुरुवार को आरजीआईसी स्टेडियम, उप्पल में आईपीएल की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए बीसीसीआई स्थल टीम के साथ एचसीए उपाध्यक्ष दलजीत सिंह, संयुक्त सचिव बसव राजू, पार्षद सुनील कुमार के साथ एक उपयोगी समीक्षा बैठक की।

अग्रमंच और झुंझुनू प्रगति संघ हैदराबाद का अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबादा, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रमंच और झुंझुनू प्रगति संघ हैदराबाद के तत्वावधान मेंसीए इंटर 2025, ऑल इंडिया प्रथम रैंकर दीपांशी अग्रवाल (पुत्री रचना एवं दीपक जी अग्रवाल) का अभिनंदन और सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीए श्रीलक्ष्मीनिवास शर्मा (वरिष्ठ सीए एवं प्रमुख समाज सेवी) और विशेष अतिथि के रूप में सीए हेराम्भ माहेश्वरी (C- finals 2025 -ll India Rank 1) उपस्थित थे।

झुंझुनू प्रगति संघ के वरिष्ठ सदस्य गौरीशंकर मित्तल ने दीपांशी को शाल उढ़ाई और अध्यक्ष राजू पंसारी ने पुष्प गुच्छ भेंट किया। सीए योगेश सिंघानियां ने संघ की तरफ से दीपांशी को बधाई पत्र भेंट किया। संघ के सचिव संदीप ढेढ़िया ने दीपांशी के माता पिता का अभिनन्दन पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।विदित रहे कि दीपांशी अग्रवाल झुंझुनू के बुद्धिप्रकाश खंडेलिया दोहिती है। झुंझुनू के लिए ये बहुत ही गौरव का विषय है। कार्यक्रम के आयोजन और संचालन में झुंझुनू प्रगति संघ के पूर्व अध्यक्ष दिलीप पंसारी की अहम् भूमिका रही।

ईसीआईएल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 7 मार्च को इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में होमी जहांगीर भाभा कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व ईसीआईएल की महिला कर्मचारियों ने किया, जो कार्यबल में महिलाओं को सशक्त बनाने और उनका समर्थन करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनुराग कुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईसीआईएल महिलाओं के लिए काम करने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है, जो उन्हें अपने करियर को गति देने और संगठन के भीतर महत्वपूर्ण परियोजनाओं का नेतृत्व करने के अवसर प्रदान करता है।

समारोह के दौरान, कई कर्मचारियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त महिला कर्मचारियों को भी कंपनी में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।विशिष्ट अतिथियों में इसरो की वैज्ञानिक-एसजी डॉ. वंदिता श्रीवास्तव, जीएसटी की संयुक्त आयुक्त सुश्री शांता कुमारी सग्गम, श्री जयप्रकाश नंबारू और एनएफसी की उत्कृष्ट वैज्ञानिक सुश्री मारा राजश्री शामिल थीं, जिन्होंने विशेष आमंत्रित के रूप में समारोह में भाग लिया। समारोह में श्री राजेंद्र कुमार पारख, निदेशक (वित्त), श्री पी. कृष्ण कुमार, आईटीएस, सीवीओ, कार्यकारी निदेशक, जीएम, एचओडी, ईसीओए और ईसीएमएस के पदाधिकारी, ईसीआईएल के कर्मचारियों और उनके परिवारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के प्रति ईसीआईएल के अटूट समर्थन पर प्रकाश डाला गया, और संगठन की सफलता में उनके अमूल्य योगदान को मान्यता दी गई।

भाजपा एवं माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महिला दिवस का आयोजन 11 को

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी एवं माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन 11 मार्च को प्रातः 11.00 बजे वैदिक वाचनालय, लाइब्रेरी, घाँसी बाज़ार में आयोजित किया जाएगा । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संदर्भ में एक संयुक्त बैठक ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल के निवास घांसी बाज़ार में आयोजित की गई थी जिसमे यह निर्णय लिया गया कि इस कार्यक्रम में भाजपा की तेलंगाना की महिला मोर्चा की अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी मुख्य अतिथि रहेंगी ।

विशेष अतिथि के रूप में भाजपा तेलंगाना महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष डॉ. मालती, आंध्र प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मंत्री सी. कृष्ण यादव, भाजपा गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, भाजपा गोलकोंडा जिला महिला मोर्चा की मंत्री जी. स्वप्ना रहेंगीं । कार्यक्रम में ट्रस्ट की वरिष्ठ महिला सदस्यों एवं अन्य संस्थाओं की महिलाओं का सम्मान किया जाएगा । कार्यक्रम के पश्चात भोजन का प्रबंध रहेगा । ट्रस्ट द्वारा श्याम महोत्सव की निशान यात्रा जो विभिन्न क्षेत्र से होती हुई श्याम मंदिर जाती है उसका पुष्प से सम्मान तथा ठंडाई, नींबू पानी, शुद्ध जल, शीतल पेय की व्यवस्था चादर घाट के करीब साईं बाबा मंदिर के सामने की जाएगी ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, हेमा मालिनी तायल ने ट्रस्ट के सभी सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों से दोनों कार्यक्रम में उपस्थित होकर सफलता प्रदान करने हेतु आग्रह किया है ।

बैठक में भाजपा चारमीनार संभाग के संयोजक शक्ति प्रवीण कुमार, भाजपा महिला मोर्चा गोलकोंडा जिला की अध्यक्ष गिरी करुणा यादव, भाजपा महिला मोर्चा गोलकोंडा ज़िला की मंत्री जी. स्वप्ना, माँ दुर्गा कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, हेमा मालिनी तायल, मुकुंद लाल अग्रवाल, ललित अग्रवाल नमिता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को मुंगालाल सतीशकुमार ढलेला परिवार (किरण इंडस्ट्रीज, उस्मानगंज, हैदराबाद) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), अशोक गुप्ता एस.जे, रोहित अग्रवाल, श्यामलालजी अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल,शिवानी अग्रवाल, मनोज गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, मनीष फिटकारीवाला, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सांवरे के बावरे के द्वारा श्री श्याम निशान शोभा यात्रा 10 को

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सांवरे के बावरे, सिकन्दराबाद के तत्वावधान में फाल्गुन एकादशी के उपलक्ष्य में 'श्री श्याम निशान शोभा यात्रा का आयोजन श्री वीर हनुमान मन्दिर, तिरुमलगिरी से श्री पहाडी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स तक निकाली जायेगी । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अमित अग्रवाल द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार फाल्गुन एकादशी, सोमवार 10 मार्च को प्रातः 6:31 बजे श्री वीर हनुमान मन्दिर, आरटीए आफिस के सामने, डीएडी क्वाटर्स, तिरुमलगिरी से निशान पूजन के पश्चात बाबा श्यामजी को बग्गी में आरुण कर भक्तों में केसर-चँदन का छिडकाव, गाजे-बाजे के साथ, भजन कीर्तन एवं बाबा के संग होली खेलते हुए महेन्द्रा हिल्स स्थित श्री पहाडी श्याम मन्दिर पहुँचेगी ।

सांवरे के बावरे द्वारा यात्रा की तैयारियों की एक समीक्षा बैठक की गई जिसमें अमित अग्रवाल, नितीश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, गोपाल त्रिवेदी, तनिष्क अग्रवाल, गर्व अग्रवाल ने यात्रा संबंधी विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की गई ।

नगरद्वय हैदराबाद-सिकन्दराबाद के सभी श्याम भक्तों एवं सभी श्याम प्रेमी संस्थाओं के सदस्यों ने अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर अपनी मनोकामनाओं की अर्जी बाबा श्यामजी के सम्मुक लगाकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया गया है ।

कापरा, बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में गेर नृत्य 14 को

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कापरा, बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला प्रांगण में चंग की थाप पर रंगारंग गेर नृत्य कार्यक्रम आगामी शुक्रवार दि. 14 मार्च से अपराह्न 4.00 से रात्रि 10.30 तक आयोजित किया जा रहा है।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपुरा ने बताया कि श्री आईजी गौशाला प्रांगण में सर्वसमाज बन्धुओं के सान्निध्य में होली महोत्सव का कार्यक्रम गुरुवार दि.13 और 14 मार्च को आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत होली दहन, सभी गैरों टीमों का गैर नृत्य का आयोजन होगा। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपुरा ने बताया कि गौभक्तों के सान्निध्य में दो दिवसीय होली महोत्सव श्री आईजी गौशाला प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। गुरुवार, 13 मार्च को रात 11.15 बजे होलिका दहन एवं शुक्रवार, 14 मार्च को सायं 4 बजे से हैदराबाद से सभी एरिया से सभी गैरों नृत्य का फूलों से सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। गैरों के टीमों का नाम दि. 12 मार्च तक है पंजीकृत करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए उपाध्यक्ष कालुराम काग, पूर्व अध्यक्ष मोतीलाल काग से फ़ोन : 98663 40722, 85550 05775 पर संपर्क कर सकते हैं। 14 मार्च को प्रसादी कार्यक्रम भी आयोजित िगौभक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने एवं दान पुण्य का लाभ लेवें का आग्रह किया गया ।

पद्मश्री डॉ. वेलु आनंदाचारी एवं गौरत्न जसमत पटेल का अभिनंदन

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पद्मश्री डॉ. वेलु आनंदाचारी तथा प्रमुख समाजसेवी जसमतभाई पटेल का मालाकुंटा स्थित ट्रस्ट कार्यालय में आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रीनोवेशन ट्रस्ट की ओर से अभिनंदन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रीनोवेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी मुकेश चौहान ने बताया कि पारंपरिक मंदिर मूर्तिकला और भारत की मंदिर वास्तुकला में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है पद्मश्री डॉ. वेलु आनंदाचारी तथा लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमतभाई पटेल का उनके द्वारा ट्रस्ट को मोईनाबाद मे निर्माणाधिन बालाजी मंदिर जीर्णोद्धार हेतु बडी राशि के दान की घोषणा करने पर उनका यहाँ ट्रस्ट की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अवसर पर डॉ. वेलु आनंदाचारी का आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रीनोवेशन ट्रस्ट चेरमेन आर.के. जैन, वाईस चेरमेन रिद्धीश जागीरदार,

परामर्शदाता जसमत पटेल, महेन्द्र सिंघी, प्रवीण वाणीगोता, चैतन्य महाप्रभु, स्वामी कमलेश महाराज आदि द्वारा अभिनंदन किया गया। वहीं मंदिर निर्माण दान दाता लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल का पद्मश्री डॉ. वेलु आनंदाचारी एवं अन्यो द्वारा शाल एवं स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मानित किया गया। रिद्धीश जागीरदार ने पद्मश्री डॉ. वेलु का परिचय देते हुए कहा कि 1 जून 1952 को आंध्र प्रदेश के चितूर जिले के वेन्नमपल्ली गांव मे जन्मे डॉ. वेलु ने 1972 से 1975 तक एसवी ट्रेनिग सेंटर फॉर स्कल्पचर, टीटीडी तिरूपती से मूर्तिकला प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्राप्त किया और 1986 में डिस्टेंस एजुकेशन द्वारा आंध्र विश्वविद्यालय, वाल्टेयर से बीए की डिग्री हासिल की। उन्होंने 1994'95 के दौरान हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व में एमए की डिग्री भी प्राप्त की। डॉ. वेलु ने आंध्र प्रदेश सरकार में 2009 से 2010 तक मुख्य स्तपति पदग्रहण किया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले यह तेलुगु क्षेत्र के पहले व्यक्ति है। उन्हें आंध प्रदेश सरकार की तकनीकी सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया और उन्होंने अपने सभी कार्यों को पूरी लगन से पूरा किया। डॉ. वेलु जिन्होने एक विशाल और प्रतिष्ठित परियोजना यदाद्री मंदिर में काम किया है को अतिरिक्त स्तपति सलाहकार नियुक्त किया गया था और उन्होंने वर्ष 2022 में इस विशाल परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. वेलु ने 2011 से 2013 तक एक संपादक के रूप में काम करते हुए तेलुगु में द टेम्पल आर्किटेक्चर, जिसे कश्यापम और मायामाताशिल्प ग्रंथम के नाम से जाना जाता है के प्रकाशन मे पूर्णकालिक तौर पर अपनी सेवाएं दी। यह उनका पहला प्रकाशन और भारत में पहली बार सामने आई एक उत्कृष्ट रचना थी, जिसने डॉ. वेलु की छवि को और निखार दिया। उन्हेंने अपने कार्य में उत्कृष्टता के लिए 2018 में तुविश्वविद्यालयप्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर सभी ने मंदिरो के जिर्णोद्धार के लिए सहयोग करने की अपील की । ट्रस्ट को इन्कम टेक्स की धारा 80 जी, 12 ए तथा सी.एस.आर. के अंतर्गत छुट प्राप्त है । सी.एस.आर. फंड के माध्यम से देश विदेश की सनातन धरोहर को बचाने एवं सुरक्षीत करने मे अपना अमुल्य सहयोग करने की दान दाताओ से अपील की गयी है। अधिक जानकारी के लिए ट्रस्ट के पदाधीकारीयो से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 186वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 9 को

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 186वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार दि. 9 मार्च को ताड़बंड, सिकंदराबाद स्थित कल्याण मण्डपम (श्री वीरअन्जैनन्या स्वामी मंदिर) में आयोजित होने जा रहा है। उक्त स्वास्थ्य जांच शिविर में श्री वीर अन्जैनैया स्वामी टैम्पल प्रबंधन समिति का स्थानीय सहयोग रहेगा ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि जांच शिविर में रिनोवा नीलीमा, सनतनगर, हैदराबाद अस्पताल और रिनोवा सौम्या कैंसर सेंटर, कारखाना, सिकंदराबाद के डाक्टरों द्वारा रक्तचाप, सुगर जांच, ईसीजी, बीएमडी सामान्य रोगों संबंधित, हृदय रोगों से संबंधित, हड्डियों के रोगों से संबंधित महिलाओं से संबंधित, बालरोग से संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जायेगी और महीला के लिए कैंसर लक्षण परिक्षण हेतु निःशुल्क मोमोग्राफी, पेप सिमर टेस्ट होगा।

एलसीएच साधुराम आई अस्पताल, दोमलगुड्डा, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों के नेत्र संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जाएगी और जांच के दोरान चिन्हित किए गये मोतियाबिंद के रोगियों का निःशुल्क आपोरेशन किया गया जायेगा। एशियन ईएनटी केयर सेंटर बेगमपेट के डॉ. छावा अन्जनेयेलू के नेतृत्व में विशेषज्ञो द्वारा नाक, कान, गला संबंधित रोगीयों को सेवा प्रदान कीह जायेगी। दांतों संबंधित रोगीयों को दि क्राउन डेंटल क्लिनिक, अमीरपेट, हैदराबाद के डॉ. कपिल बलदेव के द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी। रामा स्कीन क्लिनिक,बशिरबाग,सोमाजी गुड्डा, हैदराबाद के डॉ. एस आर अग्रवाल के द्वारा त्वचा संबधती रोगो के निदान हेतु परामर्श दिया जाएगा। वासवि फिजियोथैरेपी एंड रिहेबलिटेशन सेंटर, लकड़ी का पूल, हैदराबाद के डॉ. रवि के नेतृत्व में फिजियोथैरेपी सेवा प्रदान की जायेगी, ओम एकुप्रेसर क्लिनिक, हैदरगुडा, हैदराबाद के डॉ. ओमप्रकाश अग्रवाल प्राकृतिक विधी एकुप्रेसर द्वारा रोगों का निदान करेंगे ।

श्री साईं होम्यो क्लिनिक, चिरागअली लेन, हैदराबाद के डॉ. आई राजलक्ष्मी द्वारा रोतिगयों को होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी। उक्त शिविर में निःशुल्क दवाइयां का वितरण भवानी ग्रुप इंदरबाग, कोठी, हैदराबाद के अभिमन्यु अग्रवाल और पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम द्वारा किया जाएगा।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर सुबह 10 बजे से 2.00 बजे तक चलेगा । पंजीकरण समय सुबह 10.00 से 12.00 बजे तक होगा।

अग्रवाल मानव सेवा मंच और श्री वीर अन्जैनन्या स्वामी टैम्पल प्रबंधन समिति स्थानीय वासीयों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर स्वास्थ्य जांच शिविर में उपलब्ध निशुल्क सेवाओं का लाभ उठायें। अधिक जानकारी हेतु संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल से मोबाइल नंबर 9014573582 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

पवन मित्तल, अध्यक्ष अग्रवाल समाज, सिक्किम ने हैदराबाद दौरे के दौरान रामनिवास गुप्ताजी, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना और डीबीएएस, एबीएएस के साथ उनके निवास पर बैठक की। श्री मित्तल लक्सलॉजिक्स स्टूडियो, बंजारा हिल्स का भी दौरा किया और उदय गुप्ता और सुमित भालोटिया, संस्थापक अग्रवाल बिज़ कनेक्ट के साथ सहयोग, संयुक्त उद्यम, सिक्किम के अग्रवाल और पैन इंडिया अग्रवाल के बीच नए व्यापार समर्थन के बारे में चर्चा की।

विभिन्न क्षेत्रों में गौ ग्रास हेतु गौदान पात्रों का वितरण

गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रुपया दान योजना अभियान कार्यक्रम का पुनःशुभारंभ

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

5 वर्ष पूर्व आये कोरोना महामारी के कारण नगरद्वय के आस पास चल रही विभिन्न गौशालाओं को हो रही आर्थिक कठिनाइयों के समाधान के अंतर्गत गुरुवार को लव फोर काऊ फाण्डेशन द्वारा गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये दान योजना अभियान कार्याम का पुनः शुभारंभ किया गया।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे लव फोर काऊ फाउण्डेशन की ट्रस्टी विरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि गौमाता के प्रतिदन एक रूपये के दान के संकल्प अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रो मे गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो का वितरण कार्याम का शुभारंभ टी.टी. डी. हिन्दू धर्म प्रचार परिषद बोर्ड के पूर्व सदस्य स्वामी कमलेश महाराज द्वारा दानपात्र का विधिवत मंत्रोचार कर माता लक्ष्मी के हस्त से आशिर्वाद रूपी प्राप्त दान राशी को पात्र मे डालकर इसका विधिवत प्रारंभ किया गया।

अवसर पर , महाभारत फाउंडेशन के चैतन्य महाप्रभु, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, पद्मश्री ग्रहिता डॉ. वेलु आनंदाचारी उपस्थित थे।कमलेश स्वामी ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा चल रहे इस संकल्प कार्याम से वह अत्यंत प्रभावीत है। उन्होने आगे कहा कि हम सभी को संकल्प करना है कि आज के बाद यथा संभव अपने परिवार में गाय के दूध का ही प्रयोग करेंगे । यात्रा या बाहर रहने पर भी कोशिश करेंगे कि गाय के दूध का प्रयोग करेंगे इसके साथ ही साथ अपने इष्ट मित्रों को ही गाय के दूध को प्रयोग लाने की प्रेरणा देंगे यह गो भक्ती के प्रति यह मेरा संकल्प है।

महाभारत फाउंडेशन के चैतन्य महाप्रभु ने कहा कि इस योजना के माध्यम से प्राप्त राशी का सदउपयोग होने से शहर की विभिन्न गोशालाओं को हो रही कठीनाईया कम होगीं। वहीं उन्होने योजना की सफलता के लिए फाउण्डेशन के सदस्यों को शुभकामनाये दी।

गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो का विभिन्न क्षेत्रो मे वितरण किया गया जिसके अंतर्गत सायं 5 बजे से शमशिरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला मे 50 पात्रो का वितरण गया। वहाँ पर शिवमंदिर मे आयोजित भागवत कथा पारायण अंतर्गत कथा करने पधारे भागवत कथाकार दौदयाल चतुर्वेदी को भी दान पात्र भेटकर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

अवसर पर दौदयाल चतुर्वेदी ने कहा कि वह अपने कथाओ के माध्यम से सनातन धर्मप्रेमियो से, ब्रह्मणो से गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये योजना के लिए विशेष रूप से प्रयास करने एवं सहयोग करने का आश्वासन दिया। अवसर पर शिवमंदिर गौशाला के मंत्री गोवर्धनदास तपाडिया, सदस्यगण गणेश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, आनंद तिवारी, पवन तिवारी, ांती, दिगम्बर जैन समाज के आर.के. जैन आदि उपस्थित थे।तत्पश्चात गोशामहल क्षेत्र मे वल्लभ युथ ओर्गनाईजेशन (वि.वाय.ओ.) के पदाधिकारीगण डेनीश पटेल, कौशिक पटेल, आशिष पटेल आदि को भी गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो का वितरण किया गया जिसे उन्हे उनके क्षेत्रमे स्थित प्लायवुड मार्केट, टिम्बर मर्चेन्ट, आदि दुकानो मे वितरण करने का निवेदन किया गया। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि हमारा शहर के आस पास करीब 40 गौशाला है एवं कई गौशालाओ को आर्थिक कठीनाईया है। लव फोर काऊ फाउण्डशन के माध्यम से प्रतिदिन एक रूपये दान योजना चलाई जा रही है तथा गोवत्स फाउंडेशन के माध्यम से हम गो ग्रास के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रो मे दान पात्र लगाकर उससे प्राप्त होने वाले आय से विभिन्न गौशाला आर्थिक अव्यवस्थाओं को दुरू करने एवं गोग्रास के लिए सहयोग करना आदि शामिल है।

प्रभावती जोन ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दिनांक 7 मार्च प्रभावती जोन ने आज सामायिक में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

यहां पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्रीमती प्रभा दूगड़ ने बताया कि स्थानीय महिला मंडल के तत्वावधान में हैदराबाद में लगभग 25 सामायिक जोन में प्रतिमाह व्यवस्थित रूप से सामायिक एवं केंद्र द्वारा निर्देशित करणीय कार्य सुचारू रूप से गतिमान है ।इसी कड़ी में आज प्रभावती जोन की सामायिक किरण एंक्लेव स्थित अभय जी सुशीला देवी दूगड़ के निवास स्थान दोपहर 3 से 4 पर रखी गई। मंत्री सुशील मोदी ने नगरद्वय में विराजित साध्वी श्री डॉ गवे-षणा श्रीजी आदि ठाणा-4 के सुख सुखसता पूर्वक विचरण करने की जानकारी दी।।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रेक्षा कल्याण वर्ष के अंतर्गत नवकार मंत्र के पश्चात प्रेक्षा ध्यान गीत का सामूहिक संगान किया गया । मंगल भावना और नितनेम के पश्चात जूली बैद द्वारा त्रिपदी वंदना,अर्हम का ध्यान एवं महाप्राण ध्वनि करवाई गई।

दूसरे चरण में प्रभा दूगड़ ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपनी मैं भारत की नारी हूं कविता द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की । सुशील मोदी,ममता सुराणा,मीना भंडारी,जूली बैद,पुष्पा कोठारी एवं मंजुला पटवारी ने अपनी कविता के द्वारा, इंदु देवी कुंडलिया ने गीतिका द्वारा तथा चंद्रकला लुणावत सुमन बोहरा,मंजू बरड़िया,सुमन सेठिया, सुशीला दूगड़,प्रियंका दूगड़,बेबी नओमिका दूगड़,उषा दूगड़ आदि सभी 15 वक्ताओं ने अपने भावपूर्ण जोशिले वक्तव्य द्वारा महिला दिवस की भावनाएं व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी ।

अंत में सुशीला दूगड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया एवं सबका साथ प्रभावती जोन के विकास का नारा लगाया । आज के कार्यक्रम में महिला मंडल के मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी की गरिमामय उपस्थिति रही उन्होंने अ.भा.ते.म.मं द्वारा निर्देशित स्थानीय महिला मंडल द्वारा 8 मार्च को साध्वी श्री जी के सानिध्य में मारेडपल्ली स्थित तातेड भवन में कवि सम्मेलन एवं प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम स्वरधारा में सभी को आने का निमंत्रण दिया ।

भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी का स्वागत करती हुईं भाजपा नेता सपना गुप्ता। इस अवसर पर रचना, प्राची, लक्ष्मी व अन्य उपस्थित थे। भाजपा नेता गीता, उमा दीदी को फूल देकर बधाई देती हुईं भाजपा नेता सपना गुप्ता।

मेयर विजय लक्ष्मी गडवाल को महिला दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए भाषाई अल्पसंख्यक सेल तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष - प्रेमलता अग्रवाल और सह-अध्यक्ष पुरषोतम गुप्ता एलएमसीटीपीसीसी।

वलांडी-हैदराबाद बस सेवा शुरू, सीमावर्ती यात्रियों को बड़ी राहत

वलांडी, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

महाराष्ट्र और कर्नाटक के सीमावर्ती इलाकों के यात्रियों की सुविधा के लिए भालकी डिपो द्वारा वलांडी-हैदराबाद मार्ग पर एक और अतिरिक्त बस सेवा शुरू की गई है।

पत्रकार हसन मोमीन के लगातार प्रयासों के बाद यह दूसरी वलांडी-हैदराबाद बस सेवा गुरुवार (06 तारीख) से शुरू की गई।यह बस हर दिन दोपहर 1:30 बजे वलांडी से रवाना होगी और अलवाई, मेहकर, भालकी, बीदर, ज़हीराबाद होते हुए रात 8:00 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। वापसी में यह बस सुबह 5:00 बजे हैदराबाद से चलेगी और दोपहर 1:30 बजे वलांडी पहुंचेगी।बस सेवा शुरू होने पर वलांडी बस स्टैंड पर ग्रामीणों की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर चालक संभाजी तळीखेडे और परिचालक नागनाथ पाटील का शॉल, श्रीफल और पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। किसान संघ के उपाध्यक्ष सुरेंद्र अंबुलगे के हाथों श्रीफल फोड़कर बस सेवा का शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम में बाजार समिति के अध्यक्ष उमाकांत नागलगावे, बालाजी सोनकवडे, हसन मोमीन, मुस्ताक कादरी, आसलम ताबोली, रवी स्वामी, गणेश चवाले, रामलिंग बावगे, मोहम्मद शिकूर बौडीवाले सहित कई गणमान्य व्यक्ति और यात्री उपस्थित थे।बस सेवा के शुरू होने से सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों और यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हुई है, जिससे यात्रियों ने संतोष व्यक्त किया।

इस सेवा को शुरू करने के लिए भालकी डिपो के प्रबंधक भद्रप्पा हुडगे और बीदर जिले के पालकमंत्री ईश्वरजी खंड्रे का आभार व्यक्त किया गया।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद समय-समय पर उभरता रहता है, लेकिन यह वलांडी-हैदराबाद बस सेवा तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषी लोगों को एक राष्ट्रभक्ति के सूत्र में जोड़ने का काम करेगी। इस बस सेवा का लाभ तीन राज्यों के यात्रियों को मिलेगा, जिससे व्यापारी, छात्र और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

अनुबंध के आधार पर अस्थायी पदों को भरने के लिए कदम : कलेक्टर

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक बयान में कहा कि जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेजों/सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए इस महीने की 31 तारीख तक अनुबंध के आधार पर प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पदों को अस्थायी रूप से भरने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Rasale Sarika is legally wedded spouse of No 15504612K Rank Dfr Name Boda Naveen presently residing at Vill-Manmath, PO-Manmath, Teh-Lohesra, Dist -Adilabad (Telangana) have changed my name from RASALE SARIKA to BODA SARIKA vide Affidavit dated 07/03/25 before notary Secunderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, T Thankamony R/o vill & P.O & Teh:Neyyattinkara, dist: Thiruvananthapuram, state: Kerala, pin:695121 have changed my name as T THANKAMONY to THANKAMANI .S vide affidavit dt:07-03-2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, Soni Kumari R/o vill & P.O & Teh:Neyyattinkara, dist: Thiruvananthapuram, state: Kerala, pin:695121 have changed my name as SONI KUMARI to SUNI vide affidavit dt:07-03-2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, Angel .S D/o Sunil .R R/o vill & P.O & Teh:Neyyattinkara, dist: Thiruvananthapuram, state: Kerala, pin:695121 have changed my daughter name as ANGEL .S To ANGEL .SS vide affidavit dt:07-03-2025 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, INDUMATI spouse of Service No. 14269824N Ex.Hav G.VENKATA SRAVAN KUMAR, R/o.2-3-944/1/104, Arunodaya Nagar, Road No.4, Balaji Sri Bharati Heights, Nagole, Bandlaguda, Hyderabad - 500068, Telangana have changed my name from INDUMATI to KOMMARAJU INDUMATHI vide affidavit dt:07-03-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME AND DOB
I, Army No. JC 735918L Nb/Sub HARDE SAMPAT SHANKAR, R/o.Qtr No.P-21/D, Map Line, C/o. AOC Records, Secunderabad, Telangana hereby declare that my mother name and DOB is changed from KESHARBAI HARDE, DOB: 07-04-1964 to KESHARBAI SHANKAR HARDE, DOB:01-01-1953.

CHANGE OF NAME
I, S K BINDHU is legally wedded spouse of Service No-JC-774285Y Rank-SUB,Name-Aji Kumar M Residing at H.No-10/1B, Kattachal, Kadayal,Dist-Kanyakumari,State-Tamil Nadu PIN-629101. I have changed my name from S K BINDHU to BINDHU S K Affidavit dated 06 March 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

पहले ही मैच में गोल दागकर चमकी साक्षी राणा, बोलीं- लक्ष्य था डेब्यू मैच में स्कोर करना

नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

महज 17 साल की उम्र में भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाने वाली साक्षी राणा ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इस टूर्नामेंट में साक्षी ने अपने सीनियर इंटरनेशनल करियर का आगाज किया और पहले ही मैच में स्पेन के खिलाफ बेहतरीन फील्ड गोल दागकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पहले ही मैच में मिले मौके को साक्षी ने पूरी तरह भुनाया, हालांकि भारतीय टीम को इस मुकाबले में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

डेब्यू का बेसब्री से इंतजार था

अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता के अनुभव को साझा करते हुए साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'मैं लंबे समय से अपने डेब्यू का इंतजार कर रही थी, इसलिए यह दिन मेरे लिए बेहद खास था। मुझे ज्यादा घबराहट नहीं हुई क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मुझे पूरा समर्थन दिया और कहा कि पहले मैच में कोई गलती नहीं होती, बस खुलकर खेलना है।'

साक्षी का यह गोल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का शानदार उदाहरण था। उन्होंने विपक्षी टीम पर आक्रामक प्रेसिंग की, सही समय पर टैकल कर गेंद छीनी और फिर बैकहैंड शॉट मारते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस खास लम्हे को याद करते हुए साक्षी ने कहा, 'मेरा लक्ष्य था कि डेब्यू मैच में ही स्कोर करूं, इसलिए मैं पूरी तरह से तैयार थी। जब मैंने गेंद छीनी और देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है, तो मैंने तुरंत शॉट मारा। जैसे ही गोल हुआ, स्टेडियम में शोर गूंज उठा और मुझे अहसास हुआ कि मैंने गोल कर दिया है। यह मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण था।'

कोच हरेंद्र सिंह ने दिखाया भरोसा

टीम चयन के दौरान साक्षी को शुरुआत में स्टैंडबाय सूची में रखा गया था, लेकिन मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने उनके हुनर और मेहनत को पहचानते हुए उन्हें अंतिम टीम में शामिल कर लिया। इस पर साक्षी ने कहा, 'जब उन्होंने (हरेंद्र सिंह) मुझे बताया कि मैं खेलने जा रही हूं, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे नहीं, बल्कि मेरे खेल को चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे गोल करने का मौका मिलेगा और सीनियर खिलाड़ी मेरी मदद करेंगे। जब मैंने गोल किया, तो कोच ने मुझे गले लगाया, जो मेरे लिए बेहद खास पल था।'

अब लक्ष्य जूनियर वर्ल्ड कप जीतना

अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करने के बावजूद साक्षी को लगता है कि उन्हें अपनी गति पर और मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैंने हाल ही में हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है और महसूस किया कि अब खेल पूरी तरह गति पर निर्भर करता है। खासकर, एक फॉरवर्ड खिलाड़ी होने के नाते मुझे और तेज होना होगा, इसलिए अब मैं अपनी स्पीड पर काम करूंगी।'

साक्षी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का अहम हिस्सा थीं, जिसने पिछले साल जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता था। अब उनकी नजरें इस साल चिली में होने वाले जूनियर वर्ल्ड कप पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा फोकस जूनियर वर्ल्ड कप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ, मेरा लक्ष्य भारत के लिए एक और पदक जीतने में योगदान देना है।'

न्यूज ब्रीफ

चैंपियंस ट्रॉफी : विज्ञापन बाजार में मची हलचल, दरें रिकार्ड स्तर पर

नई दिल्ली। आगामी 9 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बड़े मुकाबले के नतीजे का तो इंतजार है, लेकिन इससे पहले ही विज्ञापन बाजार में हलचल मच चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फाइनल मैच के लिए 10 सेकंड के विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 40 लाख रुपये से ज्यादा हो गई हैं। इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन दरें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे ब्रॉडकास्टरों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भारी मुनाफा होने की संभावना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन की दरें 725 रुपये प्रति हजार इंप्रेशन (सीपीएम) तक पहुंच गई हैं। वहीं, भारत के अन्य मैचों के दौरान यह दरें 500 रुपये प्रति 10 सेकंड तक थीं, लेकिन फाइनल के चलते यह तेजी से बढ़ी हैं। रन ऑफ साइट (आओएस) विज्ञापनों की दरें भी 575 रुपये तक पहुंच चुकी हैं। विज्ञापन इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के अनुसार, आठ साल बाद लौट रही चैंपियंस ट्रॉफी को दर्शक एक मिनी वर्ल्ड कप की तरह देख रहे हैं, जिससे दर्शकों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। एनवी कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर विवेक मेनन का कहना है कि भारत के फाइनल में पहुंचने से विज्ञापन बाजार में जबरदस्त उछाल आया है। टूर्नामेंट के पहले कुछ मैचों में ही विज्ञापन दरों में तेजी देखी गई थी, लेकिन जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे ब्रांड्स ने अपनी निवेश राशि को बढ़ा दिया। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान तो विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 50 लाख रुपये प्रति 10 सेकंड तक पहुंच गई थीं, जो अब फाइनल के लिए लगभग उसी स्तर पर हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकको लगे झटके पे झटके, करोड़ों का हुआ नुकसान

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए पाकिस्तान को एक और झटका लगा है। करीब 30 साल बाद पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली थी और वह लीग चरण में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गया। दूसरी और विज्ञापनों से होने वाली मोटी कमाई से भी पाकिस्तान महरूम रह गया। 3 दशक बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने से पाकिस्तान को मोटी कमाई की उम्मीद थी, लेकिन उसे भारत से दुश्मनी का खामियाजा भुगतना पड़ा। पहले तो भारत के पाकिस्तान में खेलने नहीं जाने की वजह से विज्ञापनों की कमाई पर असर पड़ा और फिर उसके टूर्नामेंट से बाहर होने की वजह से स्टेडियम खाली रहे। इस पर भी पाकिस्तान को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया भारत को सेमीफाइनल में हरा देगा तो फाइनल मैच पाकिस्तान में खेला जाएगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को मोटा पैसा मिलेगा, लेकिन भारत ने इस उम्मीद पर भी पानी फेर दिया और पीसीबी को करोड़ों का नुकसान हुआ। भारतीय टीम ने अपने सभी चारों मैच दुबई में खेले जिससे पीसीबी को 156 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अब फाइनल भी पाकिस्तान में न होकर दुबई में खेला जाएगा, जिससे पीसीबी को और 39 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कुल 195 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। रही-सही कसर बारिश ने पूरी कर दी।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराया

लखनऊ। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से जॉर्जिया वोल ने 33 गेंदों पर 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहीं। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे यूपी वॉरियर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के लिए अमिलिया केर ने पांच विकेट चटकाए, जबकि हेली मैथ्यूज को दो सफलता मिली। वहीं, नैट सीवर ब्रंट और परुनिका सिसोदिया ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज ने 46 गेंदों पर 68 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे टीम को मजबूत शुरुआत मिली। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। नैट सिवर ने 37 रन की अहम पारी खेली। यूपी वारियर्स के लिए ग्रेस हैरिस ने दो विकेट अपने नाम किए. जबकि हैनरी और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला।

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में वापसी

नई दिल्ली, 07 मार्च (एजेंसियां)।

मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे

भारत के सर्वकालिक शीर्ष गोलस्कोरर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास तोड़ते हुए मार्च में होने वाली अंतरराष्ट्रीय विंडो में मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का फैसला किया है।

40 वर्षीय छेत्री ने पिछले साल जून में फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी।

94 अंतरराष्ट्रीय गोलों के साथ, वह पुरुष फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, उनसे ऊपर केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई हैं। हालांकि, उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलुरु एफसी के लिए खेलना जारी रखा और 12 गोल दागकर इस सीजन में लीग के शीर्ष भारतीय गोलस्कोरर बने।

उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 23 मैच खेले हैं, जिनमें से 17 में वह शुरुआती एकादश में थे और कुल 14 गोलों में योगदान दिया, जिसमें दो असिस्ट शामिल हैं। गोल्डन बूट की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने बेंगलुरु एफसी को प्लेऑफ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि पिछले सीजन में टीम तीसरे स्थान से नीचे रही थी।

संन्यास के बाद छेत्री ने स्पष्ट किया था, 'संन्यास का निर्णय शारीरिक कारणों से नहीं था। मैं अब भी फिट हूं, दौड़ रहा हूं, बचाव कर रहा हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह निर्णय मानसिक पहलुओं से जुड़ा था।'

भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर में बांग्लादेश, हांगकांग (चीन) और सिंगापुर के साथ समूह में रखा गया है। भारत इस महीने 19 मार्च को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ दोस्ताना मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगा, इसके बाद तीसरे दौर के क्वालिफायर में बांग्लादेश का सामना करेगा।

भारतीय टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने एक बयान में कहा, 'एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट और आगामी मैचों के महत्व को देखते हुए, मैंने सुनील छेत्री से वापसी को लेकर चर्चा की। उन्होंने सहमति जताई, और इसलिए हमने उन्हें टीम में शामिल किया है।'

पिछले एशियन कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां टीम ग्रुप स्टेज में तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई थी। अब जब छेत्री टीम में वापस आ गए हैं और अपनी तीसरी एशियन कप उपस्थिति की उम्मीद कर रहे हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि कोच मार्केज़ उन्हें पारंपरिक नंबर 9 के रूप में खिलाते हैं या प्रभावशाली विकल्प के रूप में उपयोग करते हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरुमीत सिंह, विशाल कैथ।
डिफेंडर: आशीष राय, बोरिस सिंह थांगजाम, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस।
मिडफील्डर: आशिक कुरुनियन, आयुष देव छेत्री, ब्रैंडन फर्नांडिस, ब्रिसन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, लालेंगमाविया, लिस्टन कोलाको, महेश सिंह नाओरेम, सुरेश सिंह वांगजम।
फॉरवर्ड : सुनील छेत्री, फारुख चौधरी, इरफान यदवद, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह।

इंडोनेशिया ने 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए तीन फुटबॉलरों को नागरिकता प्रदान की

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के तीसरे दौर से पहले राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए तीन इंडोनेशियाई मूल के खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की। संघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की घोषणा की। संघ के बयान के अनुसार, इंडोनेशियाई संसद ने डीन रुबेन जेम्स, जोई मैथियस पेलुपेसी और एमिल ऑडेरो मुल्यादी की नागरिकता अनुरोध को मंजूरी दे दी।

अगले चरण में, इन खिलाड़ियों के नागरिकता दस्तावेज राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो को सौंपे जाएंगे, ताकि राष्ट्रपति की ओर से एक औपचारिक डिक्री जारी की जा सके, जो उन्हें इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में शपथ लेने की अनुमति देगा। पीएसएसआई की कार्यकारी समिति के सदस्य आर्य सिनुलिंग्गा के अनुसार, राष्ट्रपति प्रबावो शुक्रवार (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे। सिनुलिंग्गा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,फ्हमें सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति कल (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके बाद नागरिकता शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को 10 मार्च से पहले पूरा कर लिया जाएगा, पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक तोहिर ने संसद को इस प्रक्रिया को मंजूरी देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इन तीन खिलाड़ियों के टीम में शामिल होने से इंडोनेशियाई राष्ट्रीय टीम की ताकत बढ़ेगी।

डेविड लॉयड ने डर्बीशायर के कप्तान पद से दिया इस्तीफा

लंदन, 07 मार्च (एजेंसियां)।

डर्बीशायर के हरफनमौला खिलाड़ी डेविड लॉयड ने 2025 सीज़न से पहले क्लब के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। लॉयड, जिन्होंने 2023 में ग्लेमॉर्गन से डर्बीशायर का रुख किया था, पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप में टीम के कप्तान थे, लेकिन उनकी अगुवाई में डर्बीशायर डिवीजन टू में सबसे निचले स्थान पर रहा और 'वुडन स्पून' प्राप्त किया।

अपने पहले पूर्ण सीज़न में 32 वर्षीय लॉयड ने चैंपियनशिप में बल्ले से 23.47 की औसत और गेंद से 31.00 की औसत से प्रदर्शन किया। उन्होंने बेहतर व्यक्तिगत प्रदर्शन की उम्मीद में कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है।

डर्बीशायर के हेड ऑफ क्रिकेट मिकी आर्थर नेक्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'डेविड ने कप्तानी में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और वह एक शानदार नेता रहे हैं, लेकिन टीम की अगुवाई करने का मानसिक दबाव, अपने फॉर्म को फिर से हासिल करने की कोशिश, और अपने परिवार के साथ संतुलन बनाए रखना - ये सभी कारण हैं कि उनके लिए यह जिम्मेदारी छोड़ना बेहतर होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'डेविड मेरे साथ पूरी ईमानदारी से पेश आए। वह टीम के लिए योगदान देने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनकी अनुभव व नेतृत्व क्षमता ड्रेसिंग रूम और मैदान पर बहुमूल्य साबित होगी। हमें उम्मीद है कि इस सीज़न में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिलेगा।'

डर्बीशायर ने 2024 सीज़न से पहले बड़े बदलाव किए थे, जब लॉयड ने लेउस डू प्लॉय के जाने के बाद कप्तानी संभाली थी। हालांकि, टीम के प्रदर्शन में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। 2023 में बिना किसी जीत के सीज़न खत्म करने के बाद, 2024 में उन्होंने एकमात्र जीत दर्ज की, छह मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और अंततः वे अंकतालिका में सबसे नीचे रहे।

हालांकि, यह एक जीत डर्बी में चैंपियनशिप क्रिकेट में पांच साल के सूखे को समाप्त करने में सफल रही।

अपनी कप्तानी छोड़ने के फैसले पर लॉयड ने कहा, 'यह मेरे लिए एक आसान निर्णय नहीं था, लेकिन सर्दियों के दौरान मैंने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के साथियों से चर्चा की, और मुझे लगता है कि यह फैसला मुझे अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'डर्बीशायर की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। अब मैं कम दबाव के साथ खेलने के लिए उत्साहित हूं, मिकी और कोचिंग टीम से सीखने के मौके को भुनाना चाहता हूं और हमारे समर्थकों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने की कोशिश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि टीम सभी प्रारूपों में प्रतिस्पर्धा करे। मैं इसमें अपनी भूमिका निभाने और नए कप्तान की हरसंभव मदद करने के लिए तत्पर हूं।'

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे। इस अवसर पर पवन सिसौदिया सचिव जिला कुश्ती संघ, अंकित अग्रवाल लेखाकार, सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान व आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, नरेश पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

यूरोपा लीग : रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच ड्रॉ, एथलेटिक बिलबाओ को अंतिम क्षणों में मिली हार

मैड्रिड, 07 मार्च (एजेंसियां)।

यूरोपा लीग के अंतिम-16 चरण के पहले चरण में रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच बास्क टीम के रेले एरिना स्टेडियम में खेला गया।

मैच से पहले रियल सोसिदाद को झटका लगा जब स्पेनिश मिडफील्डर मार्टिन जुबिमेंडी बीमारी के कारण टीम से बाहर हो गए। उनकी अनुपस्थिति का असर टीम के खेल पर दिखा, क्योंकि यूनाइटेड ने पांच डिफेंडरों के साथ रक्षात्मक खेल अपनाया और काउंटर अटैक पर जोर दिया।

यूनाइटेड के लिए पहली कोशिश अलेजांद्रो गारनाचो ने की, लेकिन उनका शॉट सीधा गोलकीपर एलेक्स रेमिरो के हाथों में चला गया। दोनों टीमें रक्षात्मक रूप से मजबूत दिखीं, जिससे गोल के मौके कम बने।

जोशुआ जिर्कज़ी यूनाइटेड के लिए एक अच्छा मौका बना सकते थे, लेकिन अरित्ज़ एलुस्तोंदो ने उनके लगातार दो शॉट ब्लॉक कर दिए। वहीं, रियल सोसिदाद की ओर से आंद्रे ओनाना को पहले हाफ में कोई भी शॉट रोकने की जरूरत नहीं पड़ी।

दूसरे हाफ में पहला मौका गारनाचो को मिला, जिन्होंने फ्री-किक से अच्छा प्रयास किया, लेकिन गेंद पोस्ट के पास से बाहर चली गई।

यूनाइटेड के लिए जोशुआ जिर्कज़ी ने ब्रूनो फर्नांडिस के पास पर शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, कुछ देर बाद फर्नांडिस के गैरजरूरी हैंडबॉल के कारण रियल सोसिदाद को पेनल्टी मिली, जिसे मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

रियल सोसिदाद के ब्राइस मेंडेज़ ने विजयी गोल करने की कोशिश की, लेकिन ओनाना ने उनके प्रयास को शानदार तरीके से बचा लिया।

दूसरी ओर, एथलेटिक बिलबाओ को अपने पहले चरण के मुकाबले में अंतिम क्षणों में हार का सामना करना पड़ा। रोम में खेले गए इस मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को इटालियन क्लब रोमा के खिलाफ 2-1 से हार झेलनी पड़ी।

इनाकी विलियम्स ने 50वें मिनट में हेडर के जरिए एथलेटिक को बढ़त दिलाई, लेकिन छह मिनट बाद एंजेलिनो ने रोमा के लिए बराबरी का गोल किया। मैच के अंतिम क्षणों में बिलबाओ को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, क्योंकि डिफेंडर येराय अल्वारेज़ को दूसरा येलो कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा।

अंतिम सेकंड में एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल कर रोमा को 2-1 से जीत दिला दी, जिससे एथलेटिक बिलबाओ के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।

बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार कर रहा इंग्लैंड : रॉब की

लंदन, 07 मार्च (एजेंसियां)।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार न करना मूर्खता होगी। 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन इंग्लैंड एक और खराब आईसीसी टूर्नामेंट से गुजर रहा है, जहां टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में एक भी मैच जीते बिना बाहर हो गई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने पद छोड़ दिया, जिससे अब इंग्लैंड क्रिकेट प्रबंधन के सामने टीम के भविष्य को संवारने के लिए अहम फैसला लेने की चुनौती है।

स्टोक्स, जो 33 साल के हैं, इंग्लैंड क्रिकेट में एक प्रेरणादायक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने उन टीमों का हिस्सा बनकर बड़ी भूमिका निभाई, जिन्होंने एक समय पर दोनों व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किए थे। हालांकि, उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यह संभव नहीं हो सका।

रॉब की ने एक बयान में कहा, 'बेन स्टोक्स सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं, जिन्हें मैंने देखा है। इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना गलत होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे क्या असर पड़ेगा। हम हर एक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि कौन-सा फैसला सबसे सही रहेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'स्टोक्स एक शानदार रणनीतिकार हैं, जैसा कि हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा है, लेकिन वह लोगों को प्रेरित करने वाले लीडर भी हैं। जब दबाव ज्यादा होता है, तो वह टीम को संभालते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यही लक्षण एक अच्छे कप्तान में होने चाहिए। लेकिन हमें उनके वर्कलोड पर भी ध्यान देना होगा, ताकि किसी अन्य प्रारूप में उनकी उपलब्धता प्रभावित न हो।'

स्टोक्स ने बतौर टेस्ट कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के साथ सफल साझेदारी बनाई है। मैकुलम को इस साल इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल फॉर्मेट का कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को अब तक सीमित ओवरों के 11 मैचों में से 10 में हार का सामना करना पड़ा है।

रॉब की ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट की समानता को देखते हुए स्टोक्स और मैकुलम की जोड़ी वनडे फॉर्मेट में भी फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने भारत के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां टी20 विशेषज्ञों का दबदबा है, लेकिन वनडे टीम की रीढ़ टेस्ट खिलाड़ी ही हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट अब ज्यादा करीब आ चुके हैं, जबकि टी20 अब एक अलग प्रारूप की तरह हो गया है। भारत में भी टी20 क्रिकेट में नए खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन वनडे में टेस्ट खिलाड़ी ही टीम की ताकत हैं।'

इसके अलावा, की ने युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक की कप्तानी क्षमता पर भी भरोसा जताया और कहा कि स्टोक्स की मौजूदगी उनके नेतृत्व कौशल को निखार सकती है। 26 वर्षीय ब्रूक को इंग्लैंड का भविष्य का कप्तान माना जाता है और उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बटलर की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की वनडे टीम की कप्तानी भी की थी।

की ने कहा, 'मुझे लगता है कि हैरी ब्रूक एक शानदार कप्तान बन सकते हैं। बेन स्टोक्स की कप्तानी को लेकर मुझे पहले कुछ संदेह था, लेकिन उन्होंने जिस तरह नेतृत्व किया है, वह काबिलेतारीफ है। स्टोक्स की उपस्थिति ब्रूक के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अतिरिक्त जिम्मेदारी कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।'

हैदराबाद डीआरडीओ की महिला अधिकारी ने बढ़ाया देश का मान

लंदन के भारतीय उच्चायोग में अधिकारी बनीं अनुराधा पांडेय

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) की अधिकारी अनुराधा पांडेय ने पूरे देश में मान बढ़ाया है। अनुराधा पांडेय लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अधिकारी बनी हैं। उन्होंने पिछले दिनों अपना पदभार ग्रहण किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इसे बड़ी उपलब्धि के बतौर देखा जा रहा है। इस महिला अधिकारी ने अपनी मेहनत और लगन से ऊंचा मुकाम हासिल किया है।

विदेश मंत्रालय ने हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की अधिकारी अनुराधा पांडेय को लंदन के भारतीय उच्चायोग में हिंदी एवं संस्कृति अधिकारी के सम्मानित पद पर नियुक्ति की है। यह उपलब्धि उनके साथ-साथ पूरे देश की महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। इससे पहले भी अनुराधा पांडेय ने विश्व हिंदी सम्मेलन फिजी में महत्वपूर्ण योगदान देकर देश का मान बढ़ाया था।

अनुराधा पांडेय की शिक्षा सीआरपीएफ के केंद्रीय विद्यालय से होती हुई हैदराबाद विश्वविद्यालय से पूर्ण हुई। अनुराधा बिहार के बक्सर जिले के बड़का राजपुर निवासी राजनाथ पांडेय एवं जानकी देवी की बेटी हैं और बड़का सिंहनपूरा निवासी स्वर्गीय कृष्णदेव ओझा एवं स्वर्गीय शांति देवी की बहू हैं। अनुराधा के पति राहुल ओझा और बिटिया अद्विता ओझा का भी अनुराधा की उपलब्धि में सहयोग रहा। नई भूमिका में अनुराधा हिंदी भाषा के विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और कला की वैश्विक मंच पर सम्मानजनक प्रस्तुति के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केंद्र दक्षिणी राज्यों से बदला लेने के लिए परिसीमन का इस्तेमाल कर रहा है : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके दक्षिणी राज्यों से बदला ले रही है। उन्होंने दावा किया कि भगवा पार्टी ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि उसे पता है कि वह दक्षिण में राजनीतिक जमीन हासिल नहीं कर सकती। उन्होंने तर्क दिया कि इसके परिणामस्वरूप, बीजेपी दक्षिणी राज्यों से प्रतिनिधित्व कम करने का प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दक्षिणी राज्यों का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि पंजाब जैसे राज्यों का भी मुद्दा है, जहां भाजपा को राजनीतिक रूप से खुद को स्थापित करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।शुक्रवार, को एक

कार्यक्रम में बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे को भी चुनौती दी कि केंद्र जनसंख्या के बजाय आनुपातिक आधार पर परिसीमन करेगा।उन्होंने बताया, यह आनुपातिक प्रणाली क्या है? उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 80 सीटें हैं। यदि सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाती है, तो यूपी में 180 सीटें होंगी। इसके विपरीत, तमिलनाडु, जिसमें वर्तमान में 40 सीटें हैं, में केवल 60 सीटों की वृद्धि होगी। यदि दक्षिणी राज्यों में भी यही फॉर्मूला लागू किया जाता है, जिनमें सामूहिक रूप से 123 सीटें हैं, तो परिसीमन के बाद यह संख्या अधिकतम 183-185 तक बढ़ जाएगी।उन्होंने पूछा, मेरी चिंता संघीय भावना को बनाए रखने को लेकर है। केंद्र सरकार राजनीतिक कार्यपालिका के माध्यम से नीतियां बनाने के बजाय नौकरशाहों की बात क्यों सुन रही है?

उन्होंने तर्क दिया कि यदि केंद्र सरकार परिसीमन के लिए दृढ़ संकल्प है तो उसे 1971 की जनगणना को आधार बनाना चाहिए।रेवंत रेड्डी ने यह भी सवाल उठाया कि दक्षिणी राज्यों को परिवार नियोजन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए केंद्र के पिछले निर्देशों का पालन करने के लिए दंडित क्यों किया जा रहा है, जिसके कारण क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि कम हुई है।

उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, परिसीमन की प्रक्रिया को अगले 30 साल के लिए क्यों न टाल दिया जाए? तब हम अपनी जनसंख्या बढ़ाकर अपनी ताकत दिखाएंगे।

उन्होंने मुफ्त सुविधाओं पर देशव्यापी चर्चा का आह्वान किया तथा सुझाव दिया कि इस पर व्यापक बहस आवश्यक है।

हिंदी थोपे जाने पर उन्होंने कहा कि हिंदी, फ्रेंच और संस्कृत जैसी भाषाएँ शिक्षा प्रणाली में पहले से ही वैकल्पिक हैं। उन्होंने तर्क दिया कि अगर किसी को कोई लक्ष्य हासिल करने के लिए कोई खास भाषा सीखने की ज़रूरत है, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसा करेगा।

उन्होंने मजाक में कहा, मैंने हिंदी इसलिए सीखी ताकि मैं प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना कर सकूं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में अटकलों को संबोधित करते हुए, जिसने कथित तौर पर कांग्रेस आलाकमान को परेशान किया, रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के रूप में, उन्हें प्रधानमंत्री का सम्मान करना चाहिए और तेलंगाना के विकास के लिए काम करना चाहिए। हालांकि, एक कांग्रेस नेता के रूप में, उन्होंने कहा कि वे राजनीतिक मामलों पर टकराव का रुख अपना सकते हैं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि केंद्र ने अन्य राज्यों के बजाय अहमदाबाद को उपहार शहर का दर्जा क्यों दिया।उन्होंने पूछा, केंद्र सरकार गिफ्ट सिटी में निवेश करने वाली विदेशी कंपनियों को अनुचित लाभ दे रही है, जिससे उन्हें अपना राजस्व वापस लाने की अनुमति मिल रही है। हैदराबाद को भी यही दर्जा क्यों नहीं दिया जा रहा ? उन्होंने आगे कहा कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए बुनियादी ढांचे के मामले में हैदराबाद अहमदाबाद से बेहतर स्थिति में है।उन्होंने बताया, हैदराबाद ने पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेज़बानी की है। वास्तव में, मई 2025 में हैदराबाद 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेज़बानी भी करेगा।जब पूछा गया कि कांग्रेस लगातार चुनाव क्यों हार रही है, जबकि भाजपा का दबदबा बना हुआ है, तो रेवंत रेड्डी ने इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर (आईटी) विभाग और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग को जिम्मेदार ठहराया।उन्होंने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां भाजपा के अग्रणी संगठन बन गई हैं, जिनका इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को डराने और उन्हें मजबूर करने के लिए किया जा रहा है।

गोशामहल नाला हादसा : बिजली के खंभे गिरे, स्थानीय लोगों को ब्लैकआउट का सामना करना पड़ा

हैदराबाद, 07 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल नाले पर चल रहे मरम्मत कार्य ने शुक्रवार को उस समय खतरनाक मोड़ ले लिया जब दो मुख्य बिजली के खंभे नाले में गिर गए, जिससे कई इलाके अंधेरे में डूब गए और निवासियों तथा व्यापारियों को और अधिक असुविधा का सामना करना पड़ा। इस घटना से नाला जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने में अधिकारियों की देरी के प्रति जनता में आक्रोश फिर से भड़क गया है, जिससे क्षेत्र में लगातार व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। मुख्य सड़क के समानांतर बहने वाला गोशामहल नाला कई महीनों से संरचनात्मक समस्याओं का सामना कर रहा है । मात्र 25 दिन पहले, नाले की छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हुई और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएँ पैदा हो गईं। इसके बावजूद, मरम्मत का काम धीमा रहा है और स्थानीय लोगों का दावा है कि नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही ने स्थिति को और खराब कर दिया है।चल रहे काम की वजह से नाले से सटी सड़क करीब एक महीने से बंद है, जिससे वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इससे आस-पास के इलाकों में यातायात जाम बढ़ गया है, जिससे दैनिक यात्रियों को और भी परेशानी हो रही है।

शुक्रवार को जब श्रमिक मरम्मत कार्य में लगे थे, तभी दो महत्वपूर्ण बिजली के खंभे नाले में गिर गए, जिसके परिणामस्वरूप बिजली की लाइनें टूट गईं और शॉर्ट सर्किट हो गया।इस घटना के कारण गोशामहल, चकना वाड़ी, चंदन वाड़ी और आसपास के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली आपूर्ति ठप होने से स्थानीय लोगों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, दुकानें और आवश्यक सेवाएं प्रभावित हुईं।देरी और अतिरिक्त बिजली व्यवधान से निराश निवासियों और व्यापारियों ने अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वे नाले की मरम्मत का काम तेजी से पूरा करने और मुख्य सड़क पर यातायात की आवाजाही बहाल करने की मांग कर रहे हैं।पिछले 25 दिनों से सड़क बंद होने से काफी असुविधा हो रही है, जिससे दैनिक यात्रियों, छात्रों और स्थानीय व्यवसायों पर असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने ढही हुई नाले की छत से निकलने वाले मलबे को लेकर भी चिंता जताई है, जिसे साफ नहीं किया जा सका है, जिससे समस्या और भी जटिल हो गई है।

टीडीपी नेता केडी दिनेश ने मरम्मत कार्य पूरा करने में अधिकारियों की निष्क्रियता और तत्परता की कमी की आलोचना की। उन्होंने सड़क बंद होने और बिजली कटौती के कारण क्षेत्र में व्यवसायों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चली आ रही निष्क्रियता के कारण स्थानीय व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार को जवाबदेही लेनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नाला बहाली जल्द से जल्द पूरी हो जाए। उन्होंने जीएचएमसी आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मरम्मत कार्य में तेजी लाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तत्काल उपाय करने का आग्रह किया।

निवासी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) से मलबा हटाने और नाले की संरचनात्मक अखंडता को बहाल करने में देरी को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। कई शिकायतों के बावजूद, परियोजना के पूरा होने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं बताई गई है, जिससे नागरिक निराश हैं और इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि क्षेत्र में सामान्य जीवन कब शुरू होगा।

स्थानीय प्रतिनिधियों और निवासियों ने राज्य के अधिकारियों से सीधे कार्रवाई करने और बिना किसी देरी के मरम्मत कार्य पूरा करने की अपील की है। बार-बार होने वाली बिजली कटौती और उसके बाद होने वाली बिजली कटौती ने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित किया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए जनता की शिकायतों का तुरंत समाधान करना अनिवार्य हो गया है।व्यवसायों को नुकसान, निवासियों को संघर्ष और बुनियादी ढांचे की विफलता के साथ, गोशामहल के लोग आगे अराजकता को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की मांग करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.